

15 की उम्र में पिता को खोया, 17 में नौकरी गई...मालगुडी डेज के 'स्वामी' एक्टिंग छोड़ अब करते हैं ये काम

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 27
न्यूनतम - 16

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 320 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 18 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 9 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

जनता के लिए खुलेगा केजरीवाल सरकार का सीएम आवास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सीएम कार्यकाल के दौरान मिला सरकारी आवास जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि



अगले हफ्ते तक लोगों के लिए विजिट बुक करने की टिकटिंग सिस्टम शुरू होगा। पहले मीडिया के लिए टूर होंगे। इसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर आवास का अंदरूनी हिस्सा देख सकेंगे। अरविंद केजरीवाल साल 2015 से 2024 तक, पूरे 9 साल इस बंगले में परिवार समेत रहे थे। भाजपा ने इसके रेनोवेशन के खर्च पर सवाल खड़ा किया था और बंगले को शीशमहल नाम दिया था।

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य



और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही तालमेल की चर्चा की।

आरोप अमेरिकी एफ-35 से भी एडवांस होगा,पहली उड़ान 2030 तक संभव

देश में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी चल रही है। इसकी पहली उड़ान 2030 तक संभव है। डिफेंस कंपनी रेफी एमफाइबर इसे तैयार कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी समिट में वायुसेना के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत को छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का ऐलान किया। कंपनी के एक सूत्र के मुताबिक, यह विमान छठी पीढ़ी के सभी मानकों पर खरा उतरता है। कई मामलों में इसके पैरामीटर्स अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान से भी आगे हैं। दरअसल, फाइटर जेट को उनकी तकनीक और लड़ने की क्षमता के आधार पर अलग-अलग पीढ़ियों में बांटा जाता है। अभी भारत पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी स्टेल्थ फाइटर जेट बना रहा है। ऐसे में एक प्राइवेट कंपनी का छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने का दावा चर्चा में है।

12 देशों के इंजीनियर मिलकर काम कर रहे



इस फाइटर जेट को बनाते समय वायुसेना की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार उसके साथ 12 देशों के विमान इंजीनियर जुड़े हैं। दावा है कि उसने दुनिया में सर्वाधिक पेटेंट दायर किए हैं। एयरक्राफ्ट डिजाइन और निर्माण के लिए 10 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। ड्रोन में विशेषज्ञता के साथ कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में 7 लाख वर्ग फुट में अपनी फेसिलिटी भी तैयार की है। हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी और पाकिस्तान की बढ़ती क्षमता के बीच भारत समुद्री निगरानी मजबूत कर रहा है। डीआरडीओ ने 'वरुण ध्वनि-01' बनाया है, जो समुद्र के भीतर की आवाजें दर्ज कर संकेत जीसैट उपग्रह से रक्षा प्रयोगशाला भेजेगा। कोच्चि की नौसेना प्रयोगशाला ने इसे बनाया है। इसे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में तैनात किया जाएगा।

5वीं पीढ़ी के फाइटर के लिए जल्द चुना जाएगा प्राइवेट पार्टनर

रक्षा मंत्रालय पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के विकास के लिए 3 औद्योगिक गठबंधनों में से एक का चयन इसी महीने करेगा। इनमें एलएंडटी, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठबंधन शामिल हैं। चुना गया गठबंधन एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ मिलकर परियोजना पर काम करेगा।

मनीला-क्वाड का पुराना और खास रिश्ता

● *पीएम मोदी बोले-यहीं से शुरू हुई थी चारों देशों की साझेदारी* ● *अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी बेहद मजबूत इंसान*

मनीला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में क्वाड देशों के नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मनीला और क्वाड का पुराना और खास रिश्ता रहा है। उन्होंने बताया कि 2007 में चारों देशों के अधिकारियों की पहली बैठक इसी शहर में हुई थी। इसके 10 साल बाद 2017 में यहीं से चारों देशों ने एक बार फिर बातचीत शुरू की थी। पीएम मोदी ने कहा कि इस ऐतिहासिक शहर में दोबारा क्वाड की बैठक होना एक अहम पड़ाव है। उन्होंने बताया कि पिछले साल जनवरी से अब तक चारों देशों के विदेश मंत्री पांच बार मिल चुके हैं। यह उनकी राजनीतिक इच्छाशक्ति और साझेदारी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की मंगलवार को फिलीपींस में मुलाकात हुई। दोनों लीडर राजधानी मनीला में हो रही क्वाड मीटिंग में शामिल हुए।



ट्रम्प ने मोदी की तारीफ की और कहा कि वे सख्त इंसान हैं। मोदी ने भी कहा कि ट्रम्प के साथ उनकी अक्सर बातचीत होती है। उन्होंने कहा कि आज की क्वाड मीटिंग से भविष्य की नींव मजबूत होगी। ट्रम्प और मोदी के बीच 6 महीने में यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों नेता 17 जून को जी 7 समिट के दौरान फ्रांस में मिले थे। क्वाड बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची शामिल हुए।

ट्रम्प बोले-

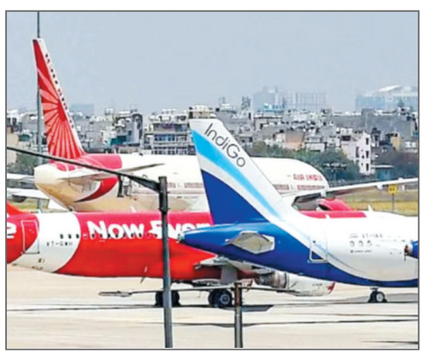
ईरान पागल देश उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे

ट्रम्प ने ईरान की ओर से अमेरिका पर हमले से जुड़े सवाल पर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान की ओर से ऐसा कोई खतरा है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रम्प ने कहा, अगर ऐसा कोई खतरा है, तो उन्हें ऐसी कीमत चुकानी पड़ेगी, जैसी किसी देश ने आज तक नहीं चुकाई होगी। मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं है, लेकिन हम इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान पागल देश है। इसी वजह से उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जा सकता।

जल्द ही कम हो सकता है हवाई किराया बढ़ेंगी फ्लाइट्स

भारत 1,000 विमान खरीदेगा, पीयूष गोयल ने बताया बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अपनी बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने के लिए तैयार है। विमानों की संख्या बढ़ने से हवाई किराया कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि देश इस समय विमानों की भारी कमी से जूझ रहा है और कुल जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को 2,000 से ज्यादा विमानों की जरूरत होगी। इसलिए विमान बनाने वाली कंपनियों से तेज लगातार बातचीत हो रही है दो दिन के मिस्र दौरे पर पहुंचे पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। **भारत और मिस्र के बीच बढ़ेंगी डायरेक्ट**



फ्लाइट्स- केंद्रीय मंत्री ने भारत और मिस्र के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा एयर कनेक्टिविटी की जरूरत है... जैसे ही हमें और विमान मिलेंगे, हमें यकीन है कि हम मिस्र के लिए और अधिक फ्लाइट्स शुरू कर पाएंगे। पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मिस्र की यात्रा पर हैं। वर्तमान में इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती है।

तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते सिविल एविएशन बाजारों में से एक है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए घरेलू विमानन कंपनियों जैसे इंडिगो और एअर इंडिया ने एयरबस और बोइंग को बड़े पैमाने पर विमानों के ऑर्डर दिए हैं। नए विमानों की डिलीवरी मिलने से न केवल घरेलू रूट्स पर भीड़ कम होगी, बल्कि इंटरनेशनल कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। कोविड-19 के बाद दुनिया भर में एयरक्राफ्ट पार्ट्स और इंजन की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिससे बोइंग और एयरबस जैसी कंपनियों के पास ऑर्डर्स का बड़ा बैकलॉग जमा हो गया है और डिलीवरी में देरी हो रही है। भारत में मिडिल क्लास की बढ़ती आय और नए एयरपोर्ट्स खुलने से हवाई यात्रा करने वालों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जिसके मुकाबले एयरलाइंस के पास विमान कम पड़ रहे हैं।

देशभर में 10 हजार हेक्टेयर में चल रहा परीक्षण | यूरिया से ज्यादा असरदार होगा ग्रीन अमोनिया !

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रीन अमोनिया के परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें पंजाब का 1,800 हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह यूरिया से कहीं अधिक प्रभावी है। वहीं भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 4.36 प्रतिशत बढ़कर 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान है।



कृषि मंत्री सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया। मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान मोहाली के बदरपुर गांव में एक खेत में ग्रीन अमोनिया का परीक्षण प्रत्यक्ष तौर पर देखने पहुंचे। इस मौके पर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ मौजूद रहे। पंजाब में हम पहले ही 1,015 हेक्टेयर क्षेत्र में परीक्षण कर चुके हैं।

राजनाथ-जयशंकर की जोड़ी अब जापान में करेगी 'खेला'

● *दिखाएगी कमाल! 2 प्लस 2 वार्ता के लिए आज पहुंचेंगे टोक्यो*



नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ टोक्यो में भारत-जापान विदेश और रक्षा मंत्रियों की चौथी 2 प्लस 2 वार्ता में शामिल होंगे। राजनाथ सिंह यहां जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। इस उच्चस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह वार्ता बुधवार से जापान में शुरू होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जापान की इस यात्रा के दौरान भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग पर बात होगी।

जापान के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह का आधिकारिक जापान दौरा 18 नवंबर को प्रारंभ होगा। वह 18 और 19 नवंबर को जापान के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जापान की ओर से जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल होंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और रक्षा सहयोग के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। दोनों देश स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।

एससी 9 दिसंबर को सुनेगा एसआईआर की याचिकाएं

विपक्ष की दो अर्जियों पर सुनवाई स्थगित, चुनाव आयुक्तों से 48 सवाल पूछने की इजाजत मांगी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष लगातार हमलावर है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को चुनाव आयोग और एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई होनी थी, लेकिन अब यह 9 दिसंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक दो पिटीशन दायर कर चुका है। पहली याचिका 12 अक्टूबर तो दूसरी याचिका 16 नवंबर को दायर की। सोमवार को दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों से 48 सवाल पूछने की इजाजत मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर को भी सुनवाई स्थगित कर दी थी।



बिहार में जल्द शुरू होंगी पांच नई चीनी मिलें

● **सीएम सम्राट चौधरी ने गन्ना विकास रथ को दिखाई हरी झंडी**

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद कक्ष के सामने बने मंच से गन्ना उद्योग विभाग की ओर से आयोजित 'गन्ना विकास रथ-2026' का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी जिलों के लिए गन्ना विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में गन्ना किसानों की समृद्धि, गन्ना उत्पादन में वृद्धि और चीनी उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि राज्य में 10 चीनी मिलें कार्यरत हो चुकी हैं, जबकि पांच और चीनी मिलें जल्द शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' के संकल्प के साथ शुरू किया गया यह अभियान किसानों तक आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



दुर्घटना इनमें एमपी-यूपी के 2-2 लोग शामिल,नदी में गिरी बस

उत्तराखंड में 2 सड़क हादसे, 13 लोगों की मौत

● *दूसरी घटना में खाई में गिरी बोलेरो,31 फीसदी हादसे बढ़े*

ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में एसपी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां पोखरी से शादी समारोह से लौट रहे बारातियों की बोलेरो गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 6



घायल हैं। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। उन्हें श्रीनगर बेस अस्पताल रेफर किया गया है।

पेड़-पत्थरों से टकराती हुई नीचे जा गिरी बस- हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी। पुल से पहले अचानक से क्या हुआ समझ नहीं आया। बड़े-बड़े पेड़ों और पत्थरों से टकराते हुए बस खाई में गिरती जा रही थी। बस के अंदर सभी यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। चारों ओर चीख मची हुई थी। कुछ ही सेकेंड में तेज आवाज हुई हमारी बस जमीन पर गिरी। बस पूरी टूट चुकी थी। कई लोग घायल थे। कुछ लोग मर चुके थे।

3 शव गाड़ी से नीचे गिरे बाकी बस में पड़े थे

हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस सीधे नीचे नहीं गिरी, बल्कि खाई में गिरते समय रास्ते में कई पेड़ों और चट्टानों से टकराई। लगातार टक्करों से बस का ढांचा बुरी तरह पिचक गया। यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। तीन शव बस से बाहर जा गिरे, जबकि पांच शव अंदर ही फंसे रहे। दुर्घटना के बाद खाई में बस के आसपास यात्रियों का सामान और मलबा बिखरा हुआ था। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचीं।

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं

● सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है।



गौसेवा के मंच पर एकजुट हुआ मुजफ्फरनगर, गोपाष्टमी महोत्सव में राजनीति, समाज और धर्म जगत की दिखी साझा भागीदारी

श्री कृष्णा गौशाला के वार्षिक आयोजन में सांसद हरेंद्र मलिक, चंदन चौहान और मंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित दिग्गजों का जमावड़ा



मुजफ्फरनगर। गौसेवा के प्रति समर्पण जब सामाजिक सहभागिता का रूप लेता है तो वह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम भी बन जाता है। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर पचैण्डा रोड स्थित गांधी कॉलोनी की श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास में आयोजित वार्षिक महोत्सव में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। गौमाता की सेवा और संरक्षण के संदेश के साथ आयोजित इस महोत्सव में राजनीति, धर्म, व्यापार, चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख हस्तियों ने एक मंच पर पहुंचकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। आयोजन में उमड़ी भीड़ और विभिन्न वर्गों के लोगों की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि गौसेवा किसी एक व्यक्ति या संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक सहयोग से आगे बढ़ने वाली परंपरा है। श्री कृष्णा गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में मुजफ्फरनगर के राजनीतिक और सामाजिक जीवन से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी विशेष आकर्षण रही। लोकसभा क्षेत्र के सांसद हरेंद्र मलिक और बिजनौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंदन चौहान ने पहुंचकर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, संत स्वामी यशवीर सरस्वती महाराज, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता और समाजसेवी भी महोत्सव में शामिल हुए। खास बात यह रही कि अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने गौसेवा के इस आयोजन में एक साथ सहभागिता की। किसी ने गौशाला की व्यवस्थाओं की सराहना की तो किसी ने गोवंश के संरक्षण और सेवा के लिए समाज की भागीदारी को आवश्यक बताया। गौशाला परिसर में दिनभर अतिथियों और श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा। महोत्सव का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ से हुआ। श्रद्धालुओं ने यज्ञ-कुंड में आहुतियां अर्पित कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद सुबह 10 बजे गौ पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गौमाता का तिलक कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया तथा उनकी सेवा, सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में गौसेवा को भारतीय संस्कृति और सामाजिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण परंपरा के रूप में प्रस्तुत किया गया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ गोवंश की देखभाल, उनके लिए उचित व्यवस्था और निराश्रित गोवंश की सेवा के लिए भी समाज को आगे आना चाहिए। श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास का यह आयोजन संस्था की स्थापना से लेकर अब तक जुड़े लोगों के योगदान को याद करने का अवसर भी बना। गौशाला की स्थापना में संस्थापक स्वर्गीय राम स्वरूप मेन्दीरत्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। संस्था से जुड़े लोगों ने स्वर्गीय जिले सिंह चौहान और स्वर्गीय नरेंद्र रॉयल को भी प्रेरणास्रोत के रूप में स्मरण किया। आयोजन में संस्था की ओर से गौशाला की धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग देने वाले दानदाताओं, समाजसेवियों और सहयोगियों के योगदान की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था की मजबूती उसके पदाधिकारियों के साथ-साथ उन लोगों के सहयोग से बनती है, जो बिना किसी स्वार्थ के सेवा कार्यों में भागीदारी निभाते हैं। श्री कृष्णा गौशाला सभा प्रन्यास के अध्यक्ष अनिल रॉयल के नेतृत्व में कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने महोत्सव की व्यवस्थाओं को संभाला। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश चंद्र गोयल, उपाध्यक्ष मित्तरसैन कथूरिया सहित कार्यकारिणी और संरक्षक मंडल के सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। अध्यक्ष अनिल रॉयल ने कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपरा है। गौमाता की सेवा और गोवंश का संरक्षण समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गौशाला की गतिविधियों में निरंतर सहयोग देने वाले जनप्रतिनिधियों, दानदाताओं, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्था का प्रयास गौसेवा की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के साथ समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जोड़ना है। गोपाष्टमी महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण सुबह 11 बजे शुरू हुआ विशाल भंडारा रहा। इसमें बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में लोगों की सहभागिता ने आयोजन को सेवा और सहयोग का स्वरूप प्रदान किया। पूरे परिसर में दिनभर धार्मिक उत्साह बना रहा। अतिथियों और श्रद्धालुओं ने गौशाला की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सहयोग देने की बात कही। महोत्सव में मुख्य रूप से सांसद हरेंद्र मलिक, सांसद चंदन चौहान, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, स्वामी यशवीर सरस्वती महाराज, पूर्व विधायक अशोक कंसल, पूर्व मंत्री सुधीर बालियान, पूर्व चेयरमैन अंजू अग्रवाल, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतपाल पाल, टिकौला शुगर मिल के मालिक निरंकार स्वरूप, कस्तूरीलाल मलिक, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप, पूर्व प्रमुख विमला देवी, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार सतपाल सिंह मान, समाजसेवी समर्थ प्रकाश, एसडी पब्लिक स्कूल के मालिक आकाश कुमार, शारदेन स्कूल के विश्व रत्न, हरिभूषण, कमल गौतम, रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी, आरएसएस के नीरज शर्मा, आलोक डागा, डाक्टर मनीष गुप्ता, डाक्टर अखिल गोयल, संजय अग्रवाल, सीए अजय जैन, बृजेश कुमार, श्याम सिंह बच्ची सैनी, डॉ. एमआरएस गोयल, शरद गोयल बंटी, सुप्रिया पाल, डॉ. दीपक गोयल, तेग बहादुर सैनी एडवोकेट, श्रीकांत त्यागी, बिजेंद्र मलिक एडवोकेट, सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, संजीव जैन, योगेश जैन कालू, जाट महासभा के जिलाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह, अभिषेक अग्रवाल, प्रमोद माहेश्वरी, इंजीनियर राजेंद्र साहनी, राजीव गोयल, अमित गुप्ता एडवोकेट, रघुराज गर्ग, सतीश गोयल टिहरी, राकेश बिंदल, डाक्टर हेमंत शर्मा, भीमसेन कंसल, डॉ. शिशिर कुमार, शंकर स्वरूप बंसल, अजय स्वरुप अज्जू, माधव स्वरूप, ममता अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, दीप अग्रवाल, अभिषेक चौधरी, पूर्व चेयरमैन अनिल तायल, अनिल लोहिया, मनोज जैन एलजी, विभू सिंगल, गिरिराज माहेश्वरी, दिनेश मोहन एडवोकेट, प्रणपाल सिंह राणा, विजित जैन, उदित जैन, रजत गोयल, निखिल मित्तल, अनुराधा वर्मा, दीपक चौधरी, राहुल जैन, अजय तायल, सतीश गुर्जर, अनुराग शर्मा, अजय अग्रवाल, रीना अग्रवाल, गजेंद्र सिंह राणा, राजवीर सिंह टीटू, संजयवीर सिंह, सतीश तौमर, देवेंद्र प्रधान, अनिल राठी प्रमुख, रविंद्र मलिक, अमित पटपटिया, देवेश कौशिक, सुमित रोहल देवभूमि, अमित चौधरी वसुंधरा रेजीडेंसी, गर्ग डूप्लेक्स के संजीव जैन, राकेश मित्तल, रालोद नेता प्रभात तोमर, श्रीमोहन तायल, डाक्टर नेहा नारंग, गौरव गर्ग सीए, अमित गुप्ता, गौरव गुप्ता, प्रेमी छाबड़ा, नवनीत भारद्वाज, नवनीत गुप्ता सभासद, प्रशांत गौतम, अजय जिंदल प्लासा होटल, अजय अग्रवाल सीए, अक्षय जैन गर्ग डूप्लेक्स, नंदन भारद्वाज, भाजपा नेता संजय गर्ग, अरविंद शास्त्री, संजय गुप्ता, चरण सिंह टिकैत, संजीव बंसल, पंडित बृजबिहारी अत्री, अनिरुद्ध मित्तल मिंटू, शोभित गुप्ता सभासद, मोहित मलिक रालोद नेता, आशू बालियान, लालता प्रसाद रतूड़ी, यमुना प्रसाद रतूड़ी, अरविंद पाण्डेय, योगेश गुप्ता एसबीआई, आशुतोष शर्मा, निशांत पाल, सुनील अंबिका आफसेट, मौहम्मद इरफान खतौली, हिमांशु गर्ग कोमी, अमित गर्ग एडवोकेट, अशोक रॉयल, अंचित मित्तल, विकास स्वरुप बब्बल, संजय मलिक, पवन मलिक, शुभम मित्तल, रिंकल बंसल, भूपेंद्र गोयल, पवन अरोरा, विनोद छाबड़ा, संजय सक्सेना, मृगेंद्र ब्रह्मचारी, कन्हैया शर्मा, अजय रॉयल, सरदार गुरप्रीत सिंह बंटू खुराना, प्रदीप शर्मा, राजन अग्रवाल, सतीश लाटियान एडवोकेट, आशु गुप्ता, मुकुल दुआ, मनी पटपटिया, रोहित सिंघल, अमन रॉयल, पराग चौधरी, अमनदीप सिंह बन्नी खुराना, रवि माहेश्वरी, सचिन छाबड़ा, रचित मेहता, राहुल पंवार, अनुज संगल पपलू, कृष्ण रॉयल, राकेश सिंघल,मंजीत मान, गुरप्रीत मान, विशांत राठी, विशू मलिक, जतिन पंवार, विवेक रोहल, जितेन्द्र रोहल, मुकुल चौधरी, संजीव पंवार, सौरभ चौधरी, राजन तोमर, नीरज चहल, अजीत सिंह, अविराज राठी, अज्जू अहलावत प्रधान, एडवोकेट शैलेन्द्र तोमर, राजा चौधरी, बिन्दर ओजला, विश्वास राठी, राजा दूहण, रोबिन कादियान, डाक्टर अंकित रोहल, अर्जुन प्रधान जट नंगला, उत्सव कुमार, बिनेश पंवार, अनुज मुदगल, मोहम्मद शाहनवाज, कुलदीप त्यागी, राधेश्याम वर्मा, नीरज प्रजापति, इस्तखार अब्बासी, भूषण भास्कर, मनीष चौहान, तबरेज खान, संदीप रंजन, रामनिवास कटारिया और विवेक चुघ सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। गौशाला की गतिविधियों में भारत विकास परिषद संकल्प सेवा ट्रस्ट, श्रीगोलोक धाम, मानव कल्याण परिषद, धर्म यात्रा महासंघ संकीर्तन मंडल, श्रीराम परिवार संकीर्तन मंडल और शहीद भगत सिंह सेवा दल सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों का सहयोग रहा। प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं और समाजसेवियों का भी संस्था को निरंतर सहयोग मिलता रहा है। गोपाष्टमी महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि धार्मिक आयोजनों की सार्थकता तभी बढ़ती है, जब उनके माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना मजबूत हो।

MISSING PERSON



Name - Raju ahlawat
S/o Ashok kumar
Village - bhainsi khatuli
Missing date - 15-11-26
Time - 4.48 Am
Place - village bhainsi Khautli Distt-Muzzafarnagar up
Contact number - 9953001371 9927591176
कृपया इन्हें ढूंढने में हमारी मदद करें।

लगातार रही तीन सौ गाय, स्थापना से अब तक गौशाला में कायम रही यह संख्या-अनिल रायल



मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित श्री कृष्णा गौशाला सभा न्यास में गोवंश की संख्या को लेकर अध्यक्ष अनिल रॉयल ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गौशाला की स्थापना के समय से ही यहां गायों की संख्या लगभग तीन सौ बनी हुई है। इतने वर्षों में यह आंकड़ा कभी कम नहीं हुआ, बल्कि एक-दो बार इसमें बढ़ोतरी जरूर दर्ज की गई। अध्यक्ष अनिल रॉयल ने बताया कि गौशाला में शुरूआत से ही करीब तीन सौ गायों की व्यवस्था रही है। बीच में कुछ लोगों ने जगह के अभाव के चलते अपनी गायों को भी कुछ समय के लिए गौशाला में रखा था, जिसके कारण गोवंश की संख्या तीन सौ से अधिक हो गई थी। हालांकि, स्थायी रूप से गौशाला में मौजूद गायों की संख्या का आंकड़ा लगातार तीन सौ के आसपास ही कायम रहा है। उन्होंने बताया कि गौशाला में गोवंश की सेवा, देखभाल और उनके संरक्षण की व्यवस्था निरंतर जारी है। इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने में संस्था की कार्यकारिणी और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गौसेवा के प्रति सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का समर्पण सराहनीय है। गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित वार्षिक महोत्सव के दौरान सांसद चंदन चौहान ने भी श्री कृष्णा गौशाला पहुंचकर निरीक्षण किया था। उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं और गोवंश की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान गौशाला प्रबंधन की ओर से उन्हें व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सांसद चंदन चौहान ने अपनी सांसद निधि से गौशाला में सोलर पैनल प्लांट लगवाने की घोषणा की।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

अनमोल वचन

संसार में हर कोई अकेला आता है और मृत्यु के समय जाता भी अकेला है, परन्तु संसार में रहते मनुष्य का जीवन एकाकी नहीं रहता। हम चाहे किसी भी स्थान पर हों, हमारा जीवन सभी के साथ जुड़ा है। जब हम केवल अपने बारे में सोचेंगे तो स्वार्थी कहलाएँगे, किन्तु जब हमारा स्वार्थ संयत और परिष्कृत होगा तब अपना और पराया अलग भासित होने पर भी विरोधी पक्ष न होंगे। जब मनुष्य अपने ही स्वार्थ में लिप्त है तो वह मानसिक दृष्टि से पशु कोटि का है। जब वह अपने स्वार्थ से दूसरों के स्वार्थ का समन्वय भी करता है तब मनुष्यता की प्रारम्भिक अनुभूति प्राप्त करता है और जब दूसरों के हित में ही अपना हित देखकर स्वार्थ से ऊपर उठता है, तब उसमें मानवता की मयार्दा पूर्ण होती है। दूसरों के हित में तत्पर और समाज के सामूहिक कल्याण के लिए कर्तव्य भावना से प्रेरित मनुष्य ही वास्तव में मनुष्य है। ऐसी कर्तव्य भावना के उदय के बिना समाज की प्रगति सम्भव नहीं है। इस प्रकार की सच्ची कर्तव्य भावना ही जीवन की सुगन्ध होती है। इस भावना का एक अंश भी यदि हम अपने जीवन में प्राप्त कर सकें तो हमारा बड़ा अहोभाग्य होगा, हमारा जीवन धन्य होगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

पत्रांक:- 1607/E-Te»»fder/P.W.D/NPP/2026-27 दिनांक:- 17-11-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत/किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 01 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 05/12/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 18/11/2026 की प्रातः 10:00 से दिनांक 05/12/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 05/12/2026 की अपराह्न 4:00 बजे सक्षम अधिकारी के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिवासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।	नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।	नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 18 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



हरियाणा से मुजफ्फरनगर आ रही पुराल से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बनी आग का गोला, सड़क पर दौड़ी लपटों से मचा हड़कंप

विद्युत तारों से निकली चिंगारी से ट्रॉली में लगी भीषण आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

मुजफ्फरनगर। हरियाणा से पुराल भरकर मुजफ्फरनगर आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में विद्युत तारों से निकली चिंगारी के कारण अचानक आग लग गई। पुराल से भरी ट्रॉली में आग भड़कते ही सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली आग की लपटों से घिर गई। सड़क पर आग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को देखकर राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि ट्रैक्टर चालक गौरव ने सूझबूझ का परिचय दिया और बड़ा हादसा होने से बच गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। विद्युत तारों की चिंगारी से पुराल में लगी आग, देखते ही देखते उठने लगीं ऊंची लपटें

जानकारी के अनुसार हरियाणा से पुराल भरकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली मुजफ्फरनगर





की ओर आ रही थी। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में कस्बे के मुजफ्फरनगर मार्ग पर पहुंचने के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली में लदी पुराल विद्युत तारों के संपर्क में आ गई। बताया गया कि विद्युत तारों से निकली चिंगारी पुराल पर गिरते ही आग भड़क उठी। सूखी पुराल होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते ट्रॉली से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा।

आग से घिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क पर दौड़ती रही, चालक की सूझबूझ आई काम

ट्रॉली में आग लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़क पर आग की लपटों से घिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को देखकर वाहन चालकों और राहगीरों में दहशत फैल गई। चालक गौरव ने विपरीत परिस्थितियों में सूझबूझ का परिचय दिया। उसकी सतर्कता के चलते आग की इस घटना ने किसी बड़े हादसे का रूप नहीं लिया। यदि आग की चपेट में आसपास के वाहन या राहगीर आ जाते तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। चालक की समझदारी से बड़ा नुकसान होने से बच गया।

दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझाई आग

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग की भयावहता को देखते हुए तत्काल बुझाने का प्रयास शुरू किया। पुराल में आग तेजी से फैल रही थी, जिसके चलते आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल विभाग की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए आखिरकार आग को बुझा दिया। आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

सड़क के दोनों ओर लगा लंबा जाम, वाहन चालकों को हुई परेशानी

पुराल से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगने की घटना के चलते मार्ग पर यातायात भी प्रभावित हो गया। सड़क पर आग की लपटें उठने और दमकल विभाग की कार्रवाई के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। देखते ही देखते मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आग बुझाने और स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात सुचारू कराने के प्रयास किए गए।

चालक की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मुजफ्फरनगर मार्ग पर हुई इस घटना ने एक बार फिर विद्युत तारों के नीचे से पुराल और अन्य ज्वलनशील सामग्री से भरे वाहनों के गुजरने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी की जरूरत को उजागर किया है। गनीमत रही कि चालक गौरव की सूझबूझ और दमकल विभाग की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया तथा एक बड़ा हादसा टल गया।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर आधी रात को दो गाड़ियों की भीषण भिड़ंत, टक्कर के बाद मची चीख-पुकार; तीन लोग गंभीर घायल

मंसूरपुर क्षेत्र में मूलचंद रिजॉर्ट के पास हुआ दर्दनाक हादसा, मेरठ की ओर से आ रहे थे दोनों वाहन; टक्कर इतनी जबरदस्त कि गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त, पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निकलवाकर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 पर देर रात तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के बीच एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में मूलचंद रिजॉर्ट के पास दो गाड़ियों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर मंसूरपुर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया और घायलों को वाहनों से बाहर निकलवाकर उपचार के लिए मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज भिजवाया। जानकारी के अनुसार दोनों गाड़ियां मेरठ की ओर से मुजफ्फरनगर की दिशा में आ रही थीं। जब वाहन दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 पर मंसूरपुर क्षेत्र में मूलचंद रिजॉर्ट के निकट पहुंचे तो इसी दौरान दोनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी



घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हादसे में दोनों गाड़ियों में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। भीषण टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों में फंसे घायल दर्द से कराह रहे थे। आसपास से गुजर रहे वाहन चालक और स्थानीय लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। लोगों ने अपने स्तर से घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया और तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। हादसे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सूचना मिलते ही मंसूरपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे तीनों घायलों को बाहर निकलवाया। इसके बाद बिना देरी किए सभी घायलों को उपचार के लिए मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। देर रात हादसा होने के कारण तत्काल घायलों की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस उनकी पहचान से संबंधित जानकारी जुटाने में लगी रही। हादसे के बाद दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़क पर क्षतिग्रस्त हालत में पड़े थे। इससे हाईवे पर यातायात बाधित होने और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बन गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात को सुचारू कराया। हादसे के चलते कुछ समय तक घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटी रही। फिलहाल पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

निमार्णाधीन डीएम कार्यालय से लेकर कलेक्ट्रेट के रिकॉर्ड रूम तक पहुंचे एडीएम गंभीर सिंह, जनगणना तैयारियों और सरकारी अभिलेखों की व्यवस्थाओं को परखा

डीएम के दिशा-निर्देशन में किया स्थलीय निरीक्षण, निर्माण कार्य की प्रगति जानी, ईआरके कार्यालय, जनगणना सेल और कंट्रोल रूम का भी लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। कलेक्ट्रेट की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न कार्यालयों और निर्माण कार्यों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह ने निमार्णाधीन डीएम कार्यालय भवन से लेकर कलेक्ट्रेट परिसर के महत्वपूर्ण कार्यालयों तक पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल नए भवन के निर्माण की प्रगति देखी, बल्कि ईआरके (इंग्लिश रिकॉर्ड कीपिंग) कार्यालय, जनगणना सेल और कंट्रोल रूम में चल रहे कार्यों तथा अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति भी परखी। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कार्यालयों में व्यवस्थाएं व्यवस्थित रखने और सरकारी कामकाज का समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निमार्णाधीन डीएम कार्यालय भवन की प्रगति का लिया जायजा

जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में एडीएम गंभीर सिंह ने निमार्णाधीन डीएम कार्यालय भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्य की प्रगति और मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी प्राप्त करते हुए मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति को समझना और संबंधित विभाग के स्तर पर चल रही गतिविधियों का जायजा लेना रहा। कलेक्ट्रेट के महत्वपूर्ण



कार्यालयों में पहुंचकर परखी कार्यप्रणाली

निमार्णाधीन भवन के निरीक्षण के बाद एडीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईआरके कार्यालय, जनगणना सेल और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने अलग-अलग पटलों पर पहुंचकर वहां संचालित कार्यों, कर्मचारियों की जिम्मेदारियों, अभिलेखों के रख-रखाव और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यालयों में कामकाज की व्यवस्था को देखा और संबंधित कर्मचारियों से उनके कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जनगणना सेल भी एडीएम के निरीक्षण का प्रमुख केंद्र रहा। उन्होंने जनगणना से संबंधित तैयारियों और अब तक की कार्यप्रगति की जानकारी ली। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियों पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़ी सूचनाओं और कार्यों का संचालन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना चाहिए, ताकि आगे की कार्यवाही में किसी प्रकार की परेशानी न हो। एडीएम गंभीर सिंह ने कंट्रोल रूम में पहुंचकर उपलब्ध व्यवस्थाओं और सूचनाओं के आदान-प्रदान की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम में संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद ईआरके कार्यालय में अभिलेखों और निर्वाचन संबंधी रिकॉर्ड के रख-रखाव की व्यवस्था देखी।

खरड़ गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने वैगनआर में मारी भीषण टक्कर, दंपती गंभीर घायल

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र में ग्राम खरड़ के निकट तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने वैगनआर कार में जोरदार टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे में कार सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए मेरठ के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का उपचार चल रहा है। इस मामले में घायल दंपती के परिजन की तहरीर पर फुगाना थाना पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सिसौली से वापस लौटते समय हुआ हादसा बागपत जिले के बड़ौत स्थित न्यू रामनगर, बिनौली रोड निवासी मुकेश कुमार पुत्र जिले सिंह ने फुगाना थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके भाई रामऋषि और भाभी जयबीरी 15 नवंबर 2026 को अपनी वैगनआर कार से सिसौली क्षेत्र के काली सिंह माजरा से वापस घर लौट रहे थे। उनकी कार का पंजीकरण नंबर DL5CW5744 है। जब वे ग्राम खरड़ के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। आरोप है कि ट्रक चालक वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। इसी दौरान उसने सामने से आ रही वैगनआर कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार रामऋषि और उनकी पत्नी जयबीरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मेरठ के अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा दंपती

हादसे में गंभीर रूप से घायल दंपती को उपचार के लिए मेरठ के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के अनुसार दोनों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। उधर, दुर्घटना के तुरंत बाद ट्रक चालक अपने वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया।

ट्रक नंबर के आधार पर मुकदमा दर्ज

घायल दंपती के परिजन मुकेश कुमार ने 16 नवंबर को फुगाना थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। तहरीर में ट्रक का पंजीकरण नंबर UP79T6537 बताते हुए चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर फरार ट्रक चालक की तलाश और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल में जुटी है।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, नई मंडी थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। जनपद के जानसठ कस्बे से 18 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवती की मां ने जानसठ के ही एक युवक पर उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के समय युवती अपनी मौसी के घर पर अकेली थी, जबकि उसकी मौसी किसी काम से बाहर गई हुई थी। काफी तलाश करने के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चल सका। परेशान मां ने पुलिस से बेटी की बरामदगी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर थाना नई मंडी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक सप्ताह से मौसी के घर रह रही थी युवती

पुलिस को दी गई तहरीर में मां ने बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी पिछले करीब एक सप्ताह से अपनी मौसी के पास रह रही थी। मौसी का मकान सुभाषनगर में है। परिवार के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे मौसी किसी जरूरी काम से घर से बाहर चली गई थीं। उस समय युवती घर पर अकेली मौजूद थी।

सुबह नौ बजे घर से लापता हुई युवती

आरोप है कि इसी दौरान जानसठ कस्बे के मोहल्ला बुद्ध बाजार निवासी वसीम पुत्र नईम वहां पहुंचा और युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब मौसी वापस घर पहुंचीं तो युवती वहां नहीं मिली। इसके बाद परिवार को मामले की जानकारी दी गई। युवती के अचानक लापता होने से परिजनों में खलबली मच गई और उन्होंने अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू कर दी।

रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर की गई तलाश

परिजनों ने युवती की तलाश में रिश्तेदारों और परिचितों से संपर्क किया। इसके अलावा तमाम संभावित स्थानों पर भी उसका पता लगाने का प्रयास किया गया, लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिल सकी। काफी प्रयासों के बाद भी युवती का सुराग नहीं मिलने पर उसकी मां ने पुलिस की शरण ली और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मां गुलिस्ता ने 15 नवंबर 2026 को थाना नई मंडी पुलिस को लिखित शिकायत देकर बताया कि जानसठ के मोहल्ला बुद्ध बाजार निवासी वसीम पुत्र नईम उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और बेटी को जल्द बरामद कराने की मांग की।

युवती की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी वसीम पुत्र नईम निवासी मोहल्ला बुद्ध बाजार, कस्बा व थाना जानसठ, जिला मुजफ्फरनगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और युवती की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। घटना को लेकर परिजन चिंतित हैं और उन्हें युवती की सकुशल बरामदगी का इंतजार है।

भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान: पेट्रोल पंप के पास से नौ वर्षीय बच्ची का रेस्क्यू, अब स्कूल में होगा दाखिला

रुड़की रोड पर जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन और ग्रामीण समाज विकास केंद्र की संयुक्त पहल, मेडिकल परीक्षण के बाद बच्ची को चाइल्डलाइन के समक्ष किया पेश, प्रक्रिया पूरी कर अभिभावकों को सौंपा; जनकपुरी कंपोजिट विद्यालय में प्रवेश की तैयारी

मुजफ्फरनगर। सड़कों और चौराहों पर भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों को इस स्थिति से बाहर निकालकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एवं ग्रामीण समाज विकास केंद्र की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रुड़की रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से नौ वर्षीय बच्ची को रेस्क्यू किया गया। बच्ची को आवश्यक प्रक्रिया के तहत मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। इसके बाद उसे चाइल्डलाइन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। निर्धारित औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्ची को उसके अभिभावकों के सुपुर्द कर दिया गया।

अभियान का उद्देश्य केवल बच्ची को भिक्षावृत्ति की स्थिति से बाहर निकालना ही नहीं, बल्कि उसके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए शिक्षा से जोड़ना भी रहा। इसी दिशा में संस्था की ओर से बच्ची का जनकपुरी स्थित कंपोजिट विद्यालय में दाखिला कराने की पहल की गई है। इसके लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) से अनुमति भी प्राप्त कर ली गई है। संस्था का प्रयास है कि बच्ची का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित कराकर उसे नियमित शिक्षा से जोड़ा जाए, जिससे वह पढ़-लिखकर बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ा सके।

गौरव और रविता ने संभाली अभियान की जिम्मेदारी

अभियान के दौरान ग्रामीण समाज विकास केंद्र की ओर से गौरव और रविता मौजूद रहे। दोनों ने मौके पर पहुंचकर बच्ची के रेस्क्यू और आगे की आवश्यक प्रक्रिया में सहयोग किया। मेडिकल परीक्षण से लेकर चाइल्डलाइन के समक्ष प्रस्तुत करने तथा अभिभावकों को सुपुर्द करने तक निर्धारित प्रक्रिया पूरी कराई गई। इसके साथ ही बच्ची की शिक्षा को लेकर भी आवश्यक कदम उठाए गए kबच्चों का बचपन सड़कों पर नहीं, स्कूलों में होना चाहिए : मेहर चंद



ग्रामीण समाज विकास केंद्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि बाल भिक्षावृत्ति समाज के सामने गंभीर समस्या है। बच्चों का बचपन सड़कों, चौराहों और पेट्रोल पंपों पर बीतने के बजाय विद्यालयों में होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराना पहला कदम है, लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि वे दोबारा ऐसी परिस्थितियों में न पहुंचें। उन्होंने कहा कि इसके लिए बच्चों के पारिवारिक हालात को समझना, अभिभावकों को जागरूक करना और बच्चों की नियमित शिक्षा की व्यवस्था करना बेहद जरूरी है। संस्था इसी सोच के साथ जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है।

आमजन से सहयोग की अपील, अभियान आगे भी रहेगा जारी

मेहर चंद ने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी कोई बच्चा भिक्षावृत्ति करता दिखाई दे तो उसे प्रोत्साहित करने के बजाय संबंधित विभागों और बाल संरक्षण संस्थाओं को इसकी जानकारी दें। बच्चों को भीख देने के बजाय उनके संरक्षण और शिक्षा के लिए प्रयासों में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारना केवल किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। संस्था की ओर से बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। जरूरतमंद और वंचित बच्चों को भिक्षावृत्ति से बाहर निकालकर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना संस्था की प्राथमिकता है। प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी बच्चा परिस्थितियों के कारण शिक्षा से वंचित न रहे और उसे सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रक चालक की मौत, अयान ट्रांसपोर्ट के पास हुआ था दर्दनाक हादसा

चाय पीकर ट्रक के पास लौट रहे प्रतापगढ़ निवासी चालक को तेज रफ्तार वाहन ने मारी थी टक्कर, अस्पताल में तोड़ा दम

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में अयान ट्रांसपोर्ट के पास सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए ट्रक चालक की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मृतक ट्रक चालक प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला था और वाहन मालिक के निर्देश पर ट्रक में माल लादकर मुजफ्फरनगर पहुंचा था। आरोप है कि ट्रांसपोर्ट के पास चाय पीकर अपने ट्रक की ओर लौटते समय तेज रफ्तार और लापरवाही से आए अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। काफी समय तक वाहन मालिक द्वारा कानूनी कार्रवाई कराने का आश्वासन दिए जाने के चलते परिवार पुलिस तक नहीं पहुंचा। बाद में बेटे ने रजिस्टर्ड डाक से पुलिस को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

माल लेकर प्रतापगढ़ से मुजफ्फरनगर आया था ट्रक चालक

प्रतापगढ़ जिले के मानधाता थाना क्षेत्र के लाखपुर निवासी राज सरोज पुत्र सूर्यनाथ ने पुलिस को भेजी शिकायत में बताया कि उसके पिता सूर्यनाथ पुत्र रामनारायण ट्रक संख्या UP-72-BT-9497 पर चालक के रूप में कार्यरत थे। वह वाहन मालिक अमन अग्रहरि पुत्र दशरथ लाल निवासी सराय भूपति, पोस्ट कटरा गुलाब सिंह, जनपद प्रतापगढ़ के निर्देश पर उनके रिश्तेदार प्रहलाद के यहां से माल लादकर 25 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए थे। शिकायत के अनुसार, 26 और 27 अक्टूबर की मध्यरात्रि ट्रक अयान ट्रांसपोर्ट मुजफ्फरनगर पहुंचा। सूर्यनाथ ने ट्रांसपोर्ट पर ट्रक खड़ा कर माल उतरवाने के संबंध में मैनेजर से बात की। मैनेजर ने उन्हें कुछ देर इंतजार करने और चाय-पानी करने के लिए कहा। साथ ही बताया कि माल थोड़ी दूरी पर बगल में उतरवाया जाना है। इसके बाद सूर्यनाथ चाय पीने चले गए। आरोप है कि चाय पीने के बाद जब सूर्यनाथ अपने ट्रक के पास लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना नई मंडी थाना क्षेत्र में अयान ट्रांसपोर्ट के पास हुई थी। घायल सूर्यनाथ को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। मृतक का पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया और शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। अचानक हुई इस घटना से प्रतापगढ़ में रह रहे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक के बेटे राज सरोज का आरोप है कि ट्रक मालिक अमन अग्रहरि ने परिवार को आश्वासन दिया था कि वह हादसे के संबंध में सभी कानूनी कार्रवाई करा देंगे। उन्होंने परिजनों से मृतक की तेरहवीं के बाद संपर्क करने को कहा था। तेरहवीं के बाद जब परिवार ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने समय नहीं मिल पाने की बात कही और परिवार को पुलिस को सूचना देने की सलाह दी। काफी इंतजार के बाद मृतक के बेटे राज सरोज ने 12 नवंबर 2026 को नई मंडी थाना पुलिस को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा। उन्होंने अज्ञात वाहन और उसके चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है

पत्नी की मौत के एक माह बाद भी न्याय नहीं मिलने का आरोप, पति ने दोनों बच्चों सहित मांगी इच्छामृत्यु की अनुमति

निजी अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही से पत्नी की मौत का मामला, मेडिकल बोर्ड गठित नहीं होने और आईसीयू की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में नहीं लेने से नाराज पति ने उठाए सवाल, जिलाधिकारी और सीएमओ से लगाई गुहार, मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भी भेजी शिकायत

मुजफ्फरनगर। निजी अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के चलते पत्नी की मौत होने और शिकायत के बावजूद जांच आगे नहीं बढ़ने से आहत एक व्यक्ति ने अब बेहद गंभीर कदम उठाने की मांग कर दी है। पत्नी की मौत के एक माह बाद भी मेडिकल बोर्ड गठित नहीं होने और अस्पताल के आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में नहीं लिए जाने का आरोप लगाते हुए पति ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजा है। इसमें उसने अपने दोनों बच्चों के साथ परिवार सहित इच्छामृत्यु की अनुमति देने की मांग की है। पीड़ित ने आवेदन में कहा है कि न्याय की उम्मीद टूटने से वह और उसके बच्चे गहरे मानसिक तनाव और निराशा में हैं तथा वह नहीं चाहता कि परिवार को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़े।

15 अक्टूबर की रात उपचार के दौरान हुई थी पत्नी की मौत

शिकायतकर्ता अंकित विहार पचेंडा रोड निवासी भूपेंद्र कुमार के अनुसार, उसकी पत्नी का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। उसने आरोप लगाया है कि अस्पताल में गलत चिकित्सकीय प्रबंधन और डॉक्टरों की कथित लापरवाही के कारण मरीज के शरीर के विभिन्न अंगों पर अत्यधिक दबाव पड़ा। उचित उपचार और प्रबंधन नहीं किए जाने के चलते 15 अक्टूबर की रात 12 बजकर 53 मिनट पर उसकी पत्नी की मौत हो गई। पति का आरोप है कि यदि समय रहते सही चिकित्सकीय प्रबंधन किया जाता तो उसकी पत्नी की जान बच सकती थी। मेडिकल बोर्ड से उच्चस्तरीय जांच और सीसीटीवी फुटेज जब्त करने की मांग

पत्नी की मौत के बाद शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। उसने एक स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड गठित कर उपचार के दौरान अपनाई गई चिकित्सकीय प्रक्रिया, डॉक्टरों की भूमिका और अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई थी। इसके साथ ही अस्पताल की आईसीयू में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल कब्जे में लेकर सुरक्षित रखने का अनुरोध किया था, ताकि उपचार के दौरान हुई गतिविधियों की जांच हो सके और कथित लापरवाही के साक्ष्य सामने आ सकें।

एक माह बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप

शिकायतकर्ता का कहना है कि 16 नवंबर को उसकी पत्नी की मौत को एक माह पूरा हो गया, लेकिन अब तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की ओर से मेडिकल बोर्ड का गठन नहीं किया गया। उसका आरोप है कि अस्पताल की आईसीयू की सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में नहीं ली गई। उसने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से उसे न्याय मिलने की उम्मीद लगातार कमजोर होती जा रही है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि समय बीतने के साथ महत्वपूर्ण साक्ष्य भी प्रभावित हो सकते हैं।

दो बच्चों के भविष्य को लेकर भी जताई गहरी निराशा

अपने ताजा प्रार्थना पत्र में भूपेंद्र कुमार ने बताया कि पत्नी की मौत के बाद वह अपने दोनों बच्चों के साथ बेहद कठिन मानसिक और पारिवारिक परिस्थितियों से गुजर रहा है। उसने आवेदन में लिखा है कि न्याय नहीं मिलने के कारण वह और उसके बच्चे पूरी तरह हताश हो चुके हैं। इसी पीड़ा के चलते उसने परिवार सहित इच्छामृत्यु की अनुमति देने की मांग की है। साथ ही उसने स्पष्ट किया है कि वह नहीं चाहता कि न्याय न मिलने की स्थिति में उसके परिवार को आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़े।

संपादकीय

भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर, फिर भी व्यापार घाटा 40 अरब डॉलर के पार

अक्टूबर में भारत का निर्यात रिकॉर्ड 49.47 अरब डॉलर पर पहुंचने के बावजूद आयात 90 अरब डॉलर होने से व्यापार घाटा 40 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। पिछले कई महीनों से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जिस तरह की अस्थिरता छाई हुई है, उसमें अमूमन सभी देशों के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित और सकारात्मक रख पाना एक चुनौती बना हुआ है। खासतौर पर भारत जैसे विकासशील देशों के सामने मुश्किल यह खड़ी हो जाती है कि वे आयात और निर्यात की स्थिति के मुताबिक अपने व्यापार घाटे को कैसे नियंत्रित करते हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत में इस साल अक्तूबर में निर्यात और आयात के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव के कई संकेत देते हैं। अक्तूबर महीने में वस्तुओं का निर्यात सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, वहीं आयात में भी रिकार्ड स्तर की बढ़ोतरी दर्ज की गई।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने वस्तुओं का निर्यात बढ़ कर 49.47 अरब डालर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34.11 अरब डालर था। दूसरी ओर, सेवाओं का निर्यात भी अक्तूबर 2025 के 35.17 अरब डालर से बढ़ कर 40.51 अरब डालर हो गया। महंगाई और रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों में बढ़ोतरी की संभावना के बीच आयात और निर्यात के ये आंकड़े बताते हैं कि भारत के सामने अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर या सकारात्मक बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाने की चुनौती कायम है।दरअसल, मासिक निर्यात में इस बार रिकार्ड वृद्धि की मुख्य वजह रिफाइंड पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रानिक्स और रत्न तथा आभूषण जैसे उत्पादों का बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। हालांकि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद पश्चिम एशिया में उपजे संकट के बीच भारत को तेल और खाद सहित अन्य वस्तुओं के आयात के मोर्चे पर भी नई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पादों के आयात के लिए भारत को खाड़ी देशों के बजाय अन्य विकल्पों की ओर देखना पड़ा है। साथ ही होर्मुज जलमार्ग में अड़चन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के बीच भारत में वस्तुओं का आयात भी पांच वर्ष के रिकार्ड स्तर 90 अरब डालर पर पहुंच गया।जाहिर है, इससे वस्तुओं का व्यापार घाटा इस माह करीब चालीस अरब डालर हो गया। यह घाटा इस कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक है। आयात में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक्स और मशीनरी के दाम में इजाफा है। एक महीने में अब तक की सबसे ज्यादा वृद्धि और किसी भी महीने में वस्तुओं के सबसे ज्यादा निर्यात से उपजे उत्साह के बीच व्यापार घाटा के आंकड़े संतुलन के तकाजे को दर्शाते हैं।यों विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों में व्यापार घाटे से जुड़े प्रभाव कई बार सकारात्मक भी हो सकते हैं। दरअसल, जब एक देश द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य अन्य देशों को बेचे जाने वाले वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य से अधिक होता है, तो इसे व्यापार घाटा के तौर पर देखा जाता है।

आखिर क्यों बेपटरी हुईं माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं? भारत पर असर को समझिए

(कमलेश पांडे)

सूचना तकनीक विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह की घटना के पीछे सर्वर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क प्रबंधन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। हालांकि, किसी खास व्यवधान का वास्तविक कारण कंपनी की तकनीकी जांच और आधिकारिक बयान से ही तय किया जा सकता है।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में व्यवधान केवल किसी एक कंपनी की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था की उस निर्भरता को भी उजागर करता है, जिसमें बैंकिंग, सरकारी कामकाज, विमानन, कारोबार, शिक्षा और संचार जैसी अनेक गतिविधियां कुछ बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के डिजिटल ढांचे पर निर्भर हैं।

सूचना तकनीक विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह की घटना के पीछे सर्वर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क प्रबंधन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। हालांकि, किसी खास व्यवधान का वास्तविक कारण कंपनी की तकनीकी जांच और आधिकारिक बयान से ही तय किया जा सकता है।

स्पष्ट है कि इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए यानी बालू की भीत पर निर्मित सूचना तकनीक संबंधी सफलता को आगे बनाए रखने के लिए इससे जुड़ी तकनीकी गड़बड़ी, क्लाउड पर निर्भरता और डिजिटल व्यवस्था की कमजोरियों को आद्योपरांत समझना होना और इसकी काट ढूंढनी पड़ेगी, क्योंकि यह संकट एक साथ उन 74 देशों पर मंडराया जो माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ले रहे हैं।



आइए सबसे पहले यह समझते हैं कि- पहला, इस अप्रत्याशित साइबर संकट के दौरान आखिर क्या हुआ था? 12 नवंबर 2026 को माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड आधारित सेवाओं में बड़ी तकनीकी बाधा सामने आई। इसका असर 13 नवंबर तक दुनिया के कई देशों में बना रहा। इस दौरान प्रमुख रूप से निम्नलिखित सेवाएं प्रभावित हुईं थीं। 1-(एआई) आउटलुक। ईमेल खोलने, भेजने और प्राप्त करने में परेशानी। (2) माइक्रोसाफ्ट टीम मीटिंग, कैलेंडर और कुछ चैट सुविधाओं में व्यवधान। (3) माइक्रोसाफ 365। ऑफिस के दस्तावेजों और अन्य कार्यस्थलीय सुविधाओं तक पहुंच में समस्या। (4) कोपायलट। एआई सहायक के लोड होने और कार्यस्थलीय डेटा तक पहुंचने में दिक्कत। (1) शेयरपाइंट और अन्य सेवाए: ईमेल तथा एक्सचेंज आनलाइन पर निर्भर कुछ सुविधाओं का प्रभावित होना। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यवधान का असर 74 देशों और क्षेत्रों में देखने को मिला।

दूसरा, माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं बेपटरी होने की असली वजह क्या थी?: इस घटना में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समस्या सामान्य इंटरनेट ट्रैफिक बढ़ने के कारण नहीं हुई थी। उपलब्ध तकनीकी जानकारियों और माइक्रोसॉफ्ट के स्पष्टीकरण के आधार पर घटनाक्रम को इस प्रकार समझा जा सकता है- कारण एक- नेटवर्क अपग्रेड में तकनीकी खामी- माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ महीने पहले अपने नेटवर्क गेटवे की क्षमता बढ़ाने के लिए अपग्रेड किया था। इस अपग्रेड में एक तकनीकी बग रह गया था। कारण दो : नया नेटवर्क बदलाव- 12 नवंबर को किए गए एक अन्य नेटवर्क बदलाव ने पहले से मौजूद इस खामी को सक्रिय कर दिया। इसके परिणामस्वरूप कुछ सर्वर ठीक से काम करना बंद करने लगे। कारण तीन- सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव- जब कई सर्वर अनुपलब्ध हुए तो उनका काम बाकी उपलब्ध सर्वरों पर आने लगा। इससे शेष सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा और वे भी प्रभावित होने लगे। कारण चार:तकनीकी समस्या का फैलना- नेटवर्क कनेक्टिविटी और सर्वरों की स्थिरता प्रभावित होने से आउटलुक टीम और अन्य सेवाओं में भी समस्याएं आने लगीं। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने बाद में बताया कि मूल तकनीकी खामी को संबोधित कर लिया गया है और सेवाओं को धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

तीसरा, क्या यह साइबर हमला था या एआई की गलती? : इस घटना के बाद साइबर हमले और एआई सिस्टम की गड़बड़ी को लेकर भी सवाल उठे। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया कि उसे इस घटना में किसी दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधि का प्रमाण नहीं मिला। कंपनी ने यह भी कहा कि यह समस्या एआई या एआई एजेंट के कारण नहीं हुई थी। अर्थात उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के मुताबिक यह नेटवर्क अपग्रेड और कॉन्फिगरेशन से जुड़ी तकनीकी समस्या थी, न कि प्रमाणित साइबर हमला।

चौथा, भारत में इसका क्या असर पड़ा? : भारत में भी 12 नवंबर की रात से उपयोगकर्ताओं ने माइक्रोसाफ्ट 365 की सेवाओं में व्यवधान की शिकायतें करनी शुरू कर दी थीं। इसके प्रमुख प्रभाव थे- कंपनियों के ईमेल और आंतरिक संवाद में बाधा। ऑनलाइन बैठकों और कैलेंडर प्रबंधन में परेशानी। कुछ संस्थानों के डिजिटल कार्यों में देरी। कोपायलट और क्लाउड आधारित सुविधाओं के इस्तेमाल में समस्या। इंडिगो एयरलाइन की ईमेल सहायता सेवा प्रभावित हुई। कंपनी ने ग्राहकों को अन्य सहायता माध्यमों का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी।

पांचवां, माइक्रोसॉफ्ट को सेवाएं बहाल करने में इतना समय क्यों लगा? : यह सवाल इस पूरे घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। सिर्फ खराब सर्वर को दोबारा चालू कर देना पर्याप्त नहीं था। कंपनी को यह सुनिश्चित करना था कि दोबारा चालू किए गए सर्वर स्थिर रहें। अतिरिक्त ट्रैफिक को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटा जा सके। ईमेल के लंबित संदेश सुरक्षित तरीके से पहुंचाए जा सकें। एक क्षेत्र में सुधार के बाद दूसरे क्षेत्र में नई समस्या न पैदा हो। शुरुआत में सर्वरों को दोबारा चालू करने पर कुछ सर्वर फिर से अनुत्तरदायी हो रहे थे। इसलिए माइक्रोसॉफ्ट को पुराने सॉफ्टवेयर कॉन्फिगरेशन पर कुछ सर्वर तैयार करने और ट्रैफिक प्रबंधन में बदलाव करने पड़े। 13 नवंबर को कंपनी ने व्यापक सुधार की जानकारी दी, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को रुक-रुककर परेशानी जारी रहने की आशंका भी जताई गई थी।

छठा, इस घटना से दुनिया को क्या सबक मिला? : इस घटना के पांच बड़े निहितार्थ हैं। एक, डिजिटल दुनिया की केंद्रीकृत निर्भरता- जब बड़ी संख्या में कंपनियां एक ही टेक्नोलॉजी प्रदाता की सेवाओं पर निर्भर होती हैं, तब उसकी तकनीकी समस्या का प्रभाव अनेक देशों और उद्योगों तक पहुंच सकता है। दो, क्लाउड सेवाओं का जोखिम- क्लाउड कंप्यूटिंग ने कारोबार को आसान बनाया है, लेकिन इससे कंपनियों की अपनी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भरता भी कम हुई है। अब सेवा प्रदाता की उपलब्धता कारोबार की निरंतरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तीन, साइबर सुरक्षा से आगे बढ़कर तकनीकी सुरक्षा- साइबर हमले से बचाव जरूरी है, लेकिन नेटवर्क अपग्रेड, सॉफ्टवेयर बदलाव और सर्वर प्रबंधन में छोटी-सी तकनीकी खामी भी बड़े व्यवधान का कारण बन सकती है। चार, डिजिटल संप्रभुता का महत्व- भारत और यूरोपीय देशों के लिए यह विचारणीय विषय है कि महत्वपूर्ण सरकारी, वित्तीय और कारोबारी सेवाओं के लिए वैकल्पिक डिजिटल ढांचा कितना मजबूत होना चाहिए। पांच, बैकअप व्यवस्था अनिवार्य- कंपनियों और सरकारी संस्थानों को वैकल्पिक ईमेल व्यवस्था, स्थानीय डेटा बैकअप, आपातकालीन संचार और एक से अधिक सेवा प्रदाताओं पर विचार करना चाहिए।

सातवां, क्या भारत को अपनी डिजिटल व्यवस्था के लिए नई रणनीति बनानी चाहिए?- इस घटना के बाद भारत के सामने कुछ महत्वपूर्ण नीतिगत प्रश्न समुपस्थित हैं- (1) सरकारी सेवाएं- वैकल्पिक डिजिटल व्यवस्था। (2) बैंकिंग- स्वतंत्र बैकअप और आपदा प्रबंधन। (3) शिक्षा- ऑफलाइन शिक्षण सामग्री और वैकल्पिक प्लेटफॉर्म। (4) विमानन- वैकल्पिक संचार नेटवर्क। (1) मीडिया- स्वतंत्र ईमेल और डेटा बैकअप। (2) उद्योग- मल्टी-क्लाउड रणनीति। विशेषकर भारत को स्वदेशी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

वास्तव में, तकनीकी सुविधा के साथ तकनीकी आत्मनिर्भरता भी जरूरी है। माइक्रोसॉफ्ट की नवंबर 2026 की घटना यह बताती है कि आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में तकनीकी सुविधा और तकनीकी सुरक्षा दोनों का समान महत्व है। यह केवल माइक्रोसॉफ्ट की समस्या नहीं थी। यह उस वैश्विक व्यवस्था के लिए चेतावनी थी, जहां कुछ बड़ी कंपनियों की सेवाओं पर दुनिया की महत्वपूर्ण गतिविधियां निर्भर हो गई हैं।

यह घटनाक्रम भारत के लिए स्पष्ट संदेश है कि डिजिटल इंडिया को मजबूत बनाने के साथ-साथ डिजिटल आत्मनिर्भरता, डेटा सुरक्षा, वैकल्पिक नेटवर्क और तकनीकी आपातकालीन व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। क्योंकि डिजिटल युग में किसी एक बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्म का ठप होना केवल कंप्यूटर स्क्रीन पर आने वाली त्रुटि नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रशासन और आम नागरिक के कामकाज को प्रभावित करने वाला संकट बन सकता है। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

भारतीय कार्नेगी महाराजा माधो राव सिंधिया के जन्म के 150 साल पूरे

(अरुणांश बी. गोस्वामी)

हिंदी तिथि के अनुसार 14 नवम्बर को, महाराजा माधो राव सिंधिया का जन्मदिन था। इस युवा राजकुमार ने एक अत्यंत बड़ी विरासत संभाली; अपने पिता की तरफ से, वह मशहूर मराठा महाराज महादजी सिंधिया के वंशज थे, जिन्होंने अठारहवीं सदी में मुगल साम्राज्य पर मराठा राज कायम किया था और पहले अंग्रेज-मराठा युद्ध के दौरान अंग्रेजों को धूल चटाई थी। अपनी माँ की तरफ़ से, उनका वंश देवगिरी के यादवों से जुड़ा था, जिन्हें सेउना वंश के नाम से जाना जाता था। अंग्रेजी तिथि के अनुसार 20 अक्टूबर 2026 को माधो महाराज के जन्म के 150 साल पूरे हुए थे।

महाराजा माधो राव सिंधिया : महाराजा माधो राव सिंधिया 20 जून, 1886 को सिंधिया राज्य की गद्दी पर बैठे और परिपक्व होने तक रीजेंसी काउंसिल के तहत राज किया और 15 दिसंबर, 1894 को उन्हें पूरा राज करने का अधिकार दिया गया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक, पंडित मदन मोहन मालवीय (भारत रत्न) ने माधो महाराजा के राज के बारे में लिखा था कि जब से महामहिम (माधो राव सिंधिया) गद्दी पर आए हैं, उनके राज में बहुत तरक्की हुई है। उन्होंने अपनी प्यार भरी देखभाल में सौंपे गए लोगों की भलाई के लिए सच में पिता जैसी चिंता दिखाई है, और जैसा कि हम सब जानते हैं, उन्होंने उस भलाई को बढ़ावा देने में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। एक महान राज्य के शासक के तौर पर महामहिम को मिली कामयाबी ने उन्हें उन सभी का सम्मान और तारीफ़ दिलाई है, जिन्होंने महामहिम के राज में राज्य की तरक्की को देखा है।

महाराजा माधो राव सिंधिया : 23 जून, 1920 को बॉम्बे के माधव बाग में एक सार्वजनिक बैठक हुई, जहाँ पंडित मालवीय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पर एक उद्बोधन दिया। मीटिंग की अध्यक्षता महाराजा माधो राव सिंधिया ने की और इसमें महात्मा गांधी, बीकानेर के महाराजा और मौलाना शौकत अली जैसे जाने-माने लोगों सहित काफी लोग आए थे। यह देखा गया कि पंडित मालवीय और दो महाराजा उस दोपहर विनम्र याचिकाकर्ता के तौर पर उनके पास आए थे। इसलिए, यह उनकी ज़िम्मेदारी थी कि वे विश्वविद्यालय के फंड में जितना हो सके उतना योगदान दें, और उन्हें ऐसा तुरंत और मौके पर ही करना चाहिए। तारीफ़ में, पंडित मालवीय ने सार्वजनिक बैठक के अध्यक्ष के तौर पर महाराजा सिंधिया की भूमिका के लिए दिल से धन्यवाद दिया। 1922 के असहयोग आंदोलन के दौरान, महाराजा माधो राव सिंधिया ने अपने गृह मंत्री, देवास जूनियर के सदाशिवराव पवार के ज़रिए महात्मा गांधी को एक ज़ुबानी मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ाई के लिए पैसों के डोनेशन वाले एक बॉक्स के साथ अपनी गहरी संवेदनाएं जताई थीं। बाल गंगाधर तिलक के शुरू किए गए पुणे के मराठा अखबार ने एक लेख छापा था, जिसमें लिखा था, महाराष्ट्र को उत्तरी भारत में इस मराठा राजकुमार की कामयाबियों पर गर्व है। महाराजा ने अलग-अलग हैसियत से अपने गृह प्रांत के साथ करीबी रिश्ते बनाए रखे हैं। उनके लीडरशिप में, ग्वालियर के एडमिनिस्ट्रेशन में काफी सुधार हुए हैं, और कुल मिलाकर, लोग खुश और संतुष्ट हैं।

हिंदवी स्वराज्य : इतिहासकारों का मानना है कि जहाँ छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की नींव रखी थी, वहीं महादजी सिंधिया ने उस पर पूरा ढांचा और उसके ऊंचे शिखर खड़े किए। हिंदवी स्वराज्य सिंधिया राजवंश के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। महाराजा माधो राव सिंधिया ने शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान के जीर्णोद्धार और पुणे में उनकी पहली अश्वारूढ़ प्रतिमा की स्थापना में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अखिल भारतीय श्री शिवाजी स्मारक सोसाइटी की शुरुआत 1917 में माधो महाराजा और कोल्हापुर के छत्रपति शाहू महाराज ने की थी। शाहूजी ने माधो महारा के बारे में लिखा कि मेरे भाई मराठा महाराजा (माधो राव सिंधिया), एक महाराज जिन्होंने अपने महान पूर्वज महादजी सिंधिया की शानदार परंपराओं को ज़िंदा रखा है, जिन्होंने शिवाजी के बाद मराठों की पॉलिसी तय कीज.. मुझे उम्मीद है कि ग्वालियर के महाराजा का शामिल होना और उनकी चिंता इस स्कीम (छत्रपति शिवाजी मेमोरियल का निर्माण) को सफल बनाएगी। मेमोरियल का काम उनसे बेहतर आदमी को नहीं सौंपा जा सकता था।

सेवा और भलाई : महाराजा माधो राव सिंधिया का एक मज़बूत प्रशासन बनाने का पक्का वादा, सिंधिया राज्य के नागरिकों के फ़ायदे के लिए उसके आर्थिक संसाधनों को विकसित करने के उनके उतने ही मज़बूत इरादे से मेल खाता था। इसका एक बड़ा उदाहरण राज्य से गुज़रने वाली रेलवे थी। हालांकि उनके पहले के समय में रेलवे के विकास में कुछ तरक्की हुई थी, लेकिन यह माधो राव सिंधिया ही थे जिन्होंने ग्वालियर लाइट रेलवे को काफ़ी आगे बढ़ाया, जो सिर्फ़ महाराजा के लिए एक मनोरंजन का ज़रिया नहीं थी, बल्कि राज्य के लिए काफ़ी मुनाफ़ा कमाने वाला थी। इंडियन नेशनल कांग्रेस की पहली महिला प्रेसिडेंट एनी बेसेंट ने महाराजा माधो राव सिंधिया के बारे में कहा था, उनकी राजधानी की एक खास बात यह हैज उनके राज्य में सभी धर्मों के बराबर इस्तेमाल के लिए एक पार्क बनाया गया है, जिसमें हर धर्म का अपना मंदिर है, और सभी के साथ पूरी तरह से बिना भेदभाव के बर्ताव किया जाता है। सिंधिया का मानना है कि एक राजा को अपने राज्य में सभी धर्मों की बराबर सुरक्षा करनी चाहिए। वह इस पार्क को सभी नागरिकों के लिए एक ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहाँ उनके निष्पक्ष शासन में सभी धर्मों का सम्मान और आदर हो, जिससे हर कोई आज़ादी और सुरक्षा का आनंद ले सके।

लूट या मरीजों की मजबूरी? कैंसर और अन्य दवाओं पर 1000 प्रतिशत तक मुनाफा, सुप्रीम कोर्ट सख्त

मगर सवाल है कि राहत का दायरा केवल कैंसर की कुछ दवाओं तक ही क्यों सीमित रहे? हृदय रोग, मधुमेह और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तथा चिकित्सा सामग्री की कीमतों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है। दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच संबंधों को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि कुछ दवा कंपनियां चिकित्सकों को उपहार, यात्राओं और अन्य सुविधाओं के जरिए अपने ब्रांड की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित करती हैं।

(ऋतुपर्ण दवे)

किसी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति और उसके परिजनों के लिए सबसे बड़ी चिंता मरीज का जीवन बचाना होती है। ऐसे समय में दवाओं की कीमत, उनकी वास्तविक लागत और अस्पताल द्वारा वसूले जा रहे मुनाफे का हिसाब लगाना उसकी प्राथमिकता नहीं रह जाता। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर दवा कंपनियों और निजी अस्पतालों के बीच ऐसा कारोबार फल-फूल रहा है, जिसमें मरीज की जेब पर सबसे अधिक बोझ पड़ता है। दवाओं और चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की कीमतों में भारी अंतर का मामला अब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में स्वीकार किया है कि अस्पताल मरीजों से दवाओं व चिकित्सा सामग्री पर बहुत अधिक व्यापारिक मुनाफा वसूलते हैं। सरकार के हलफनामे के मुताबिक, कुछ कैंसररोधी दवाओं पर 170 से 700 फीसद या इससे अधिक तक व्यापारिक मुनाफा वसूला जा रहा है। इसी तरह अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली चिकित्सा सामग्री पर यह मुनाफा 100 से 1,000 फीसद या इससे अधिक तक है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि अस्पताल कई बार उन दवाओं और चिकित्सा वस्तुओं को खरीदने में प्राथमिकता देते हैं, जिन पर अधिक मुनाफा मिलता है और जिनका अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) ऊंचा होता है।

बाद में मरीज से वही कीमत वसूली जाती है। विडंबना यह है कि देश में सस्ती दवाएं बनाने वाली कंपनियां मौजूद हैं, लेकिन



मरीजों को उन्हीं दवाओं के लिए वास्तविक खरीद लागत से कहीं अधिक भुगतान करना पड़ता है। इस मनमानी की सबसे बड़ी वजह मरीज और अस्पताल के बीच जानकारी तथा मोलभाव करने की क्षमता का असमान होना है। मरीज को न तो दवाओं की वास्तविक कीमत मालूम होती है और न ही उनके सस्ते विकल्पों की जानकारी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई बार उसे परिसर में ही स्थित दुकान से दवाएं और चिकित्सा सामग्री खरीदने के लिए बाध्य होना पड़ता है। बाहर से दवा लाने पर गुणवत्ता या प्रामाणिकता का सवाल उठाया जाता है। गंभीर बीमारी के दौरान मरीज और उसके परिजन अस्पताल से बहस करने का साहस भी नहीं जुटा पाते। उन्हें आशंका रहती है कि कहीं इसका असर इलाज पर न पड़े। ऐसे में वे बिल में दर्ज हर रकम चुपचाप चुकाने को मजबूर होते हैं।

दवाओं की कीमतों का यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में उठने के बाद सरकार पर व्यापक नियमन की व्यवस्था बनाने का दबाव बढ़ा है। अदालत ने दवाओं के खुदरा मूल्य और उन्हें विक्रेताओं को उपलब्ध कराने की कीमत के बीच बड़े अंतर पर सवाल उठाए हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी पूछा कि जब कुछ दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा सीमित किया जा सकता है, तो दूसरी जरूरी दवाओं और चिकित्सा सामग्री के मामले में ऐसा क्यों नहीं हो सकता।

अदालत ने सभी दवाओं पर समान रूप से 16 फीसद मुनाफा निर्धारित करने की संभावना पर भी सरकार से विचार करने को कहा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह संबंधित पक्षों से बातचीत करके उचित हस्तक्षेप की तैयारी कर रही है। हालांकि, सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसररोधी दवाओं पर व्यापारिक मुनाफा 30 फीसद तक सीमित करने की अधिसूचना जारी की है। संशोधित कीमतें नौ नवंबर 2026 से लागू होनी हैं। इससे संबंधित दवाओं की कीमतों में मौजूदा मूल्य संरचना के अनुसार 70 फीसद तक कमी आने की उम्मीद है।

मगर सवाल है कि राहत का दायरा केवल कैंसर की कुछ दवाओं तक ही क्यों सीमित रहे? हृदय रोग, मधुमेह और दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तथा चिकित्सा सामग्री की कीमतों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है। दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच संबंधों को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते हैं कि कुछ दवा कंपनियां चिकित्सकों को उपहार, यात्राओं और अन्य सुविधाओं के जरिए अपने ब्रांड की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित करती हैं। इससे महंगी दवाओं को प्राथमिकता मिलने और मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि, ऐसे आरोपों को बिना जांच के सामान्य प्रवृत्ति नहीं माना जा सकता, लेकिन इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस समस्या का सामाजिक पक्ष भी बेहद गंभीर है। वर्ष 2020 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बताया था कि इलाज पर होने वाले खर्च के कारण हर साल लगभग 6.3 करोड़ परिवार गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह उस समय का आंकड़ा है, लेकिन इससे स्वास्थ्य खर्च और आर्थिक बदहाली के बीच संबंध का अंदाजा लगाया जा सकता है। मरीज के इलाज के लिए परिवार अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर देते हैं। कई बार घर, खेत और जेवर तक गिरवी रखने या बेचने पड़ते हैं। बीमारी से उबरने के बाद भी कर्ज का बोझ लंबे समय तक परिवार का पीछा करता है। इससे निपटने के लिए एक प्रभावी उपाय मेडिकल बिल आडिट की व्यवस्था हो सकती है।

मरीजों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने अस्पताल के बिल की विशेषज्ञों से जांच करा सकें। यदि किसी दवा या चिकित्सा सामग्री के मूल्य में अनुचित अंतर पाया जाए, तो संबंधित अस्पताल से जवाब मांगा जाए और अतिरिक्त वसूली की स्थिति में मरीज को रकम लौटाई जाए। आज जब अस्पतालों में जांच रिपोर्ट, चिकित्सकीय परामर्श और मरीजों का पूरा विवरण आनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है, तो बिलों को भी इसी तरह डिजिटल रूप में तैयार करना मुश्किल नहीं होना चाहिए।

सरकार एक ऐसा साझा आनलाइन पोर्टल बना सकती है, जिस पर अस्पतालों के प्रत्येक मरीज का बिल, दवाओं, जांच और चिकित्सा सामग्री का पूरा विवरण स्वत- दर्ज हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से इन बिलों की जांच की जा सकती है। जहां दवाओं की खरीद कीमत और मरीज से वसूली गई रकम में असामान्य अंतर दिखाई दे, वहां संबंधित अस्पताल की जांच हो। इस व्यवस्था में मरीज की निजता और स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। सरकारी एजंसियां आकस्मिक जांच के जरिए यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि अस्पतालों में मनमानी वसूली न हो।

नवागत डीएम प्रवीण वर्मा ने संभाली जनसुनवाई की कमान, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश



शामली। नवागत जिलाधिकारी प्रवीण वर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नवागत जिलाधिकारी प्रवीण वर्मा ने 16 नवंबर की देर रात कलेक्ट्रेट पहुंचकर कोषागार के डबल लॉक में आवश्यक अभिलेखों पर हस्ताक्षर करने के बाद विधिवत कार्यभार ग्रहण किया था। मंगलवार सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक उन्होंने अपने कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। पत्रकारों से वार्ता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकासपरक परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता रहेगा। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद में विकास की नई संभावनाएं तलाशते हुए विकास कार्यों को गति दी जाएगी। इसके अलावा जनगणना-2027 और आगामी निर्वाचन संबंधी सभी कार्यों को पारदर्शिता, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराया जाएगा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह और अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोहनलाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नवागत डीएम सुनील कुमार सिंह का केमिस्ट एसोसिएशन ने किया स्वागत !



मुजफ्फरनगर। कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नवागत जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चौहान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्ष सुभाष चौहान ने दवा व्यापारियों की जी एस टी विभाग एवं पोर्टल की समस्या से अवगत कराया '

मुजफ्फरनगर में नदी रोड की गौशाला में गोपाष्टमी पर आस्था का सैलाब: संकीर्तन पर झूमे श्रद्धालु, हवन-पूजन व महाआरती के बाद हुआ विशाल भंडारा

कार्तिक माह की धूलि अष्टमी पर आयोजित हुआ मुख्य कार्यक्रम, श्रद्धालुओं ने गौमाता की चरण धूलि मस्तक पर लगाकर लिया आशीर्वाद



मुजफ्फरनगर। कार्तिक माह के पावन अवसर पर मनाई जाने वाली धूलि अष्टमी (गोपाष्टमी) के उपलक्ष्य में जनपद की विभिन्न गौशालाओं में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ गौ-पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस क्रम में नगर का मुख्य और भव्य आयोजन नदी रोड स्थित शहर गौशाला में किया गया, जहाँ सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में भारी संख्या में महिला-पुरुष भक्तों के साथ-साथ शहर के प्रमुख समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, अधिवक्तागण एवं प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से गौ-पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए अजय गोयल उर्फ बिट्टू ने बताया कि शहर गौशाला में प्रातः काल विधि-विधान से हवन-पूजन का आयोजन किया गया। यज्ञ में आहुतियाँ डालने के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौमाता का तिलक व पूजन किया तथा उनकी चरण धूलि को अपने मस्तक पर लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात ढोल-नगाड़ों और शंखनाद के बीच गौमाता की भव्य महाआरती सम्पन्न हुई। गौशाला में समस्त धार्मिक अनुष्ठान एवं वैदिक पूजन सिद्धपीठ वाले गुरुजी पंडित संजय मिश्रा द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराए गए। धार्मिक अनुष्ठानों के क्रम में गौशाला परिसर में एक विशाल संकीर्तन का भी आयोजन किया गया। कीर्तन मण्डली की संयोजिका श्रीमती रीता गर्ग ने कार्तिक माह और गोपाष्टमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रभु के नाम का मधुर संकीर्तन किया। भजनों की रसधारा प्रवाहित होते ही समूचा वातावरण भक्तिमय हो गया और संकीर्तन के दौरान श्रद्धालु महिलाएँ स्वयं को रोक न सकीं तथा भाव-विभोर होकर नृत्य करने लगीं। धार्मिक कार्यक्रमों की पूर्णता के तत्पश्चात सर्वप्रथम आमंत्रित संतों एवं महात्माओं को ससम्मान भोजन कराया गया और दक्षिणा भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। इसके उपरांत आम श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे के द्वार खोल दिए गए, जो देर तक चलता रहा और बड़ी संख्या में भक्तों ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इन गणमान्य जनों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवचरण दास गर्ग, शंकर स्वरूप बंसल, प्रवीण अरोरा, शिवम तायल, सभासद योगेश मित्तल, पूर्व सभासद संजय गर्ग, पूर्व विधायक अशोक कंसल, अजय गर्ग, सुखदेव मित्तल, सुंदरकांड विशेषज्ञ प्रेम प्रकाश अरोरा, शिवकुमार तथा प्रबन्धक अमित व प्रदीप सहित अनेक समाजसेवियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अंत में भंडारे के समापन के उपरांत गौशाला के सचिव प्रवीण अरोरा, शिवकुमार एवं अजय गोयल आदि पदाधिकारियों ने गौशाला में पधारने और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी श्रद्धालु भक्तों व अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

अपने सुख को छिपाकर मित्र के दुःख में शामिल होना ही सच्ची मित्रता है: श्री शान्तनु जी महाराज

अपने बच्चों का नाम बहुत सोच-विचार करके ही रखना चाहिए, क्योंकि 'यथा नाम तथा गुण'



मुजफ्फरनगर। रेशु विहार स्थित रेशु प्रांगण में प्रतिदिन चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से भगवान कृष्ण जी की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्ति के बन्धन में बांधे रखा। श्रीकृष्ण जी की बाल लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालू भाव विभोर हो गये। आज प्रातः के समय शान्तनु जी महाराज ने सत्यप्रकाश रेशू और अन्य परिवारजनों के साथ रेशू गार्डन में पूजा अर्चना कर देश के शहीदों और पूर्वजों के सम्मान में रुद्राक्ष के 2 पौधों का रोपण किया, जिनको लगाना अत्यंत शुभ, आध्यात्मिक और पर्यावरण-अनुकूल माना जाता है। आज की श्रीमद् भागवत कथा में पहुंचे कनखल हरिद्वार से शारदा पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पूज्य श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जी के जन्म के उपरांत पूरे नन्द भवन में आनन्द ही आनन्द बरस रहा था, तभी पूतना भगवान को मारने के लिये आ गई और पूतना भगवान को अपनी गोद में लेकर खिलाने के बहाने बाहर ले गई तथा विष लगा हुआ स्तन भगवान के मुंह में दे दिया, जिसके बाद भगवान विष सहित पूतना का पूरा प्राण ही पी गये और भगवान ने पूतना को जीवन से मुक्त कर दिया। महाराज श्री ने कहा कि पूतना के दूध को पीकर भगवान ने उसे भी मां जैसी सद्गति दे दी। महाराज श्री ने कहा कि पूतना वास्तव में अविद्या की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान का दरबार नर्सिंग होम की तरह है, जहां कोई भी आये, उसका उद्धार भगवान कर ही देते हैं। श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि अपने बच्चों का नाम बहुत ही सोच-विचार करके रखना चाहिए, क्योंकि 'यथा नाम तथा गुण'। महाराज श्री ने कहा कि जो व्यक्ति अपने सुख को छिपाकर अपने मित्र के दुःख में शामिल होता है, वही सच्चा मित्र है और उनकी मित्रता भी सच्ची ही होती है।

श्री शान्तनु जी महाराज ने कहा कि यशोदा माता उत्सव मनाने के लिये सदैव बहाने खोजती रहती थी और पहली बार जब भगवान ने सोते हुए करवट बदली, तो इस खुशी में माता यशोदा ने वहां पर सभी गोपियों को बुला लिया, जिसके बाद भगवान के पालने को बैलगाड़ी में लटका दिया तथा भगवान गोपियों के साथ नाचने लगे। महाराज श्री ने कहा कि उसी बैलगाड़ी में शकटासुर नामक छिपा हुआ था, प्रभु ने एक ही लात मारकर उसे भी मुक्त कर दिया। इसके बाद भगवान को मारने के लियें कंस द्वारा भेजा गया तृणावर्त नामक राक्षस आया, भगवान ने उसे भी मुक्त कर दिया। महाराज श्री ने कहा कि नन्द बाबा ने गगार्चार्य जी को बुलाकर भगवान का नामकरण कराया। गगार्चार्य जी ने भगवान का नाम कृष्ण और बलराम जी का नाम संकर्षण रखा। इसके बाद श्री शान्तनु जी महाराज भगवान के माखन चोरी की लीला का वर्णन करते हुएं कहा कि इसके माध्यम से भगवान ने ब्रज की सभी गोपियों के मन की इच्छा को पूरा किया। इसके बाद भगवान के मृदभक्षन लीला का वर्णन किया गया। महाराज श्री ने कहा कि इस प्रकार भगवान ने ब्रज की मिट्टी को भी प्रसाद स्वरूप पवित्र कर दिया और इसी लीला में भगवान श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में सम्पूर्ण ब्रह्मान्ड का दर्शन कराया है। इसके बाद सुन्दर ऊखल बन्धन की लीला का वर्णन किया गया। महाराज श्री ने कहा कि जब ब्रज में आये दिन राक्षसों का आतंक बढ गया, तब भगवान सबको लेकर वृन्दावन आ गये, क्योंकि वृन्दावन सभी काल में सुखकारी रहता है और वृन्दावन में भी भगवान ने वत्सासुर, बकासुर, अघासुर, धेनुकासुर, आदि राक्षसों का वध किया है। महाराज श्री ने इसके बाद कालिया नाग की कथा सुनाई, जो यमुना जी के जल को दूषित कर रहा था। भगवान ने यमुना जी में कूदकर उसे भी मुक्त किया। गोवर्धन लीला की कथा सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि इसके माध्यम से भगवान ने इन्द्र का मान भंग किया और सम्पूर्ण ब्रजमण्डल की रक्षा की तथा 56 भोग सहित गिरिराज जी का धूमधाम के साथ पूजन किया गया साथ ही श्रीमद् भागवत कथा में श्री विभूषित जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को प्रेरणादायक प्रवचन दिए। रेशू प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में दिनोंदिन श्रद्धालुओं की भीड बढ रही है। प्रतिदिन पहुंच रहे समस्त श्रद्धालुओं का रेशु परिवार की ओर से अभिनन्दन किया जा रहा है। कथा स्थल पर सुरक्षा, भोग प्रसाद, शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई, जूतों के उचित रखरखाव की समुचित व्यवस्था की गई है।

मुजफ्फरनगर में यूपी बोर्ड परीक्षा के 72 केंद्रों पर लगी अंतिम मुहर: 56,521 परीक्षार्थी लिखेंगे अपना भविष्य, प्री-बोर्ड और प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तैयारियां शुरू

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जारी की संशोधित अंतिम सूची: 5 फरवरी से शुरू होंगी हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) द्वारा आयोजित होने वाली आगामी यूपी बोर्ड परीक्षा-2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में परीक्षा केंद्रों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। बोर्ड ने सोमवार को मुजफ्फरनगर जिले के कुल 72 परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची पर अपनी मुहर लगा दी है। इससे पूर्व जारी की गई पहली अनंतिम सूची में 70 विद्यालयों को केंद्र के रूप में प्रस्तावित किया गया था, लेकिन आपत्तियों के निस्तारण और जिला स्तरीय समिति की गहन समीक्षा के बाद दो अतिरिक्त केंद्र बढ़ाकर संशोधित सूची बोर्ड को प्रेषित की गई थी। बोर्ड की अंतिम स्वीकृति के साथ ही अब इन 72 केंद्रों पर जिले के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कुल 56,521 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) हरिकेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड द्वारा परीक्षा केंद्रों की पहली सूची जारी किए जाने के पश्चात विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और अभिभावकों की ओर से कुल 63 आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। इनमें मुख्य रूप से परीक्षा केंद्रों की दूरी अधिक होने तथा निर्धारित मानकों को पूरा न करने जैसी शिकायतें शामिल थीं। जिला स्तरीय समिति ने सभी आपत्तियों का पारदर्शी ढंग से निस्तारण किया और मानकों तथा परीक्षार्थियों की संख्या के संतुलन को देखते हुए दो नए केंद्रों को सूची में शामिल किया, जिस पर अब बोर्ड ने अंतिम मुहर लगा दी है। यूपी बोर्ड की ओर से जारी आधिकारिक परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मुख्य लिखित परीक्षाएं आगामी 5 फरवरी से प्रारंभ होंगी। मुख्य परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियों के अभ्यास और मूल्यांकन के लिए विद्यालय स्तर पर प्रयोगात्मक (प्रैक्टिकल) और प्री-बोर्ड परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। केंद्रों की अंतिम सूची जारी होने के बाद अब जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में परीक्षा की तैयारियों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। शहरी क्षेत्र के परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए नगर के 14 प्रतिष्ठित विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें इस्लामिया इंटर कॉलेज, जैन इंटर कॉलेज, चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज, दीपचंद ग्रेन चैंबर इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर, एसडी इंटर कॉलेज, मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, एमपीएल गर्ल्स इंटर कॉलेज, जैन कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, जैन कन्या इंटर कॉलेज नई मंडी, एसडी गर्ल्स गांधी कॉलोनी इंटर कॉलेज, वैदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज नई मंडी और गोड्स ग्रेस इंटर कॉलेज सरवट शामिल हैं। ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इसके लिए देहात क्षेत्र के कुल 58 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। इनमें प्रमुख रूप से बुढ़ाना, खतौली, जानसठ, शाहपुर, चरथावल, पुरकाजी, मोरना, मीरापुर, बघरा, सिसौली और मंसूरपुर क्षेत्र के विद्यालय शामिल हैं:

मुजफ्फरनगर शिक्षा महकमे में प्रशासनिक फेरबदल: 5 खंड शिक्षा अधिकारियों का गैरजनपद तबादला, जिले को मिले 5 नए बीईओ



मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के बेसिक शिक्षा विभाग में सोमवार, 16 नवंबर 2026 को एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला। शासन के बेसिक शिक्षा अनुभाग-1 द्वारा प्रदेश भर के खंड शिक्षा अधिकारियों (इएड) की बहुप्रतीक्षित स्थानांतरण सूची जारी कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण शासनादेश का सीधा और व्यापक असर मुजफ्फरनगर जनपद की शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा है। जारी आदेश के तहत मुजफ्फरनगर जनपद में कार्यरत कुल 5 खंड शिक्षा अधिकारियों को मंडल के अन्य जनपदों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि उनके रिक्त होने वाले पदों को भरने के लिए गैरजनपदों से 5 नए खंड शिक्षा अधिकारियों को मुजफ्फरनगर में नवीन तैनाती दी गई है। मंडल के ही दो जिलों में भेजे गए मुजफ्फरनगर के अधिकारी शासन द्वारा जारी तबादला सूची के अनुसार, मुजफ्फरनगर जनपद से स्थानांतरित किए गए सभी पांचों खंड शिक्षा अधिकारियों को सहारनपुर मंडल के ही अन्य दो जनपदों—सहारनपुर और शामली में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें से 3 अधिकारियों को सहारनपुर और 2 अधिकारियों को शामली जनपद भेजा गया है। सूची के मुताबिक, मुजफ्फरनगर में तैनात रहीं खंड शिक्षा अधिकारी किरण यादव का तबादला शामली जनपद के लिए किया गया है। इसी क्रम में संजय भारती को भी मुजफ्फरनगर से स्थानांतरित कर शामली भेजा गया है। दूसरी ओर, सहारनपुर जनपद में नवीन तैनाती पाने वालों में र-केश कुमार गौड़, अमरवीर सिंह और ध्यानचंद्र का नाम शामिल है। इन तीनों अधिकारियों को मुजफ्फरनगर से कार्यमुक्त होकर सहारनपुर जनपद में अपना नया कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। शामली से तीन, सहारनपुर और बिजनौर से एक-एक अधिकारी को मिली कमान

जनपद के विभिन्न विकास खंडों में शिक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित रखने और प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने के लिए शासन ने गैरजनपदों से 5 अनुभवी खंड शिक्षा अधिकारियों को मुजफ्फरनगर भेजा है। जिले में आने वाले इन 5 नए अधिकारियों में सर्वाधिक 3 अधिकारी पड़ोसी जनपद शामली से स्थानांतरित होकर आए हैं, जबकि 1 अधिकारी सहारनपुर और 1 अधिकारी बिजनौर जनपद से मुजफ्फरनगर भेजे गए हैं।

रंग संसार

15 की उम्र में पिता को खोया, 17 में नौकरी गई...मालगुडी डेज के 'स्वामी' एक्टिंग छोड़ अब करते हैं ये काम



नई दिल्ली। आरके नारायण की किताब पर आधारित दूरदर्शन के कल्ट शो मालगुडी डेज के शरारती 'स्वामी' याद हैं? वही 10 साल का 'स्वामी' जो अपने दोस्तों के साथ स्कूल न जाने के बहाने करता था और शैतानियों में अव्वल था। मालगुडी डेज में 'स्वामी' बनकर यह घर-घर में हर किसी का फेवरेट बन गया था। दूरदर्शन के मालगुडी डेज में 'स्वामी' का किरदार बाल कलाकार मास्टर मंजूनाथ ने निभाया था। यूं तो वह कई फिल्मों और टीवी शोज में काम कर चुके थे, लेकिन मालगुडी डेज ने उन्हें स्टार बना दिया था। इस शो में अपने किरदार के लिए उन्हें 6 इंटरनेशनल अवॉर्ड, 1 नेशनल अवॉर्ड और एक स्टेट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया।3 साल की उम्र में मास्टर मंजूनाथ ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और 17 साल की उम्र तक कन्नॉ और हिंदी सिनेमा में करीब 25 फिल्में और कई टीवी शोज में काम किया।

मगर फिल्मों से अचानक गायब होकर मास्टर मंजूनाथ अब कहां और क्या कर रहे हैं? चलिए आपको उनके बारे में बताते हैं... मास्टर मंजूनाथ का बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर बहुत शानदार रहा। नॉन-फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने वाले मंजूनाथ बस 3 साल के थे, जब उन्हें पहली फिल्म अजीत में काम करने का मौका मिला। जिम्मी जिम्मी पॉडकास्ट में अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया-एक तरफ मंजूनाथ का मन एक्टिंग में रम गया, वहीं दूसरी तरफ उनके माता-पिता क्लियर थे कि अगर वह क्लास में फेल हुए तो उन्हें सिनेमा से दूर कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह उनके परिवार की तरफ से एक धमकी थी। इसलिए वह एक्टिंग के साथ-साथ पढ़ाई में भी खूब मेहनत करते थे।

राज काज

बांग्लादेश में हिंसा : न्यूनतम वेतन के लिए सड़कों पर उतरे गारमेंट वर्कर, हाईवे जाम



ढाका। बांग्लादेश एक बार फिर भीषण राजनीतिक और औद्योगिक अशांति की चपेट में है। ढाका, सावर और आशुटिया के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में गारमेंट श्रमिकों ने न्यूनतम वेतन को 12,500 टका से बढ़ाकर 30 हजार टका करने की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं, जिनमें पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। श्रमिकों द्वारा ढाका-अरिचा हाईवे पर जाम लगाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। गौरतलब है कि बांग्लादेश, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गारमेंट निर्यातक है, जहां 40 लाख से अधिक श्रमिक इस सेक्टर से जुड़े हैं। देश के कुल निर्यात में इसकी 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। लगातार हो रहे इन प्रदर्शनों और 11 फैक्टरियों के कामकाज प्रभावित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।वेतन निर्धारण के लिए बनी न्यूनतम वेतन बोर्ड की अगली बैठक अब 23 नवंबर को होगी, और दिसंबर तक नई वेतन संरचना आने की उम्मीद है। इस बीच, देश में राजनीतिक तनाव भी चरम पर है। ढाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास बम धमाकों में तीन लोग घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है।दूसरी ओर, लंदन में नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं पर हुए हमले में पांच लोग घायल हो गए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इन हालातों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप जारी है।

दैनिक राशिफल बुधवार 18 नवम्बर 2026

मेष – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कर्क – किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

सिंह– भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

कन्या – शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला – लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागेइ वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

वृश्चिक – कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

धनु – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

मकर – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कुंभ – विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मीन – कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

दैनिक पंचांग

18 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.09 ब.से.
चंद्र	कुंभ में	धनु	08.29 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर	10.34 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.20 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	13.53 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.24 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.02 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.15 बजे से
		सिंह	23.31 बजे से
		कन्या	01.43 बजे से
		तुला	03.54 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 322 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र शतभिषा 06.11 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 08.06 बजे को समाप्त।
करण बालव 18.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872897
जूलियन दिन 2461362.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 07
विशेष अक्षय नवमी, जगद्धात्री पूजा, सत युग दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से 08.44	बजे तक
काल	08.15	से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से 11.47	बजे तक	चर	10.16	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.16	बजे तक	रोग	11.47	से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से 02.44	बजे तक	काल	01.19	से 02.51	बजे तक
चर	02.44	से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज हाईकोर्ट बेंच और अधिवक्ता संरक्षण कानून की मांग को लेकर सड़कों पर उतरेंगे अधिवक्ता, सहारनपुर से निकलेगी न्याय यात्रा

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की खंडपीठ स्थापित कराने और अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने आंदोलन को गति देने की तैयारी की है। पश्चिम उत्तर प्रदेश संघर्ष समिति के आह्वान पर 18 नवंबर, बुधवार को सहारनपुर से अधिवक्ताओं की न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा दोपहर एक बजे मुजफ्फरनगर पहुंचेगी। यहां अधिवक्ता अपने-अपने वाहनों के साथ यात्रा में शामिल होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दोनों मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर एकजुटता दिखाने की तैयारी

जिला बार एसोसिएशन मुजफ्फरनगर अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की खंडपीठ की स्थापना लंबे समय से अधिवक्ताओं की प्रमुख मांग रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। क्षेत्र में हाईकोर्ट की खंडपीठ स्थापित होने से वादकारियों को सुविधा मिल सकती है और न्यायिक प्रक्रिया तक उनकी पहुंच आसान हो सकती है। इसी मांग को लेकर न्याय यात्रा के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर एकजुटता प्रदर्शित करने और शासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। न्याय यात्रा का दूसरा प्रमुख उद्देश्य अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कराने की मांग उठाना है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिवक्ताओं को अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन करते समय सुरक्षा मिलनी चाहिए। अधिवक्ताओं के खिलाफ होने वाली घटनाओं को देखते हुए उनके संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाया जाना जरूरी है। इसी मांग को लेकर अधिवक्ता एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। समिति की ओर से जारी



कार्यक्रम के अनुसार 18 नवंबर को न्याय यात्रा मुजफ्फरनगर कचहरी से प्रारंभ होकर प्रकाश चौक, शिव चौक, सरवट, भोपा रोड, नई मंडी और गौशाला रोड होते हुए महावीर चौक पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा वापस कचहरी पहुंचकर संपन्न होगी। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरने वाली इस यात्रा में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के अपने-अपने वाहनों के साथ शामिल होने की अपील की गई है। दोपहर 12:30 बजे श्याम सिंह वर्मा द्वार पर एकत्रित होंगे अधिवक्ता

जिला बार एसोसिएशन मुजफ्फरनगर अध्यक्ष प्रमोद त्यागी और महासचिव सुरेन्द्र कुमार मलिक ने मुजफ्फरनगर के समस्त अधिवक्ताओं से न्याय यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ता बुधवार को दोपहर 12:30 बजे श्याम सिंह वर्मा द्वार पर अपने-अपने वाहनों सहित एकत्रित हों, ताकि एकजुटता के साथ न्याय यात्रा में शामिल हुआ जा सके। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि न्याय यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के न्यायिक हितों और अधिवक्ताओं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य दोनों मांगों को लेकर व्यापक समर्थन जुटाना और शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है। न्याय यात्रा के माध्यम से अधिवक्ता अपनी एकजुटता और मांगों के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करेंगे।

मुजफ्फरनगर में जनगणना के तहत डीएम व भाजपा जिलाध्यक्ष ने की ऑनलाइन स्वगणना: 30 नवंबर तक चलेगा महाभियान, आमजन से की सक्रिय भागीदारी की अपील

सीडीओ अमित कुमार, नगर पालिका चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप व अधिकारियों ने भी निर्धारित मानकों पर दर्ज की परिवार की जानकारी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय महत्व के महाभियान 'जनगणना-2027' को सफल बनाने और आमजन को इसके प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से जनपद के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वयं आगे बढ़कर मिसाल पेश की है। मंगलवार को जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अमित कुमार तथा नगर पालिका परिषद की चेयरमैन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने स्वगणना के निर्धारित मानकों के अनुरूप अपनी व अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर स्वगणना में सक्रिय सहभागिता की।

सामाजिक कर्तव्य समझकर जनगणना को दें गतिः जिलाधिकारी

जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने स्वयं ऑनलाइन स्वगणना की प्रक्रिया पूर्ण



करते हुए राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस अवसर पर उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से स्वगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। डीएम ने कहा कि यह हम सभी का नैतिक व सामाजिक कर्तव्य है कि हम स्वगणना प्रक्रिया का हिस्सा बनकर जनगणना-2027 को गति प्रदान करें। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि स्वगणना का यह कार्य 16 नवंबर से प्रारंभ हो चुका है और आगामी 30 नवंबर तक निरंतर चलेगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे जनगणना-2027 अभियान के अंतर्गत सरकार द्वारा दी गई स्वगणना की सुविधा का लाभ उठाएं और अपने परिवार का विवरण स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर राष्ट्र के इस महत्वपूर्ण कार्य में सहभागी बनें।

भाजपा जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिकारियों ने भी दर्ज कराया विवरण

इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने भी अपने आवास पर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वगणना कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई और कार्यकर्ताओं व आमजन से इस सुविधा का लाभ उठाने को कहा। प्रशासनिक अमले में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह ने भी निर्धारित मानकों पर अपनी जानकारी दर्ज कराते हुए स्वगणना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं टूटा ग्रामीणों का धरना, रुद्रा वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट पर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच कई घंटे चली वार्ता बेनतीजा

भोपा रोड के चांदपुर गांव में बायोमेडिकल वेस्ट प्लांट को लेकर फिर आमने-सामने आए ग्रामीण और कंपनी प्रबंधन

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड स्थित चांदपुर गांव के पास रुद्रा वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया। करीब सवा साल से प्लांट के गेट पर धरना दे रहे ग्रामीणों और कंपनी प्रबंधन के बीच गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में मंगलवार को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने कई घंटे तक ग्रामीणों से बातचीत कर धरना समाप्त कराने और न्यायालय के आदेश का पालन कराने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। आखिरकार शाम करीब पांच बजे प्रशासनिक टीम बिना धरना समाप्त कराए वापस लौट गई। फिलहाल प्लांट के गेट पर ग्रामीणों का धरना जारी है।

हाईकोर्ट के आदेश के पालन और ग्रामीणों के विरोध के बीच फंसा मामला

रुद्रा वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का मामला अब कंपनी और ग्रामीणों के बीच स्थानीय विवाद से आगे बढ़कर न्यायालय के आदेश और ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच उलझ गया है। कंपनी प्रबंधन जहां प्लांट को सभी जरूरी अनुमतियों के साथ वैध बताते हुए संचालन शुरू करने की पैरवी कर रहा है, वहीं ग्रामीण आसपास की आबादी और पर्यावरण पर संभावित प्रभाव को लेकर विरोध कर रहे हैं। मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच गतिरोध दूर करने का प्रयास हुआ, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी।

प्लांट पूरी तरह वैध, सभी एनओसी और अनुमतियां मौजूद : कंपनी प्रबंधन

रुद्रा वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के प्रबंध निदेशक वरिंदर दीप सिंह टोरना ने प्लांट को पूरी तरह वैध बताते हुए कहा कि इसे बायोमेडिकल वेस्ट के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्लांट का मकसद प्रदूषण फैलाना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित नियमों के तहत काम करना है। उनके अनुसार प्लांट से संबंधित



सभी दस्तावेज और अनापत्ति प्रमाणपत्र भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के अनुरूप हैं।

2021 में जनसुनवाई कराने और आपत्ति नहीं मिलने का दावा

कंपनी प्रबंधन का कहना है कि 26 जुलाई 2021 को तत्कालीन एडीएम, एसडीएम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की मौजूदगी में सार्वजनिक जनसुनवाई कराई गई थी। इसका समाचार पत्रों में प्रकाशन भी कराया गया था। कंपनी का दावा है कि उस समय किसी ग्रामीण ने प्लांट को लेकर आपत्ति दर्ज नहीं कराई थी। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक अनुमतियां प्राप्त की गईं। प्रबंधन के मुताबिक प्लांट की स्थापना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं और अब यह पूरी तरह तैयार है। लेकिन ग्रामीणों के विरोध के चलते प्लांट के गेट पर ताला लगा हुआ है और वहां ट्रॉली खड़ी कर धरना दिया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि इसी मामले में हाईकोर्ट ने प्रशासन को कब्जा और बाधा हटाने के आदेश दिए हैं। एसडीएम सदर, तहसीलदार और सीओ पुलिस बल के साथ पहुंचे हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के लिए मंगलवार को सदर एसडीएम शुभम श्रीवास्तव, तहसीलदार दीप्ति पाल, कानूनगो और नई मंडी सीओ राजू कुमार साव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी गीतेश चंद्रा सहित अन्य अधिकारी भी टीम में शामिल रहे। अधिकारियों ने धरने पर बैठे ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए धरना समाप्त करने के लिए समझाया। कई घंटे तक चली बातचीत के बावजूद ग्रामीणों ने अपना विरोध समाप्त करने से इनकार कर दिया।धरने का नेतृत्व कर रहे सुनील प्रधान और अन्य ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे न्यायालय का सम्मान करते हैं, लेकिन गांव और आसपास के लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों का कहना है कि वे 5 जून 2025 से प्लांट के खिलाफ धरना दे रहे हैं। उनका विरोध बायोमेडिकल कचरे के निस्तारण से क्षेत्र में संभावित स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी प्रभावों को लेकर है। सुनील प्रधान ने कहा कि ग्रामीण किसी भी कीमत पर धरना समाप्त कर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

नई मंडी क्षेत्र से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता, पिता की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज

नसीरपुर गांव में घर पर छोटे बच्चों के साथ थीं दोनों बहनें, पिता काम से लौटे तो नहीं मिलीं, रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर तलाश के बावजूद नहीं लगा सुराग

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम नसीरपुर से दो सगी किशोरियों के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों बहनें घर पर छोटे बच्चों के साथ मौजूद थीं। उनके पिता काम पर गए हुए थे। दोपहर के समय दोनों किशोरियां अचानक बिना बताए घर से लापता हो गईं। शाम को जब पिता काम से वापस घर लौटे तो दोनों बेटियों को घर पर नहीं पाकर उनके होश उड़ गए। परिजनों ने अपने स्तर से काफी तलाश की, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पिता ने नई मंडी थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दोनों किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है।

पिता काम पर गए थे, घर पर थीं दोनों किशोरियां

ग्राम नसीरपुर निवासी नवीन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 नवंबर 2026 को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह अपने काम पर गए हुए थे। उस समय घर पर उनकी 16 वर्षीय पुत्री और 14 वर्षीय पुत्री और दो छोटे बच्चे मौजूद थे। परिवार के दो अन्य बच्चे स्कूल गए हुए थे। इसी दौरान उनकी दोनों बेटियां बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गईं।

शाम को घर लौटने पर हुआ बेटियों के लापता होने का पता

पिता के अनुसार, जब वह शाम को काम से घर लौटे तो दोनों बेटियां घर पर नहीं मिलीं। उन्होंने आसपास के लोगों और परिचितों से जानकारी जुटाई, लेकिन कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर दोनों की तलाश शुरू की गई। रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर तलाश, नहीं मिला सुराग

परिजनों ने दोनों किशोरियों को खोजने के लिए रिश्तेदारों और परिचितों के यहां जानकारी की। इस्के अलावा आसपास के क्षेत्रों और तमाम संभावित स्थानों पर भी तलाश की गई, लेकिन कई दिनों तक प्रयास करने के बावजूद दोनों का कोई पता नहीं चल सका। बेटियों के अचानक लापता होने से परिवार परेशान है और उनकी सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए बैठा है।

15 नवंबर को पुलिस को दी शिकायत

काफी तलाश के बाद पिता नवीन कुमार ने 15 नवंबर 2026 को थाना नई मंडी पहुंचकर पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने दोनों बेटियों की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश कराने की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली है। दोनों किशोरियों की तलाश में जुटी पुलिस

नई मंडी थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस उनके लापता होने के कारणों और घटनाक्रम से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों को दोनों की सकुशल बरामदगी का इंतजार है।

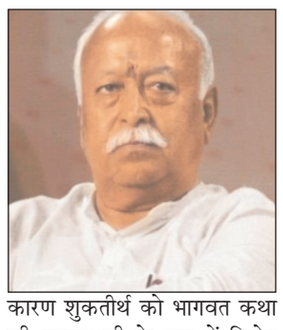
कार्तिक गंगा स्नान पर शुकतीर्थ में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़, 22 नवंबर को संघ प्रमुख मोहन भागवत का होगा आगमन

शुकदेव आश्रम में साधु-संतों से करेंगे मुलाकात, अक्षय वटवृक्ष की परिक्रमा कर शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव महाराज के समाधि स्थल पर करेंगे नमन

मुजफ्फरनगर। कार्तिक गंगा स्नान के पावन अवसर पर जनपद की प्रसिद्ध तीर्थनगरी शुकतीर्थ एक बार फिर धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनने जा रही है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान के लिए जहां हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का 22 नवंबर को प्रस्तावित शुकतीर्थ दौरा इस आयोजन को और भी विशेष बनाने जा रहा है। संघ प्रमुख के आगमन को लेकर तीर्थनगरी में तैयारियां शुरू हो गई हैं। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर संत समाज, स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों में उत्सुकता बनी हुई है। जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बताया कि संघ प्रमुख मोहन भागवत शुकतीर्थ स्थित प्रसिद्ध शुकदेव आश्रम पहुंचेंगे। यहां वह साधु-संतों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस दौरान धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर संतों के साथ चर्चा भी प्रस्तावित है। शुकदेव आश्रम का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व देखते हुए उनके इस प्रवास को विशेष माना जा रहा है। आश्रम में उनके स्वागत और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी रूपरेखा बनाई जा रही है।

अक्षय वटवृक्ष की परिक्रमा कर करेंगे नमन

शुकतीर्थ स्थित प्राचीन अक्षय वटवृक्ष भी उनके कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा रहेगा। मान्यता है कि इसी पवित्र वटवृक्ष के नीचे शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया था। इसी



कारण शुकतीर्थ को भागवत कथा की उद्गमस्थली के रूप में विशेष धार्मिक पहचान प्राप्त है। संघ प्रमुख यहां पहुंचकर अक्षय वटवृक्ष की परिक्रमा करेंगे। उनके इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्सुकता बनी हुई है। अपने शुकतीर्थ प्रवास के दौरान मोहन भागवत शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव महाराज के समाधि स्थल पर भी पहुंचेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। स्वामी कल्याण देव महाराज ने शुकतीर्थ को धार्मिक, शैक्षणिक और सामाजिक दृष्टि से नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके प्रयासों से तीर्थनगरी में अनेक शैक्षणिक और धार्मिक संस्थाओं का विकास हुआ। ऐसे में संघ प्रमुख का समाधि स्थल पर पहुंचना भी उनके प्रस्तावित दौरे का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। कार्तिक गंगा स्नान के अवसर पर शुकतीर्थ में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। गंगा घाटों पर स्नान, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहता है। इस बार संघ प्रमुख के आगमन के कारण आयोजन को लेकर विशेष उत्सुकता है। जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने बताया कि कार्तिक गंगा स्नान के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत का शुकतीर्थ आगमन प्रस्तावित है। उनके दौरे को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। जानकारी के अनुसार मोहन भागवत 21 नवंबर को उत्तराखंड के दौरे पर रहेंगे। वहां से प्रवास के बाद 22 नवंबर को शुकतीर्थ पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। उनके आगमन और वापसी के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए संबंधित स्तर पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हालांकि उनके कार्यक्रम का विस्तृत समय और अन्य गतिविधियों की जानकारी को लेकर अभी अंतिम रूपरेखा तैयार की जा रही है।

संघ प्रमुख के दौरे और कार्तिक गंगा स्नान के एक साथ होने के कारण पुलिस एवं प्रशासन के सामने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी।

नई मंडी थाना क्षेत्र की कॉलोनी से 15 वर्षीय किशोरी लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

सुबह साढ़े पांच बजे घर से बिना बताए निकली किशोरी, चाचा की तहरीर पर सतेन्द्र उर्फ अभिषेक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस तलाश में जुटी।

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से 15 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी 15 नवंबर 2026 की सुबह करीब साढ़े पांच बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और परिचितों से जानकारी करने के साथ ही संभावित स्थानों पर भी उसकी तलाश की गई। इसी दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि पुरकाजी थाना क्षेत्र के एक युवक ने किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले में किशोरी के चाचा की तहरीर पर नई मंडी थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सुबह घर से अचानक लापता हुई किशोरी

पुलिस को दी गई शिकायत में नई मंडी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनकी 15 वर्षीय भतीजी 15 नवंबर को सुबह करीब 5:30 बजे घर से बिना किसी को बताए चली गई। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिवार के लोगों को चिंता हुई। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

पुरकाजी क्षेत्र के युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

परिजनों ने अपने स्तर से किशोरी की तलाश की और रिश्तेदारों व परिचितों से भी जानकारी जुटाई। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि सतेन्द्र उर्फ अभिषेक पुत्र रविन्द्र निवासी गांव तुगलकपुर, थाना पुरकाजी, मुजफ्फरनगर उनकी भतीजी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस जानकारी के बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

चाचा की तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

किशोरी के चाचा ने थाना नई मंडी पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर पूरे मामले से अवगत कराया। उन्होंने पुलिस से किशोरी की तलाश कराने और आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी सतेन्द्र उर्फ अभिषेक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। किशोरी की बरामदगी के प्रयास में जुटी पुलिस

मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद नई मंडी थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी के संबंध में मिली जानकारी की पड़ताल करने के साथ ही लापता किशोरी की तलाश में जुटी है। उधर, परिवार के लोग किशोरी की सकुशल बरामदगी का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली से गांव लौट रहे मां-बेटे पर नाले के पास लाठी-डंडों से हमला, भाई के सिर और नाक पर आई गंभीर चोटें

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव रोनी हरजीपुर में दिल्ली से अपने गांव लौट रहे मां-बेटे पर रास्ते में नाले के पास हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पहले से घात लगाए बैठे तीन लोगों ने मां-बेटे के साथ गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में युवक के सिर, नाक और पैर में काफी चोटें आईं, जबकि उसकी मां को भी अंदरूनी चोटें लगी हैं। आरोपियों ने मारपीट करने के बाद पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली से गांव लौटते समय नाले के पास हुई घटना

गांव रोनी हरजीपुर निवासी शाहरुख पुत्र खालिद ने चरथावल थाने में दी तहरीर में बताया कि 5 नवंबर 2026 को दोपहर करीब तीन बजे उसका भाई सुकयाब उर्फ बिगाडू और मां इमराना दिल्ली से अपने गांव लौट रहे थे। जब दोनों गांव के पास स्थित नाले पर पहुंचे तो वहां उन्हें गांव के ही सारिक पुत्र शज्जू, राफा पुत्र बुंदू और मांगा पुत्र बारू मिल गए।

गाली-गलौज के बाद लाठी-डंडों से किया हमला

आरोप है कि तीनों लोगों ने नाले के पास ही उसके भाई और मां के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से दोनों पर हमला कर दिया। हमले में भाई सुकयाब उर्फ बिगाडू के सिर, नाक और पैर में काफी चोटें आईं, जबकि मां इमराना को भी शरीर पर अंदरूनी चोटें लगीं। अचानक हुए हमले से दोनों घबरा गए और किसी तरह अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मारपीट करने के बाद तीनों आरोपी उसके भाई, मां और परिवार के अन्य सदस्यों को जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए। पीड़ित ने तहरीर में आरोपियों को दबंग प्रवृत्ति का बताते हुए कहा कि वे आए दिन झगड़ा-फसाद करते रहते हैं। घटना के बाद परिवार में भय का माहौल बना हुआ है।

घटना के संबंध में शाहरुख ने 15 नवंबर 2026 को चरथावल थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सारिक, राफा और मांगा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक की टक्कर से साइकिल सवार 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

शाहपुर कट के पास भगत जी स्वीट्स के सामने हुआ हादसा, पुलिस ने ट्रक को पकड़ा

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के हाइवे पर शाहपुर कट के पास भगत जी स्वीट्स के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार बुजुर्ग को पीछे से टक्कर मार दी।हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए बुजुर्ग की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार,गांव घासीपुरा निवासी करीब 60 वर्षीय रामवीर पुत्र राम सिंह सैनी अपनी साइकिल से खेत पर जा रहे थे। जैसे ही वह शाहपुर कट के पास भगत जी स्वीट्स के सामने पहुंचे, पीछे से आ रहे ट्रक नंबर MH 40 BF 8505 ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रामवीर गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस द्वारा उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था,लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने भागदौड़ कर दुर्घटना में शामिल ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

10 लाख खर्च कर की बेटी की शादी, 16 साल तक दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप, पति ने बिना तलाक किए कर लिया दूसरा निकाह

चार पहिया गाड़ी की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को ससुराल से निकालने का आरोप, संतान न होने पर बांझ कहकर करते थे अपमानित, मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। दहेज में करीब 10 लाख रुपये से अधिक खर्च करने और लाखों रुपये के जेवरात व घरेलू सामान देने के बावजूद विवाहिता को कथित रूप से 16 वर्षों तक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। आरोप है कि ससुराल वाले शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ मारपीट और गाली-गलौज कर उसे बार-बार घर से निकाल दिया जाता था। संतान नहीं होने पर उसे बांझ कहकर अपमानित किया जाता था। इतना ही नहीं, जेठ पर अश्लील हरकतें करने और छेड़छाड़ का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। अब पति द्वारा बिना तलाक दिए दूसरी शादी करने और विरोध करने पर जान से मारकर शव गायब करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर चरथावल थाना पुलिस ने पति समेत सात ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2010 में मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था विवाह

चरथावल थाना क्षेत्र के एक ग्राम निवासी विवाहिता ने चरथावल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका निकाह 4 अप्रैल 2010 को चरथावल क्षेत्र के गांव दधेडू कलां निवासी तमरेज के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। निकाह के दौरान उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत से बढ़कर करीब 10 लाख रुपये से अधिक खर्च किए थे। आरोप है कि परिवार की ओर से घरेलू उपयोग का पूरा सामान, पांच तोले सोने के जेवरात, दस तोले चांदी के जेवरात, फर्नीचर, कपड़े, बर्तन और मोटरसाइकिल खरीदने के लिए नकदी भी दी गई थी। चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर शुरू हुआ उत्पीड़न

विवाहिता का आरोप है कि शादी में दिए गए दान-दहेज से उसका पति और अन्य ससुरालीजन खुश नहीं थे। शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग की जाने लगी। मांग पूरी नहीं होने पर पति तमरेज, सास इशरत, जेठ परवेज, जेठानी शबनम, देवर शहवेज, देवरानी अलीजा और ननद खुशनुमा कथित रूप से उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते थे। विरोध करने पर उसे प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया जाता था। पीड़िता का कहना है कि 16 साल के वैवाहिक जीवन में वह मुश्किल से करीब दस महीने ही अपनी ससुराल में रह सकी है।

जेठ पर अश्लील हरकत और छेड़छाड़ का गंभीर आरोप

शिकायत में विवाहिता ने अपने जेठ पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जब वह ससुराल में रहती थी तो जेठ उसके साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करता था। आरोप है कि वह संतान नहीं होने का हवाला देकर विवाहिता पर अपने साथ संबंध बनाने का दबाव भी बनाता था। इस व्यवहार से वह मानसिक रूप से परेशान रहती थी। वहीं, संतान नहीं होने के कारण अन्य ससुरालीजन भी उसे बांझ जैसे अपमानजनक शब्द कहकर प्रताड़ित करते थे।

सऊदी अरब में रहता है पति, आने की जानकारी भी नहीं देता था

विवाहिता के अनुसार उसका पति सऊदी अरब में रहकर वेल्डिंग का काम करता है और कभी-कभी ही घर आता है। आरोप है कि पति अपने आने-जाने की जानकारी भी उसे नहीं देता था। इस कारण पति के घर आने की जानकारी उसे कई बार काफी समय बाद मिलती थी। शिकायत के मुताबिक 26 अप्रैल 2025 को पति सऊदी अरब से घर आया था, लेकिन विवाहिता को इसकी जानकारी करीब एक सप्ताह बाद मिली। इसके बाद वह अपने भाई के साथ पति के घर पहुंची।

भाई के सामने विवाहिता के साथ मारपीट कर घर से निकाला

पीड़िता का आरोप है कि ससुराल पहुंचने पर उसकी सास, जेठ, जेठानी, देवर, देवरानी और ननद ने उसके तथा उसके भाई के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। इस दौरान उसे बांझ कहकर अपमानित किया गया। आरोप है कि ससुरालियों ने कहा कि वे उसके पति का दूसरा निकाह कराना चाहते हैं, इसलिए वह उसका पीछा छोड़ दे। इसके बाद दोनों भाई-बहन को धक्के देकर घर से बाहर निकाल दिया गया।

बिना तलाक दिए सहारनपुर की युवती से दूसरा निकाह करने का आरोप

विवाहिता ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पति ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उसे वैवाहिक जीवन से अलग करने की साजिश रची। इसी के तहत पति ने उसे तलाक दिए बिना 16 जुलाई 2026 को सहारनपुर जिले के गांव तासीपुर की रहने वाली एक युवती से दूसरा निकाह कर लिया। आरोप है कि इस निकाह की जानकारी विवाहिता को नहीं दी गई और न ही पति के घर आने-जा

कृष्णापुरी में नो एंट्री पोस्टर विवाद पर सियासी घमासान तेज, सपा नेता का चैलेंज स्वीकार कर उसी गली में पहुंचे आसपा और एआईएमआईएम नेता

हाजी इंतजार अंसारी और अमरकांत मलिक समर्थकों के साथ पहुंचे कृष्णापुरी, पोस्टर लगाने वाले युवाओं को दी नसीहत; सपा पर साधा निशाना, 2027 में गठबंधन की सरकार बनने का किया दावा

मुजफ्फरनगर। दक्षिणी कृष्णापुरी में आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम के नेताओं व समर्थकों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी पोस्टर लगाए जाने का विवाद अब मोहल्ले की सीमाओं से निकलकर जिले की राजनीति का बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। पोस्टर के जरिए शुरू हुई सियासी चुनौती का जवाब देने के लिए सोमवार को एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी के नेता खुद उसी गली में पहुंच गए, जहां विवादित पोस्टर लगाए गए थे। वेस्ट यूपी एआईएमआईएम के महासचिव हाजी इंतजार अंसारी और आजाद समाज पार्टी के वार्ड-12 से जिला पंचायत सदस्य अमरकांत मलिक उर्फ चीकू अपने समर्थकों के साथ कृष्णापुरी पहुंचे। दोनों नेताओं की मौजूदगी ने इस विवाद को नया राजनीतिक मोड़ दे दिया। कृष्णापुरी पहुंचकर हाजी इंतजार अंसारी और अमरकांत मलिक ने पोस्टर लगाने वाले युवाओं को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर मोहब्बत और भाईचारे का शहर है। यहां किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के कहने पर आपसी सौहार्द खराब नहीं होने दिया जाएगा। नेताओं ने कहा कि किसी संगठन या राजनीतिक विचारधारा से असहमति हो सकती है, लेकिन किसी को मोहल्ले में आने से रोकने जैसे कदम उठाना उचित नहीं है। हाजी इंतजार अंसारी ने कहा कि पोस्टर लगाने के मामले में मुकदमा दर्ज हो चुका है। युवाओं को ऐसे विवादों में उलझने के बजाय अपनी पढ़ाई, भविष्य और



रोजगार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं के बहकावे में आकर ऐसे कदम उठाने से युवाओं का ही नुकसान होगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब कानूनी कार्रवाई होगी तो कोई राजनीतिक नेता उन्हें बचाने नहीं आएगा, यहां तक कि अखिलेश यादव भी नहीं। हाजी इंतजार अंसारी ने पोस्टर विवाद को केवल स्थानीय मामला मानने के बजाय प्रदेश की राजनीति से जोड़ते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने वर्ष 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए सपा नेताओं के रवैये पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि सपा और भाजपा दोनों ही राजनीतिक लाभ के लिए ध्रुवीकरण की राजनीति करती हैं।

उन्होंने दोनों दलों को एक ही सिक्के के दो पहलू करार दिया।

एआईएमआईएम नेता ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताए जाने के बाद सपा नेताओं में बेचैनी दिखाई दे रही है। उन्होंने दावा किया कि मुस्लिम मतदाता अब सपा से दूर हो रहे हैं और यादव मतदाताओं का रुझान भी बदल रहा है। अंसारी ने कहा कि दलित, मुस्लिम और पिछड़े वर्गों को साथ लेकर बनाया जा रहा राजनीतिक गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूत प्रदर्शन करेगा और 300 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगा।

स्कूल जाने की उम्र में 14 वर्षीय किशोरी लापता, बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप; युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मीरापुर के एक गांव से जुड़ा मामला, रामराज निवासी युवक पर किशोरी को घर से ले जाने का आरोप, दो दिन तक तलाश के बाद थाने पहुंची मां ने दर्ज कराया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से परिजनों में चिंता का माहौल है। किशोरी की मां ने गांव रामराज निवासी एक युवक पर उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। बताया गया कि किशोरी सुबह घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी समय तक किशोरी के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारी, परिचितों और संभावित स्थानों पर खोजबीन करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परेशान मां ने पुलिस को तहरीर देकर पुत्री की बरामदगी और आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने नामजद युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में किशोरी की मां ने बताया कि उसकी पुत्री की उम्र करीब 14 वर्ष है और वह मीरापुर स्थित एक स्कूल में कक्षा सात की छात्रा है। आरोप है कि 13 नवंबर 2026 की सुबह करीब साढ़े छह बजे गांव रामराज निवासी वंश पुत्र बिन्दे उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। घटना के बाद से किशोरी का कोई पता नहीं चल पाया है। मां के अनुसार, बेटी के अचानक लापता होने से परिवार के लोग परेशान हैं और लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं।

किशोरी के घर से गायब होने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने अपने स्तर से उसे खोजने के लिए काफी प्रयास किए। आसपास के गांवों और परिचितों के यहां भी जानकारी जुटाई गई, लेकिन कहीं से कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों को आशंका है कि किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। बेटी का कोई सुराग नहीं मिलने से मां की चिंता लगातार बढ़ती गई। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से करने का निर्णय लिया।

15 नवंबर को थाने पहुंची मां, युवक को किया नामजद

काफी तलाश के बाद भी किशोरी का पता नहीं चलने पर उसकी मां 15 नवंबर को मीरापुर थाने पहुंची और पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। मां ने अपनी शिकायत में रामराज निवासी वंश पुत्र बिन्दे को नामजद करते हुए आरोप लगाया कि वह उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर घर से ले गया है। उन्होंने पुलिस से किशोरी को जल्द बरामद करने और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। मां की तहरीर के आधार पर मीरापुर पुलिस ने नामजद युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही किशोरी की तलाश और बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की भी जांच कर रही है।

फर्जी फोटो बनाकर विवाहिता को बदनाम करने, ब्लैकमेलिंग और एक लाख रुपये वसूलने का आरोप, छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्जी आईडी से कर्ज लेने और गोली मारकर हत्या की धमकी देने के मामले में न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। फर्जी तस्वीरें तैयार कर एक विवाहिता को बदनाम करने, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने और एक लाख रुपये वसूलने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि हरिद्वार के एक युवक समेत छह लोगों ने सुनियोजित तरीके से पति-पत्नी के बीच गलतफहमियां पैदा कर उनका वैवाहिक जीवन बर्बाद करने का प्रयास किया। विवाहिता के चरित्र को लेकर उसके पति को फोन पर झूठी और भ्रामक जानकारियां दी गईं। इतना ही नहीं, उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड और शिक्षा से संबंधित मूल दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर वापस करने के नाम पर एक लाख रुपये वसूलने का भी आरोप है। फर्जी पहचान बनाकर उसके नाम पर कर्ज लेने और विरोध करने पर पति-पत्नी को गोली मारकर हत्या करने की धमकी देने का मामला भी शिकायत में सामने आया है। पुलिस अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर मामला न्यायालय पहुंचा। अब न्यायालय के आदेश पर नई मंडी थाना पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। दयानंद कॉलोनी, अलमासपुर निवासी शिकायतकर्ता ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी ननद की शादी 15 फरवरी 2026 को अर्जुन कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी खुशीपूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे थे। आरोप है कि इसी बीच कुछ लोगों ने उनके परिवार में विवाद पैदा करने की साजिश शुरू कर दी। आठ मई 2026 को दोपहर करीब ढाई बजे अर्जुन कुमार के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम करण कश्यप बताया और विवाहिता के संबंध में झूठी कहानी बताते हुए उसके पति के मन में गलतफहमियां पैदा करने का प्रयास किया। शिकायत के अनुसार, करण कश्यप के फोन के बाद एक अन्य मोबाइल नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने अपना नाम रवि चौहान निवासी सीतापुर, ओजस अस्पताल के निकट, थाना ज्वालापुर, जिला हरिद्वार (उत्तराखंड) बताया। आरोप है कि रवि चौहान ने भी विवाहिता के चरित्र को लेकर उसके पति को उल्टी-सीधी बातें बताईं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दोनों आरोपियों ने मिलकर पति-पत्नी के बीच अविश्वास और गलतफहमी पैदा करने की कोशिश की, जिससे उनका वैवाहिक जीवन प्रभावित होने लगा।

फर्जी तस्वीरें तैयार कर बदनाम करने और वायरल करने की धमकी

प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने विवाहिता के चरित्र को लेकर आपत्तिजनक बातें फैलाकर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। उसकी फर्जी तस्वीरें तैयार की गईं और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि तस्वीरों को सार्वजनिक करने का भय दिखाकर लगातार दबाव बनाया जाता रहा। इस घटनाक्रम के कारण विवाहिता और उसके परिवार को सामाजिक बदनामी और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

आधार कार्ड, पैन कार्ड और मूल शैक्षिक दस्तावेज कब्जे में लेने का आरोप

शिकायत में रवि चौहान पर विवाहिता के आधार कार्ड और पैन कार्ड सहित अन्य मूल दस्तावेज अपने कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि शिक्षा से संबंधित दस्तावेज वापस करने के बदले उससे एक लाख रुपये की मांग की गई और यह रकम वसूल भी की गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपियों ने दस्तावेजों में हेराफेरी भी की। इसके अलावा विवाहिता के मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर फर्जी पहचान तैयार करने और उसके नाम पर कर्ज लेने का आरोप भी लगाया गया है। इस कथित कर्ज की रकम विवाहिता को स्वयं चुकानी पड़ी।

गाली-गलौज कर पति-पत्नी को गोली मारने की धमकी

प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि रवि चौहान ने विवाहिता को फोन कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की। उसने कथित रूप से खुद को सोने का थोक कारोबारी और नशे का व्यापारी बताया। शिकायत के मुताबिक, उसने कई बार जेल जाने और बदमाशों तथा पुलिस के बीच उठने-बैठने की बात कहकर डराने का प्रयास किया। आरोप है कि उसने धमकी दी कि वह विवाहिता और उसके पति को गोली मारकर उनकी लाश तक गायब कर देगा।

खतौली में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकली प्रभात फेरी: पुष्प वर्षा से हुआ भव्य स्वागत, शब्द कीर्तन और अरदास के बाद बंटा प्रसाद

सिख समाज द्वारा 17 से 21 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी पांच प्रभात फेरियां

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समाज खतौली द्वारा पांच दिवसीय प्रभात फेरी का भव्य आयोजन प्रारंभ हो गया है। 17 से 21 नवंबर तक निकाली जाने वाली पांच प्रभात फेरियों की श्रृंखला में मंगलवार को प्रथम प्रभात फेरी अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। प्रातः काल से ही वाहेगुरु के जयकारों और गुरुवाणी के मधुर स्वर से समूचा नगर भक्तिमय हो उठा। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला-पुरुष और युवा श्रद्धालुओं ने शामिल होकर गुरु नानक देव जी के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। प्रथम प्रभात फेरी का विधिवत शुभारंभ जानसठ रोड स्थित श्री गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से हुआ। यहाँ से रवाना होकर प्रभात फेरी जानसठ रोड, पोस्ट ऑफिस वाली गली, शुगर मिल कैंपस तथा जानसठ रोड ओवरब्रिज से होते हुए जीटी रोड स्थित बिद्दीबाड़ा बाजार



के श्री माता राम मूर्ति गुरुद्वारा पहुँची। गुरुद्वारा परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से शब्द कीर्तन का पाठ किया गया तथा गुरु महाराज के चरणों में विश्व शांति और सर्वसमाज की खुशहाली के लिए अरदास की गई। इसके पश्चात संगत को प्रसाद का वितरण किया गया। इस सेवा का आयोजन श्री माता राम मूर्ति गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार तेजिंदर सिंह के परिवार की ओर से किया गया। इसके उपरांत प्रभात फेरी जीटी रोड होते हुए जैन मंडी स्थित मंडी समिति खतौली के अध्यक्ष प्रदीप जैन के आवास पर पहुँची।

यहाँ प्रदीप जैन के परिवार एवं स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा प्रभात फेरी पर पुष्प वर्षा कर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

इस दौरान संगत के लिए जलपान एवं प्रसाद की भी उत्तम व्यवस्था की गई।

दूसरी ओर, नगर पालिका परिषद के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू के विशेष आदेश पर प्रभात फेरी के संपूर्ण मार्ग में सफाई व्यवस्था पूरी तरह सुचारू और चाक-चौबंद रही, जिसकी श्रद्धालुओं ने सराहना की।

चेक बाउंस और यातायात चालानों के लंबित मामलों के निस्तारण को मुजफ्फरनगर में लगेंगी दो विशेष लोक अदालतें

21 नवंबर को एनआई एक्ट की धारा 138 के मामलों का होगा निस्तारण, 28 नवंबर को मोटर वाहन अधिनियम के चालानों की सुनवाई; तैयारियों को लेकर न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित

मुजफ्फरनगर। न्यायालयों में लंबे समय से लंबित मुकदमों का आपसी सहमति और त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से निस्तारण कराने के उद्देश्य से जनपद मुजफ्फरनगर में नवंबर माह में दो विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। इनमें एक विशेष लोक अदालत 21 नवंबर को चेक बाउंस से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए तथा दूसरी 28 नवंबर को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत लंबित चालानों के निस्तारण के लिए आयोजित होगी। इन विशेष लोक अदालतों के माध्यम से संबंधित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ से प्राप्त निदेशों के अनुपालन में इन लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जारी पत्रों के अनुसार 21 नवंबर को परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), 1881 की धारा 138 के अंतर्गत दर्ज वादों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत



आयोजित होगी। वहीं 28 नवंबर को मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानों से संबंधित लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत लगाई जाएगी। विशेष लोक अदालतों के सफल आयोजन और अधिक से अधिक लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर 17 नवंबर को जिला न्यायालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निदेशानुसार आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी मनोज कुमार सिद्ध ने की। बैठक में दोनों विशेष लोक अदालतों के आयोजन से जुड़ी तैयारियों पर चर्चा की गई। संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं और समन्वय पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निदेशों के अनुरूप प्रभावी तैयारी करने तथा संबंधित मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में डॉ. देवेंद्र सिंह फौजदार, डॉ. सत्येंद्र कुमार चौधरी, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सहित सोनम गुप्ता, जसीम खान, सिद्धार्थ बरगोटी, ऑशिका चौधरी, मोनी वर्मा, शैफाली यादव सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। 21 नवंबर को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में एनआई एक्ट की धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस से जुड़े लंबित वादों का निस्तारण किया जाएगा। वहीं 28 नवंबर को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत लंबित यातायात चालानों से संबंधित मामलों को निस्तारण के लिए रखा जाएगा। इन दोनों श्रेणियों के मामलों के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं, ताकि संबंधित वादों और चालानों का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जा सके।

विशेष लोक अदालतों का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर वादकारियों को अनावश्यक भागदौड़ और लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाना है।

कम दहेज लाने पर विवाहिता का उत्पीड़न, मारपीट कर घर से निकाला; मायके पहुंचकर भी नहीं मिली राहत, पति समेत सात ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज

शादी के बाद से दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप, 12 अप्रैल को जबरन घर से निकालकर गांव के बाहर छोड़ने का दावा, 13 मई को मायके पहुंचकर चाबियां मांगने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। एक गांव निवासी एक विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों पर कम दहेज लाने को लेकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। विवाहिता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने दहेज को लेकर उसे परेशान करना शुरू कर दिया था। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। इतना ही नहीं, आरोप है कि 12 अप्रैल 2026 को उसे जबरन घर से निकालकर गांव के बाहर छोड़ दिया गया। इसके बाद जब वह मायके पहुंची तो 13 मई को ससुराल पक्ष के लोग वहां भी पहुंच गए और जबरन वापस ले जाने का दबाव बनाते हुए मारपीट की। विवाहिता की शिकायत पर मंसूरपुर पुलिस ने पति सहित सात ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार विवाहिता का विवाह एक नवंबर 2025 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव सांझक निवासी विपिन कुमार के साथ हुआ था। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज, जेवरात, नकदी और स्कूटी दी थी। आरोप है कि शादी के समय ससुराल पक्ष के लोग दिए गए दहेज से संतुष्ट दिखाई दिए, लेकिन कुछ समय बाद ही उनका व्यवहार बदल गया। विवाहिता के अनुसार उसका पति विपिन कुमार, सास शिमला, जेठ सचिन, जेठानी प्रियंका, देवर सोनू, देवर निक्की और देवरानी ज्योति कम दहेज लाने का ताना देकर उसे प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि जब वह इसका विरोध करती तो उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। लगातार हो रहे उत्पीड़न से परेशान होकर उसने अपने माता-पिता को भी पूरी बात बताई। विवाहिता ने तहरीर में आरोप लगाया कि जब उसके माता-पिता को ससुराल में हो रहे उत्पीड़न की जानकारी हुई तो उन्होंने ससुराल पक्ष के लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन आरोपियों ने अपनी गलती सुधारने के बजाय उनके साथ भी अभद्रता और मारपीट शुरू कर दी। इससे विवाद और बढ़ गया। विवाहिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज को लेकर लगातार दबाव बना रहे थे और विरोध करने पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। पीड़िता के अनुसार 12 अप्रैल 2026 को दान-दहेज को लेकर ससुराल में फिर विवाद हुआ। आरोप है कि इस दौरान ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की। जब उसने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी तो उसके देवर सोनू ने कथित रूप से उसे जबरन घर से निकाल दिया और गांव के बाहर छोड़ आया। इसके बाद विवाहिता ने अपने माता-पिता को मौके पर बुलाया। माता-पिता उसे अपने साथ गांव जौहरा स्थित घर ले आए। मायके पहुंचने के बाद विवाहिता ने अपने परिवार को ससुराल में हुई पूरी घटना की जानकारी दी।

मायके पहुंचकर भी नहीं थमा विवाद, चाबियां मांगने और मारपीट का आरोप

विवाहिता ने तहरीर में बताया कि 13 मई 2026 को उसके ससुराल पक्ष के सभी लोग उसके मायके पहुंच गए। आरोप है कि वहां पहुंचकर उन्होंने उसे जबरन अपने साथ वापस चलने के लिए कहा। इसी दौरान ससुरालियों ने उससे अलमारी, संदूक और स्कूटी की चाबियां मांगीं।

विवाहिता ने चाबियां देने से इनकार किया तो आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा सुनकर आसपास के संभ्रांत लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। आरोप है कि जाते समय ससुराल पक्ष के लोग विवाहिता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर चले गए। लगातार उत्पीड़न और मारपीट से परेशान विवाहिता ने मंसूरपुर थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी और पति विपिन कुमार, सास शिमला, जेठ सचिन, जेठानी प्रियंका, देवर सोनू, देवर निक्की और देवरानी ज्योति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मुजफ्फरनगर में डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा:सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग सुधारने के सख्त निर्देश, उद्यमियों की समस्याएं प्राथमिकता से निपटाने पर जोर

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने आंकड़ों की फीडिंग में पारदर्शिता रखने की हिदायत

मुजफ्फरनगर। जनपद में चल रहे विकास कार्यों की रफ्तार तेज करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों के पेंच कसे। विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (सीएम डैशबोर्ड) की रैंकिंग और उद्योग (इंडस्ट्रीज) विभाग से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की बिंदुवार गहन समीक्षा की।

रैंकिंग सुधारने और पारदर्शिता रखने के सख्त निर्देश

बैठक के दौरान जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने विभागवार योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने और निरंतर सुधार लाने के लिए सभी विभाग अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। डीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन में



किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने पोर्टल पर आंकड़ों की फीडिंग में पूरी सटीकता और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता से हो समाधान

समीक्षा बैठक का दूसरा प्रमुख केंद्र उद्योग विभाग रहा। जनपद में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि नए उद्योगों की स्थापना और उनके सुचारू संचालन में आने वाली प्रशासनिक या अन्य बाधाओं को तत्काल दूर किया जाए। डीएम ने जोर देकर कहा कि जनपद में निवेश का अनुकूल माहौल तैयार होने से ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और जिले के आर्थिक विकास को नई गति मिल सकेगी।

ये अधिकारी रहे मौजूद

प्रशासनिक स्तर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित पटल सहायक प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर में कलाल महासभा ने मनाया अर्जुनदेव का प्राकट्य उत्सवः समाज की खुशहाली व प्रगति की की कामना, सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती पर बल



मुजफ्फरनगर। कलाल महासभा रजिस्टर्ड जनपद मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में समाज के आराध्य एवं इष्ट देव भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुनदेव जी का प्राकट्य उत्सव मंगलवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम के साथ मनाया गया। रुड़की रोड स्थित कलाल महासभा के जनपद कार्यालय पर आयोजित इस भव्य धार्मिक एवं सामाजिक समारोह में समाज के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं आमंत्रित अतिथियों ने सहभागिता करते हुए भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुनदेव के चरणों में शीश नवाया और समस्त समाज की खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं निरंतर तरक्की की कामना की।

विशिष्ट अतिथियों ने बढ़ाई समारोह की गरिमा

प्राकट्य उत्सव के इस पावन अवसर पर कलाल महासभा के मंडल अध्यक्ष सुखचैन वालिया, प्रमुख व्यापार नेता कृष्ण गोपाल मित्तल तथा शलभ गुप्ता (एडवोकेट) विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का महासभा के पदाधिकारियों द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था एवं संयोजन कलाल महासभा रजि० जनपद मुजफ्फरनगर के जिलाध्यक्ष प्रमोद कर्णवाल द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।

सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती का दिया संदेश

समारोह के दौरान समूचे परिसर में श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत माहौल देखने को मिला। उपस्थित जनों ने भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुनदेव के आदर्शों और शौर्य का स्मरण करते हुए समाज की एकजुटता पर बल दिया। इस मंच के माध्यम से समाज के लोगों ने आपसी भाईचारे को प्रगाढ़ करने, कुरीतियों को दूर करने और संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस सफल आयोजन को संपन्न कराने में रोहताश कर्णवाल, नानक चंद वालिया, राजेश कर्णवाल, विकास कर्णवाल, सोनू कर्णवाल, केतन कर्णवाल, रमन कपिल और शैलेन्द्र कर्णवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोगों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। अंत में सभी ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को प्राकट्य उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

मुजफ्फरनगर में राज्य मंत्री ने किया 3 डिजिटल इंटरएक्टिव पैनल का लोकार्पण:बच्चों को दी एकाग्रता व संस्कारों की सीख, विधायक निधि से स्मार्ट हुई शिक्षा

लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल को राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अपनी विधायक निधि से दी आधुनिक सौगात

मुजफ्फरनगर। जनपद में स्कूली शिक्षा के आधुनिकीकरण और छात्रों को तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के राज्य मंत्री एवं नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल ने मंगलवार को लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तीन डिजिटल इंटरएक्टिव पैनल का विधिवत लोकार्पण किया। ये आधुनिक पैनल राज्य मंत्री द्वारा अपनी विधायक निधि से विद्यालय को उपलब्ध कराए गए हैं। इस सौगात से अब विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होंगे विद्यार्थीः कपिल देव

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का समावेश अत्यंत आवश्यक हो गया है। डिजिटल इंटरएक्टिव पैनल के माध्यम से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को भी समझने में अत्यधिक आसानी होगी। चित्रों, वीडियो, एनिमेशन एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से कक्षा की पढ़ाई को और अधिक रोचक, सरल और प्रभावशाली बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ये आधुनिक उपकरण विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ शिक्षकों के अध्यापन कार्य को भी अधिक प्रभावी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।



संयमित एवं संस्कारवान बनें विद्यार्थी

राज्य मंत्री ने विद्यालय द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान संस्कारवान एवं उत्कृष्ट शिक्षा के क्षेत्र में समाज में एक विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे संयमित एवं संस्कारवान बनें तथा पूर्ण एकाग्रता के साथ परिश्रम करते हुए अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयासरत रहें।

कक्षा शिक्षण बनेगा अधिक संवादात्मकःप्रधानाचार्य

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधायक निधि से प्राप्त ये डिजिटल इंटरएक्टिव पैनल विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। इनके माध्यम से कक्षा शिक्षण को अधिक संवादात्मक, गतिविधि आधारित एवं रुचिकर बनाया जा सकेगा।

प्रधानाचार्य ने विश्वास दिलाया कि विद्यालय प्रबंधन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

इन गणमान्य जनों की रही उपस्थिति

समारोह का कुशल संचालन महेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सह-प्रबंधक ज्ञानचंद सिंघल, कोषाध्यक्ष सीए अजय कुमार जैन, प



दुनिया के सबसे रंगबिरंगे और खूबसूरत पक्षियों में से एक

पैराडाइज टेनेजर

पैराडाइज टैनेजर को दुनिया के सबसे रंगबिरंगे और खूबसूरत पक्षियों में से एक माना जाता है। यह मध्यम आकार का एक छोटा गीत पक्षी है, जिसकी लंबाई लगभग 13.5 से 15 सेंटीमीटर (5.3 से 6 इंच) होती है। यह मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के ऐमेज़ॉन वर्षावन और आसपास के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाया जाता है। यह ब्राजील, पेरू, कोलंबिया, इक्वेडोर, बोलिविया, वेनेजुएला और गुयाना के जंगलों में मिलता है। यह मुख्य रूप से फलों, जामुन और कीड़ों को खाता है। ये आमतौर पर 5 से 20 पक्षियों के झुंड में ऊंचे पेड़ों की छतरी के ऊपरी स्तर पर घूमते हैं। वैसे तो पक्षी सुंदर और रंग-बिरंगे होते ही हैं परंतु इस पैराडाइज टेनेजर की तो बात ही निराली है। यह दक्षिण अमेरिका के नम उष्ण कटिबंधीय और उप उष्ण कटिबंधीय जंगलों के अलावा पश्चिमी और उत्तरी अमेजन खाड़ी में पाया जाता है। इसके अलावा यह वेनेजुएला, पेरू, इक्वाडोर, बोलिविया तथा ब्राजील में भी नजर आता है। स्थानीय निवासी इन्हें येरी मेरी कहकर बुलाते हैं जो इनकी आवाज से निकला हुआ शब्द है। इसके सिर के दोनों तरफ से हिस्से मखमली चमकीले हरे पीले, गला जामुनी गीला और पेट हल्का नीला होता है। पिछला हिस्सा चटक लाल और बीच का एकदम काला होता है। चोंच और आंखें काली तथा पैर भूरे होते हैं। संग रूप के आधार पर नर-मादा में कोई लिंग भेद नहीं किया जा सकता। शरीर का आकार 12 सेमी और वजन 17 ग्राम तक होता है।

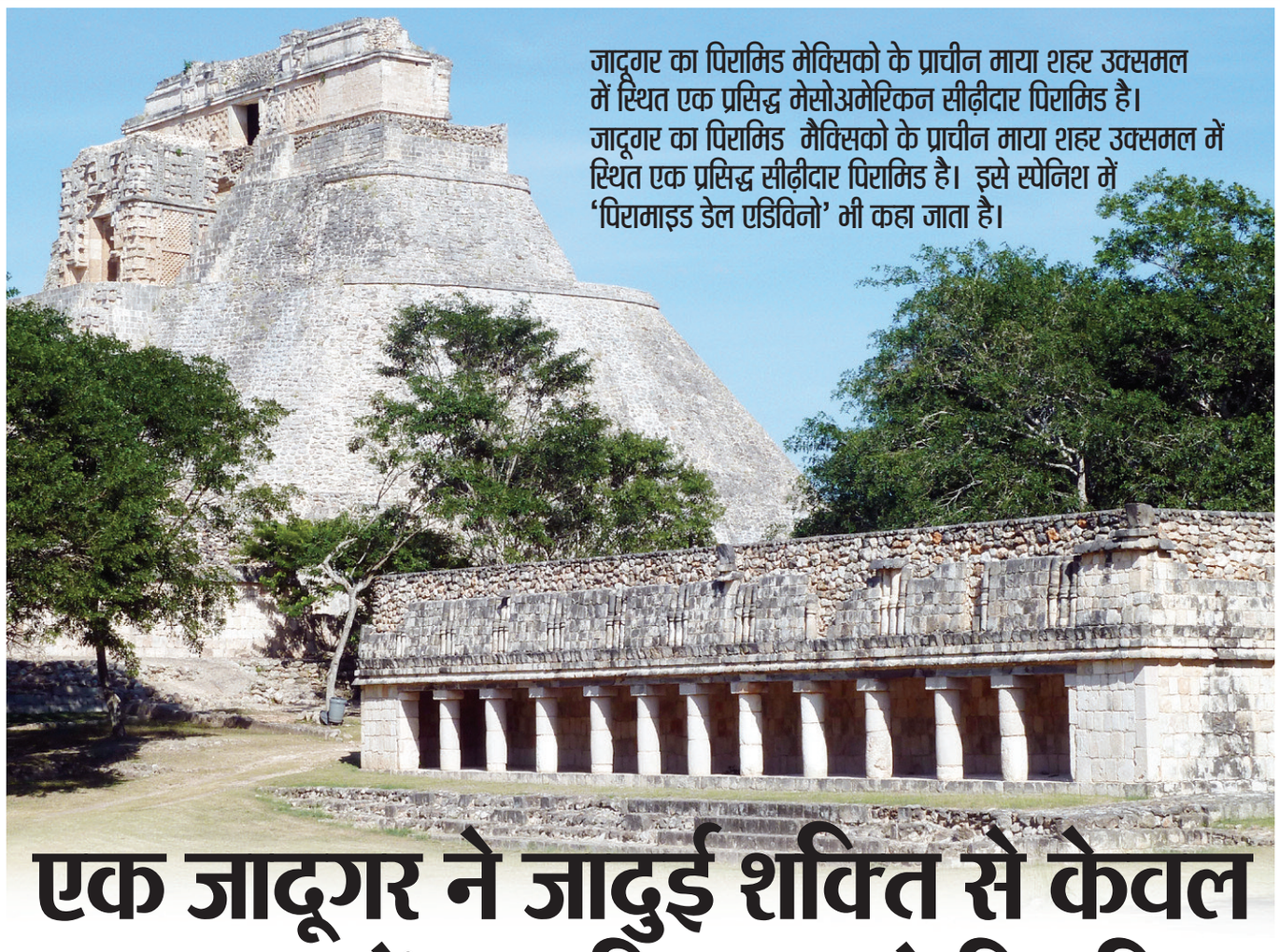
कीट से ज्यादा पसंद करते हैं फल

बोलीविया में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि इसके भोजन में 85% तक फल और 15% कीट होते हैं। यह अपना अधिकांश समय पेड़ों के ऊपरी हिस्सों पर ही बिताते हैं वहीं इन्हें तरह-तरह के फल और टहनियों के नीचे चिपके कीट खाने को मिल जाते हैं।

16 दिन में उड़ जाते हैं चूजे

वनस्पतियों की मदद से पेड़ों की शम्बाओं पर ही एक कप के आकार का मोंसला बनाया जाता है। झरनों के बने इन घोसलों में मादा एक बार में दो सफेद अंडे देती है। अंडों का ऊष्मायन काल 16 दिन का होता है। चूजे 16 दिन के भीतर परिपक्व होकर उड़ जाते हैं। 12 से 17 साल तक जीते हैं।
वर्तमान में आवास नष्ट होने के कारण इनकी संख्या तेजी से घट रही है।





जादूगर का पिरामिड मेक्सिको के प्राचीन माया शहर उक्समल में स्थित एक प्रसिद्ध मेसोअमेरिकन सीढ़ीदार पिरामिड है। जादूगर का पिरामिड मैक्सिको के प्राचीन माया शहर उक्समल में स्थित एक प्रसिद्ध सीढ़ीदार पिरामिड है। इसे स्पेनिश में 'पिरामाइड डेल एडिविनो' भी कहा जाता है।

एक जादूगर ने जादुई शक्ति से केवल एक रात में बना दिया था ये पिरामिड

युकाटन प्रायद्वीप के मध्य में स्थित प्राचीन शहर उक्समल में, हमें जादूगर का पिरामिड मिलता है, जो अपने समकक्षों से कहीं अधिक विशाल और प्राचीन संरचना है। यह अद्भुत पिरामिड प्राचीन माया सभ्यता की प्रतिभा, कलात्मकता और आध्यात्मिक मान्यताओं का प्रमाण है। अपनी अनूठी आकृति से लेकर खगोलीय घटनाओं के साथ इसके संरेखण तक, पिरामिड से जुड़ी हर छोटी-छोटी जानकारी इस प्रतिष्ठित संरचना से जुड़ी जटिलताओं और किंवदंतियों की एक झलक पेश करती है। यहां पिरामिड ऑफ द मैजिशियन के बारे में पांच तथ्य दिए गए हैं जो आपकी यात्रा को आसान बनाएंगे और आपके दोस्तों को प्रभावित करने में आपकी मदद करेंगे।

अद्वितीय वास्तुकला

जादूगर का पिरामिड अपनी अनूठी आकृति के कारण अन्य मेसोअमेरिकी पिरामिडों से अलग है। इस क्षेत्र में आम तौर पर पाए जाने वाले आयताकार या वर्गाकार पिरामिडों के विपरीत, इस विशेष संरचना की आकृति गोलाकार है जो एक अंडाकार आकार बनाती है। इसके गोल किनारे इसे बाकी सबसे अलग बनाते हैं, जिससे इसे एक विशिष्ट रूप मिलता है जो इसकी उत्पत्ति और इसके निर्माण के पीछे की सोच के बारे में सवाल खड़े करता है।

रोचक स्थानीय लोककथाएँ

पीढ़ियों से चली आ रही प्राचीन कहानियाँ जादूगर के पिरामिड की किंवदंतियों का बखान करती हैं । हालाँकि इस कहानी के कई अलग-अलग संस्करण हैं, लेकिन सबसे प्रसिद्ध संस्करण 1840 में एक स्थानीय माया आदिवासी द्वारा जॉन लॉयड स्टीफेंस को सुनाया गया था। यह कहानी बताती है कि कैसे पिरामिड उस जगह पर खड़ा है जहाँ कभी एक झोपड़ी हुआ करती थी, जिसकी मालकिन और नि:संतान एक बूढ़ी औरत थी, जिसे डायन कहा जाता था। एक दिन, वह अपने नि:संतान घर के लिए शोक मनाने लगी, इसलिए उसने जादू का इस्तेमाल करके एक बच्चा पैदा करने का फैसला किया। कहा जाता है कि बौने कद का यह बच्चा अंडे और जादू से पैदा हुआ था। इस पौराणिक आकृति, जिसे इट्ज़म्ना के नाम से जाना जाता है, के पास जादुई शक्तियां थीं जिनकी बदौलत उसने असाधारण गति से पिरामिड का निर्माण किया, इसीलिए इसे 'जादूगर का पिरामिड' या स्पेनिश में 'एल अदिविनो' कहा जाता है।

खगोलीय संरेखण

उक्समल स्थित जादूगर का पिरामिड, कई प्राचीन मेसोअमेरिकी संरचनाओं की तरह, खगोलीय संरेखणों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया माना जाता है। वर्ष में दो बार, शीर्ष पर स्थित मंदिर का द्वार डूबते सूरज के साथ संरेखित होता है । ये तिथियां, 12 अप्रैल और 31 अगस्त, माया खगोलीय कैलेंडर में सूर्य के चरम बिंदु को ट्रैक करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उल्लेखनीय आकार और पैमाना

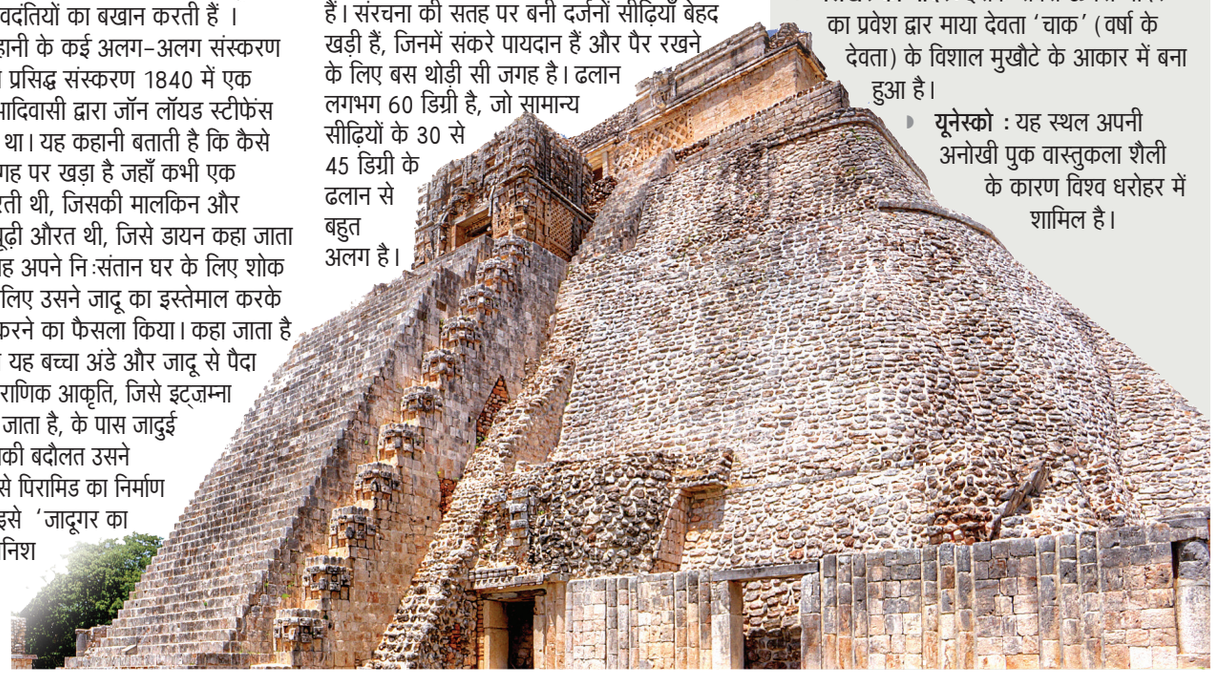
जादूगर का पिरामिड एक विशाल संरचना है, जो अपने विशाल आकार और भव्यता से आसपास की वास्तुकला पर हावी है। इसका आधार लगभग 227 फीट चौड़ा और 162 फीट लंबा है और इसकी ऊंचाई 90 फीट से अधिक है। इसके सबसे ऊंचे हिस्से में एक मंदिर है जिसका द्वार चाक मुखौटे के आकार का है। अपनी विशालता के कारण यह उक्समल की सबसे ऊंची इमारत होने का खिताब रखती है, जो आसपास के अन्य महलों और संरचनाओं से कहीं अधिक ऊंची है। इसका आकार इसके निर्माताओं की प्रतिभा और शिल्प कौशल का प्रमाण है, जिन्होंने एक ऐसी संरचना का निर्माण किया जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है।

बेहद खड़ी सीढ़ियाँ

जादूगर के पिरामिड के शिखर पर स्थित मंदिर तक जाने वाली सीढ़ियाँ कमजोर दिल वालों के लिए नहीं हैं। संरचना की सतह पर बनी दर्जनों सीढ़ियाँ बेहद खड़ी हैं, जिनमें संकरे पायदान हैं और पैर रखने के लिए बस थोड़ी सी जगह है। ढलान लगभग 60 डिग्री है, जो सामान्य सीढ़ियों के 30 से 45 डिग्री के ढलान से बहुत अलग है।

मुख्य विशेषताएं और तथ्य

- **स्थान:** यह युकाटन प्रायद्वीप में स्थित उक्समल के पुरातात्विक परिसर में है।
- **वास्तुकला:** यह मेसोअमेरिकन शैली का एक अनोखा अण्डाकार/गोलाकार आधार वाला सीढ़ीदार पिरामिड है, जो अन्य वर्गाकार पिरामिडों से अलग दिखाई देता है।
- **लोककथा:** स्थानीय किंवदंतियों के अनुसार, इस पिरामिड को एक जादूगर (बौने) ने जादुई शक्ति से केवल एक रात में बना दिया था, इसी वजह से इसका नाम 'जादूगर का पिरामिड' पड़ा है।
- **खगोलीय संरेखण:** इस पिरामिड का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि इसकी पश्चिमी सीढ़ियाँ ग्रीष्मकालीन संक्रांति के दौरान सूर्य के अस्तर के साथ संरेखित होती हैं।
- **ऊंचाई और आकार:** इसकी ऊंचाई लगभग 90 से 115 फीट (करीब 27 से 35 मीटर) है और इसका आधार अंडाकार आकार का है, जो अन्य पारंपरिक वर्गाकार पिरामिडों से इसे अलग बनाता है।
- **निर्माण का समय:** इसका निर्माण छठी से दसवीं शताब्दी ईस्वी के बीच (6वीं से 10वीं शताब्दी के दौरान) कई अलग-अलग चरणों में हुआ था।
- **शिखर का मंदिर:** इसके सबसे ऊपरी मंदिर का प्रवेश द्वार माया देवता 'चाक' (वर्षा के देवता) के विशाल मुखौटे के आकार में बना हुआ है।
- **यूनेस्को :** यह स्थल अपनी अनोखी पुक वास्तुकला शैली के कारण विश्व धरोहर में शामिल है।





35 साल तक नहीं आई कोई चिट्ठी अब लगा जमावड़ा

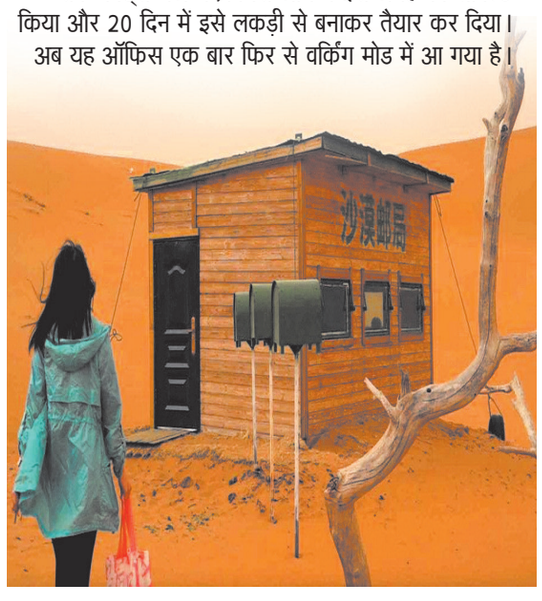
तेंगर रेगिस्तान में स्थित पोस्ट ऑफिस को दुनिया के सबसे अकेले और वीरान स्थानों में बने डाकघरों में से एक माना जाता है।

दुनिया में कुछ ऐसी प्रॉपर्टीज होती हैं, जो इतने वीराने में बनी रहती हैं कि आप ये सोच ही नहीं पाते कि आखिर इसका मकसद क्या डोगा? एक ऐसा ही छोटा सा पोस्ट ऑफिस बना हुआ है चीन के इनर मंगोलिया में। तेंगर रेगिस्तान में बने हुए इस पोस्ट ऑफिस को दुनिया का सबसे अकेला और सुदूर पोस्ट ऑफिस माना जाता है। कुल 15 वर्ग फीट में बने हुए पोस्ट ऑफिस को लकड़ी से बनाया गया है। चूंकि ये रेगिस्तान में बना हुआ है, ऐसे में यहां कभी भी बहुत ज्यादा विजिटर्स नहीं आए। हालांकि इंटरनेट के युग में जब लोगों को इसके बारे में बता चला तो 35 सालों से वीरान पड़े इस पोस्ट ऑफिस को देखने के लिए लोगों का जमावड़ा लगने लगा।

मात्र एक महीने में पहुंची करीबन 20 हजार चिहियां मेन रोड से 10 किलोमीटर अंदर जाकर बने इस पोस्ट ऑफिस के आस-पास कुछ भी नहीं है। हालांकि आपको यह जानकर हैरानी होगी कि यहां से सिर्फ दिसंबर, 2021 में ही कुल 20 हजार चिट्ठी और पोस्टकार्ड भेजे गए थे। ये सब कुछ मिस जांग की वजह से हुआ, जो पोस्ट ऑफिस को पुनर्जीवित करने के लिए अभियान चला रही हैं।

20 दिनों में लकड़ी से किया रीबिल्ट, वर्किंग मोड में लौटा

दुनिया के इस सबसे अकेले पोस्ट ऑफिस को जिंदा रखने के लिए मिस जांग और उनके दोस्त लुओ मेंग ने घोस्ट राइटिंग बिजनेस शुरू किया। जो लोग यहां आ भी नहीं सकते थे. उनके नाम से चित्रियां भेजी जाती थीं। महामारी के दौरान लोगों ने ये रिक्वेस्ट बढ़ाई। पोस्ट ऑफिस से सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया तक कार्ड्स भेजे गए। मिस जांग ने इस जगह को रीबिल्ड किया और 20 दिन में इसे लकड़ी से बनाकर तैयार कर दिया। अब यह ऑफिस एक बार फिर से वर्किंग मोड में आ गया है।





अफ्रीकन ग्रे से लेकर बजरीगर तक इंसानों की तरह बात करते है ये पक्षी

कई पक्षी इंसानो की आवाज को नकल करने में मास्टर होते हैं। यहाँ टॉप 5 स्पीशीज की लिस्ट दी गई है जो अपनी स्किल्स से इम्प्रेस करती हैं। **अफ्रीकन ग्रे पैरट** अपनी इंटेलिजेंट नेचर के लिए जाना जाता है। यह 1000 से अधिक शब्द सीख सकता है और साइंटिस्ट्स ने पाया कि यह कॉन्सेप्ट्स को समझने में भी एक्सपर्ट है। **येलो-नैप्ड अमेजन सेंटेंस** बोलने में स्किल्ड है, साथ ही इमोशन्स को एक्सप्रेस करने में भी माहिर है। **कॉमन हिल माइना** स्मूद टोन में इंसान साउंड्स को कॉपी करता है, जिससे लोग अक्सर कन्फ्यूज हो जाते हैं। **बजरीगर**, जिसे लवबर्ड कहते हैं, छोटा होने के बावजूद 2000 तक शब्दों की वोकैबुलरी बना सकता है। **कॉकटू** ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाया जाता है और टूरिस्ट्स को सरप्राइज करता है, जैसे 'हाय' या 'हाउ आर यू' बोलकर।

इनकी मिमिकिंग एबिलिटी का साइंटिफिक रीजन

इन पक्षियों की नकल करने की काबिलियत उनके यूनिक ब्रेन स्ट्रक्चर से आती है। रिसर्चर्स ने डिस्कवर किया कि उनके पास एक स्पेशल न्यूरल सिस्टम होता है जो साउंड्स को प्रोसेस करता है। अफ्रीकन ग्रे सिचुएशन्स में शब्दों का सही यूज करता है, ना सिर्फ कॉपी। येलो-नैप्ड अमेजन लाफ्टर और टोन को मिक्स करके सिंगिंग स्टाइल क्रिएट करता है। हिल माइना की वॉइस इतनी प्यारी होती है कि लोग सोचते हैं कोई इंसान बोल रहा है। कॉकटू जंगली इलाको में रहते हैं और इंसान की आवाज को सुनकर सीखते हैं। बजरीगर की वोकैबुलरी सोशल इंटरेक्शन पर डिपेंड करती है, जितना ज्यादा इंसानो के साथ रहते हैं, उतना बेहतर बोलते हैं।

ग्लोबल पॉपुलैरिटी और रिसर्च में रोल

दुनियाभर में ये स्पीशीज पेट्स के तौर पर डिमांड में हैं। यूएस में अफ्रीकन ग्रे को इंटेलिजेंट पेट माना जाता है, क्योंकि वे ट्रिक्स सीखते हैं। स्वीडन में येलो-नैप्ड अमेजन सिंगिंग कॉम्पिटिशन्स में पार्टिसिपेट करता है। ऑस्ट्रेलिया में कॉकटू पब्लिक पार्क्स में 'हेलो डार्लिंग' जैसे सेंटेंस बोलकर टूरिस्ट्स को अट्रैक्ट करता है। भारत में हिल माइना को सॉफ्ट वॉइस की वजह से पसंद किया जाता है। बजरीगर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, जिसमें एक ने 2000 शब्द सीखे। ये लैंग्वेज डेवलपमेंट रिसर्च में भी हेल्प करते हैं।



गौतमबुद्ध नगर में 15.27 लाख मतदाताओं की सूची का प्रारूप प्रकाशित, 16 दिसंबर तक दर्ज होंगी आपत्तियां



गौतमबुद्धनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आलेख्य निर्वाचक नामावली के प्रकाशन के उपरांत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाता सूची की बूथवार मुद्रित एवं डिजिटल प्रतियां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी समय-सारिणी के अनुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम के विभिन्न चरणों एवं निर्धारित गतिविधियों की जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 17 नवंबर 2026 को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय (तहसील), पदाभिहित स्थलों एवं मतदान केंद्रों पर आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगी। जनसामान्य अपने संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर मतदाता सूची में अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों का नाम देख सकते हैं। आलेख्य मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में पात्र मतदाता, मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने, अपात्र नामों को अपमार्जित कराने तथा किसी प्रविष्टि में संशोधन के लिए निर्धारित प्रपत्रों में आवेदन कर सकेंगे। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 21 नवंबर (शनिवार), 22 नवंबर (रविवार), 28 नवंबर (शनिवार) एवं 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन तिथियों पर जनपद के संबंधित मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहकर मतदाताओं को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्रदान करेंगे। मतदाता सूची में नया नाम सम्मिलित कराने के लिए फार्म-6, नाम अपमार्जित कराने के लिए फार्म-7 तथा निर्वाचक नामावली में किसी प्रविष्टि में संशोधन, मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन, दिव्यांग मतदाता के रूप में चिन्हांकन अथवा निवास परिवर्तन के लिए फार्म-8 भरकर संबंधित बीएलओ, पदाभिहित अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त आम जनमानस मा0 भारत निर्वाचन आयोग के ईसीआईनेट मोबाइल ऐप एवं वेबसाइट के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन संबंधी जानकारी एवं सहायता के लिए जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेंटर के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 एवं 0120-2978702 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके साथ ही ईसीआईनेट ऐप पर उपलब्ध 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के माध्यम से भी संबंधित बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर के अंतर्गत तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 15,27,428 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें नोएडा-61 विधानसभा क्षेत्र में 5,93,236 मतदाता हैं, जिनमें 3,27,446 पुरुष, 2,65,779 महिला एवं 11 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इसी प्रकार दादरी-62 विधानसभा क्षेत्र में कुल 6,17,352 मतदाता हैं, जिनमें 3,34,483 पुरुष, 2,82,839 महिला एवं 30 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। वहीं जेवर-63 विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,16,840 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1,72,723 पुरुष, 1,44,111 महिला एवं 06 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार जनपद में कुल 8,34,652 पुरुष, 6,92,729 महिला एवं 47 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, महिलाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के साथ ही मृत, स्थानांतरित एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की प्रविष्टियों के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। पुनरीक्षण कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने के लिए आरडब्ल्यूए, एओए, औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों, बार एसोसिएशन, शैक्षणिक संस्थानों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से जागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण, बीएलओ ऐप के नवीन बदलावों, प्राप्त आवेदनों के सत्यापन एवं समयबद्ध निस्तारण तथा निर्वाचन आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा अपने-अपने बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से मतदाता सूची का अवलोकन कर पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराने में सहयोग करने की अपेक्षा की गई। सभी संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के समन्वित प्रयासों से निर्वाचक नामावली को शुद्ध, पारदर्शी, अद्यतन एवं समावेशी बनाने के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

बैठक में भाजपा जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, जिलामंत्री पंकज झा, सपा जिला प्रभारी अनूप तिवारी, बहुजन समाज पार्टी से जिला महासचिव राजकुमार गुर्जर, जिलाध्यक्ष लखमी सिंह, विधानसभा संयोजक मुकेश राठी, आम आदमी पार्टी से जिला अध्यक्ष दिलदार अंसारी, उपाध्यक्ष यतेंद्र शर्मा सहित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर/सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह उपस्थित रहे।

जीबीसी-5 के लिए नोएडा को 20 हजार करोड़ का लक्ष्य

नोएडा। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी)-5 की तैयारियों के बीच नोएडा में निवेश का सिलसिला तेज हो गया है। इस बार नोएडा प्राधिकरण को 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य दिया गया है।

इसके सापेक्ष अब तक 13,224 करोड़ रुपये के निवेश के एमओयू साइन हो चुके हैं। इनमें इंडस्ट्रियल, इंस्टीट्यूशनल और कमर्शियल क्षेत्र के निवेश शामिल हैं। कुल 27 कंपनियों के साथ समझौते की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। प्राधिकरण को उम्मीद है कि अगले दो से तीन दिनों में कुछ बड़ी कंपनियों के साथ और एमओयू किए जाएंगे। इससे निर्धारित निवेश लक्ष्य के करीब पहुंचने में मदद मिलेगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, जीबीसी-5 का आयोजन नवंबर के अंत में प्रस्तावित है। हालांकि, अभी इसकी तारीख तय नहीं हुई है। आयोजन लखनऊ में होगा या नोएडा में, इस पर भी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल प्राधिकरण का पूरा जोर निवेश के लक्ष्य को हासिल करने पर है। इसके लिए लगातार निवेशकों के साथ बैठकें की जा रही हैं। जल्द ही सेमिनार आयोजित कर नोएडा में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी निवेशकों को दी जाएगी।

हैवेल्स से डिक्सन तक, कई बड़ी कंपनियां करेंगी निवेश: जीबीसी-5 के लिए जिन 27 कंपनियों के साथ निवेश संबंधी एमओयू की प्रक्रिया चल रही है, उनमें कई बड़े औद्योगिक और रियल एस्टेट समूह शामिल हैं। इनमें एम3एम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इंजिक्या, थीम काउंटी प्राइवेट लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टीज, हैवेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डिक्सन टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यूफ्लेक्स लिमिटेड, डेसनेक कैपिटल इंडिया लिमिटेड और वेबवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्रमुख हैं। इन कंपनियों के निवेश से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

पिछली जीबीसी में 75 हजार करोड़ से अधिक का निवेश: पिछले वर्ष आयोजित जीबीसी-4 में नोएडा प्राधिकरण को 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला था। इसके सापेक्ष 75,093 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की दिशा में समझौते किए गए थे। उस दौरान कुल 299 कंपनियों के साथ एमओयू साइन हुए थे। अब प्राधिकरण इन निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की दिशा में काम कर रहा है।

साइड देने के विवाद में स्कॉर्पियो और थार सवारों के बीच मारपीट के बाद फायरिंग, तीन को लगी गोली

ग्रेटर नोएडा। जेवर थाना क्षेत्र के बंकापुर गांव के पास नहर की पटरी पर मंगलवार सुबह गाड़ियों को साइड देने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते यह विवाद मारपीट और फायरिंग तक पहुंच गया। दोनों पक्षों की तरफ से गोलियां चलाए जाने के आरोप लगे हैं। इस पूरी घटना में तीन लोग गोली लगने से घायल हो गए हैं, जबकि कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह जेवर थाना क्षेत्र में बंकापुर गांव के पास नहर की पटरी पर दो गाड़ियां आमने-सामने आ गईं। एक पक्ष बंकापुर गांव का रहने वाला था और अपनी स्कॉर्पियो कार में सवार था। वहीं दूसरा पक्ष ग्राम गढ़ी का निवासी था और थार जीप में सवार होकर जा रहा था। नहर की पटरी पर दोनों पक्षों के बीच वाहनों को साइड देने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। गाड़ी को साइड देने की बात पर शुरू हुई बहस देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों के बीच पहले जमकर मारपीट हुई और फिर गोलियां चलने लगीं। इस घटना में तीन लोग सीधे तौर पर गोली लगने से घायल हो गए। इसके अलावा झड़प के दौरान कुछ अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं।

फायरिंग में तीन लोग हुए घायल: पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी सुबोध कुमार ने घटना के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस वारदात में स्कॉर्पियो सवार 28 साल के विशाल और 30 साल के चिंटू को गोली लगी है। वहीं थार जीप में सवार सौरभ भी गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस: पुलिस ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना में दोनों पक्षों की क्या भूमिका रही और किस वजह से फायरिंग हुई, इन सभी कारणों की गहनता से जांच की जा रही है।

बीटा-1 में आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ की बैठक, उठाई कई समस्याएं

नोएडा। बीटा-1 ग्रेटर नोएडा की मूलभूत समस्याओं को लेकर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और सेक्टरवासियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में सेक्टर की सुरक्षा, जर्जर सड़कों, अवैध पीजी, कम पानी के दबाव और अन्य सुविधाओं से जुड़ी कई गंभीर समस्याएं उठाते हुए इनका जल्द समाधान कराने की मांग की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है।

बैठक के दौरान आरडब्ल्यूए की तरफ से सेक्टर की सुरक्षा को लेकर एक प्रमुख मांग रखी गई, जिसमें सेक्टर के चारों तरफ चारदीवारी का निर्माण कराने की बात कही गई। इसके अलावा, सेक्टर के चारों ओर स्थित जर्जर सर्विस रोड और आंतरिक सड़कों की मरम्मत एवं उनके पुनर्निर्माण कराने का कड़ा मुद्दा उठाया गया। आरडब्ल्यूए ने अधिकारियों को अवगत कराया कि सेक्टर में पानी का दबाव काफी कम रहता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अवैध पीजी और अन्य विकास कार्य: आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने सेक्टर के भीतर अवैध रूप से संचालित हो रहे पीजी पर कार्रवाई करने की मांग की। उनका कहना था कि इस तरह के पीजी में आए दिन झगड़े और विवाद होते रहते हैं, और इनमें रहने वाले युवक देर रात दो से तीन बजे तक सड़कों पर घूमते रहते हैं, जिससे सेक्टरवासियों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर बुरा असर पड़ता है। इसके साथ ही, सेक्टर के बारात घर में बच्चों और युवाओं के लिए पुस्तकालय बनवाने, 40 से 50 फीट से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों की उचित छंटाई करवाने तथा बारात घर के रखरखाव और देखरेख की पूरी जिम्मेदारी आरडब्ल्यूए को सौंपने की मांग भी सामने रखी गई।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और अधिकारी रहे मौजूद: इस बैठक में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संगीता शर्मा, महासचिव हरेन्द्र भाटी और कोषाध्यक्ष एडवोकेट विपिन भाटी ने अधिकारियों से सभी समस्याओं को पूरी गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई करने और कदम उठाने का आग्रह किया। डीजीएम विजय रावल ने एक बार फिर आश्वासन दिया कि सेक्टर बीटा-1 की सभी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराया जाएगा। इस बैठक में आरडब्ल्यूए के सचिव ओम प्रकाश शर्मा, सलाहकार जयपाल चौधरी, भीम सिंह भाटी, सुरेन्द्र सैनी, महेन्द्र सिंह, मागेराम शर्मा, आरपी शर्मा और दीपक भाटी सहित तमाम अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

वहीं दूसरी ओर, प्राधिकरण की तरफ से परियोजना विभाग के विनोद कुमार शर्मा, स्वतंत्र वर्मा और कुलदीप शर्मा, टेक्निकल विभाग के विकास भाटी, उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक ज्ञानेंद्र यादव और चमन नागर, इलेक्ट्रिकल विभाग के सौरभ भारद्वाज, स्वास्थ्य विभाग के राजेश कुमार गौतम, विवेक कुमार और गौरव बघेल तथा सीवर विभाग की संध्या सिंह, रामकिशन और टेक्निकल विभाग के ललित सहित कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

महिला ने फंदे से लटककर की आत्महत्या

नोएडा। सेक्टर-73 स्थित सर्फाबाद गांव में मंगलवार सुबह एक महिला ने आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला संभल के परियावली गांव निवासी 22 वर्षीय ममता का विवाह कुछ वर्ष पूर्व सोमवीर के साथ हुआ था। ममता का पति एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। दोनों सेक्टर-73 स्थित सर्फाबाद गांव में एक सोसाइटी के कमरे में किराये पर रहते थे। सोमवीर के साथ छोटा भाई दीपांशु भी रहता है। ममता एक दिन पूर्व ही अपने गांव से नोएडा आई थी। मामा की मौत के चलते सोमवीर गांव गया हुआ था। मंगलवार सुबह देवर दीपांशु किसी काम से बाहर गया। कुछ देर बाद लौटकर आया तो कमरे में ममता फंदे पर लटकी मिली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव को नीचे उतारा और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटना स्थल का निरीक्षण किया।

नोएडावासी करें वायु प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग : के के जैन

नोएडा। वर्तमान में बढ़ते वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए के के जैन, महासचिव फोनरवा ने सभी आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से विनम्र अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने सेक्टर एवं अपार्टमेंट में सभी निवासियों को प्रदूषण नियंत्रण के प्रति जागरूक करें तथा अपने स्तर पर आवश्यक सावधानियाँ एवं उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करें।



कृपया निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखें:

1. अनावश्यक रूप से निजी वाहनों का उपयोग न करें। छोटी दूरी के लिए पैदल चलें अथवा साइकिल का उपयोग करें।

2. ट्रैफिक सिग्नल पर अधिक समय तक रुकने की स्थिति में वाहन का इंजन बंद रखें।

3. कूड़ा, सूखी पत्तियाँ एवं अन्य सामग्री खुले में बिल्कुल न जलाएँ।

4. निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के दौरान धूल उड़ने से रोकने के लिए पानी का छिड़काव एवं अन्य आवश्यक उपाय करें।

5. सड़कों, पार्कों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें।

6. पानी एवं बिजली का अनावश्यक उपयोग न करें।

7. अधिक से अधिक पौधे लगाएँ तथा मौजूदा हरियाली का संरक्षण करें।

प्रदूषण नियंत्रण केवल सरकार या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, हम सब मिलकर व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयासों से अपने सेक्टर, अपार्टमेंट और पूरे नोएडा को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में अपना योगदान दें।

सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से अनुरोध है कि इस संदेश को अपने-अपने सोसाइटी एवं सेक्टर के व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा करें और निवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

शराब पार्टी के दौरान कार में लगी भीषण आग, जिंदा जलने से युवक की मौत, सीएनजी ब्लास्ट से मचा हड़कंप

नोएडा। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के अंतर्गत ट्रक मार्केट रायपुर तिराहे के पास सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां खड़ी एक टैक्सी कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कार के अंदर मौजूद एक युवक को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। आग की चपेट में आने से युवक बुरी तरह झुलस गया। मौके पर पहुंची पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन युवक की जान नहीं बचाई जा सकी। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, दिनांक 16/17 नवंबर 2026 की रात थाना सेक्टर-126 पुलिस को ट्रक मार्केट में एक टैक्सी कार में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस यूनिट और मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतमबुद्धनगर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। फायर सर्विस की टीम ने आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद कार में लगी आग को पूरी तरह बुझा दिया। जब पुलिस और राहत टीम ने कार की तलाशी ली तो उसके अंदर एक व्यक्ति झुलसी हुई अवस्था में मिला। उसे बिना देरी किए उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के समय कार चालक राजेंद्र और उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक कार में शराब पी रहे थे।

बताया जा रहा है कि इसी दौरान बीड़ी पीने के दौरान आग लगने की आशंका है। कार सीएनजी से संचालित बताई जा रही है और आग लगने के बाद उसमें ब्लास्ट होने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगी। घटना के बाद पुलिस मृतक युवक की पहचान करने में जुटी हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार में आग लगने के समय मौजूद दोनों युवकों में से मृतक कौन था। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही कार के स्वामित्व, चालक और मृतक के साथ मौजूद दूसरे युवक के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और मामले में अन्य जरूरी विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में 15 हजार वर्ग मीटर जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण, प्राधिकरण ने चलाया बुलडोजर

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को सेक्टर-144 पुस्ता रोड के साथ हिंडन डूब क्षेत्र में करीब 15 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

प्राधिकरण के अनुसार, हिंडन डूब क्षेत्र में संबंधित भूमि पर अवैध रूप से निर्माण और अतिक्रमण किया जा रहा था। इस पर मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को प्राधिकरण की ओर से ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया।



कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद अतिक्रमणकर्ताओं को भविष्य में उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं करने की चेतावनी भी दी गई।

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि दोबारा इस भूमि पर अवैध निर्माण या अतिक्रमण किया जाता है तो उसके खिलाफ फिर से प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने अवैध कब्जा करने वालों को चेतावनी देते हुए सरकारी और प्राधिकरण की भूमि पर किसी भी तरह का अनधिकृत निर्माण नहीं करने की हिदायत दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

गोपाष्टमी पर हुआ गौ-शिशु आश्रय गृह, बाल शिक्षा कक्ष तथा हवन स्थल का लोकार्पण



नोएडा। मंगलवार को श्रीजी गौ सदन, नोएडा में गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं गौसेवा के पुनीत उद्देश्य को समर्पित गोपाष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौमाता का विधिवत पूजन किया गया। समारोह में भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा निर्मित 'गौ-शिशु आश्रय गृह' एवं 'बाल शिक्षा कक्ष' तथा श्री सतनारायण गोयल द्वारा कराए गए हवन स्थल के सौंदर्यीकरण का भव्य लोकार्पण रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं गौमाता के पूजन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि स्वामी दीपांकर जी महाराज , माँ गीतेश्वरी जी (गीता आश्रम दिल्ली) सहित श्री जे.के. दादू, आईएएस (पूर्व सचिव, भारत सरकार), कैप्टन विकास गुप्ता (अध्यक्ष, कृषि अनुसंधान संस्थान, उत्तर प्रदेश), महेश चौहान (अध्यक्ष, महानगर नोएडा), श्रीमती विमला बाथम (पूर्व विधायक, नोएडा),एवं गोपाल अग्रवाल (राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा) की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। दीपांकर जी महाराज ने गौसेवा को प्रभुसेवा का माध्यम बताते हुए ऐसे सेवा कार्यों की सराहना की। श्रीजी गौ सदन के अध्यक्ष विकास अग्रवाल, महासचिव सुशील भारद्वाज ने बताया कि गौसदन निरंतर निराश्रित, बीमार एवं असहाय गोवंश की सेवा, उपचार, पोषण एवं संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि परिषद सेवा, संस्कार, समर्पण एवं संगठन के मूल मंत्र के साथ समाजहित के कार्यों में निरंतर सक्रिय है। गौसेवा एवं गोवंश संरक्षण परिषद की प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष सीए मनोज बंसल, स्वागत अध्यक्ष सीए राकेश अग्रवाल, संयोजक सीए महेश बाबू गुप्ता, सह-संयोजक श्री संदीप अग्रवाल, श्री संजय बाली सांसद प्रतिनिधि ,अल्पेश गर्ग, एन.के. अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, डॉ. टी.एन. गोविल, केशव गंगल, अखिलेश भदौरिया, सीए विकास अग्रवाल, सुनीता मित्तल, डी. के. मित्तल, प्रताप मेहता, डी.के. मित्तल, तुलसीदास थरेजा, महेश चौहान, एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सेक्टर 20 में हुआ ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का वितरण एवं निरिक्षण कार्य



नोएडा। नोएडा महानगर पं दीनदयाल उपाध्याय मंडल नोएडा के शक्ति केन्द्र ब्रह्मानंद पब्लिक स्कूल सेक्टर 20 में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का वितरण एवं निरिक्षण मंगलवार को सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष हरीश वर्मा की उपस्थिति मे किया गया। सभी 8 बूथों की बी एल ओ की उपस्थिति रही। कोषाध्यक्ष बी एल शर्मा, मंडल महामंत्री पी. सी. पंचोली, मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती विनय गुप्ता, श्रीमती शाइनी मुरलीधरन, श्रीमती ममता सिंह की सहभागिता रही। अध्यक्ष हरीश वर्मा ने प्रत्येक बूथ की लिस्ट चेक कर अधिक से अधिक अधिक मतदाताओं को जोड़ने की रूपरेखा तैयार की। मतदाता जोड़ो अभियान को सफल बनाने के लिए आरडब्ल्यूए की समस्त कार्यकारिणी एवं भाजपा पदाधिकारियों के कृतसंकल्प लिया।

यमुना सिटी के औद्योगिक पार्कों में 150 भूखंडों का आवंटन

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के औद्योगिक पार्कों में करीब 150 भूखंडों का आवंटन हो चुका है। इनमें सबसे अधिक 67 भूखंड सामान्य औद्योगिक इकाइयों के लिए आवंटित हुए। सभी को निर्माण शुरू करने के लिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट के संचालन के बाद से क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को तेज किया गया है। इसके फलस्वरूप वर्ष 2026 में अबतक विभिन्न प्रकार के उद्योगों के लिए 150 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इन भूखंडों से 36 हजार करोड़ रुपये का निवेश आएगा, जिनमें करीब 53 हजार लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

सामान्य उद्योगों के लिए 8000 वर्गमीटर से ऊपर क्षेत्रफल के 67 भूखंड आवंटित किए गए। मिक्स लैंड यूज में वेयरहाउस और लॉजिस्टिक के लिए 26 भूखंड आवंटित हो चुके हैं। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस पार्क की तीन अलग-अलग योजनाओं में 52 भूखंडों का आवंटन किया गया है। इसके अलावा टॉय और अपैरल पार्क में भी भूखंड आवंटित किए गए हैं। बताया कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत यीडा को 30 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मिला था। इनमें से 77 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। प्राधिकरण ने इस वर्ष 27 कंपनियों को 33 हजार करोड़ के प्रस्तावित निवेश के साथ भूखंड आवंटित किए हैं। इनमें से सात इकाइयों ने धरातल पर काम शुरू कर दिया। शेष बड़ी कंपनियों के शिलान्यास के लिए कार्य प्रगति पर है।

मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं रहे उपलब्ध: उप जिला निर्वाचन अधिकारी



गौतमबुद्धनगर। भारत निर्वाचन आयोग एवं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आज गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा स्थित ऑडिटोरियम में सेक्टर ऑफिसर एवं सेक्टर पुलिस ऑफिसर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में नोएडा-61, दादरी-62 एवं जेवर-63 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण में अधिकारियों को वल्नरेबिलिटी मैपिंग, क्रिटिकल पोलिंग स्टेशन की पहचान एवं मतदान केंद्रों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। साथ ही मतदान केंद्रों पर पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं रैंप सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी दी गई।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपने आवंटित क्षेत्रों में निर्वाचन संबंधी तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराएं। नियमित क्षेत्र भ्रमण एवं प्रभावी कार्ययोजना से निर्वाचन प्रक्रिया सुव्यवस्थित बनेगी तथा प्रत्येक मतदाता के लिए सुरक्षित एवं सुगम मतदान की व्यवस्था सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर/सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अरुण कुमार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

यमुना प्राधिकरण में एसीईओ के कामों में बदलाव

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीइओ) के नाम व काम बदल गए हैं। एक साथ तीन एसीईओ के ताबदले के बाद मंगलवार को सीईओ राकेश कुमार सिंह ने दो नवनियुक्त समेत तीन एसीईओ को नए सिरे से कार्यभार सौंपा है। सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि यमुना प्राधिकरण से पिछले दिनों एसीईओ राजेश कुमार, नितिन मदान व शैलेंद्र सिंह का ट्रांसफर हो गया था। उनके स्थान पर दो एसीईओ संजय मीना व कृष्ण कुमार सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। नवनियुक्त एसीईओ संजय मीना को भूमि, टाउन प्लानिंग, वित्त, कानून संबंधी मामले, प्रवर्तन सैल आदि का काम सौंपा गया है।

वहीं, एसीईओ केके सिंह को एलएफडी, आवासीय, संस्थागत, ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, एसीईओ मनीष मीणा को अब परियोजना, सात प्रतिशत आबादी, उद्योग, उद्यान, यमुना एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट आदि विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आगामी 12 दिसंबर को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत ने बताया कि आगामी 12/12/2026 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे।

18 नवंबर 2026 को विकास भवन में आयोजित होगा किसान दिवस

गौतमबुद्धनगर। उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर विवेक दुबे ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि कृषकों की कृषि संबंधी समस्याओं के निराकरण एवं विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को जिला मुख्यालय के निकट किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 18 नवंबर 2026 (बुधवार) को प्रातः 11:00 बजे विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में किसान दिवस का आयोजन किया जाएगा। कृषकों की सहायता हेतु आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। उप कृषि निदेशक ने जनपद के सभी किसान भाइयों/कृषक प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे 18 नवंबर 2026 (बुधवार) को विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में आयोजित किसान दिवस में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें तथा कृषि एवं कृषक कल्याण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत यूपीएससी की निःशुल्क कक्षाएं संचालित, इच्छुक छात्र करें आवेदन

गौतमबुद्धनगर। जिला समाज कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर सतीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत प्रतियोगी परीक्षा यू0पी0एस0सी0 की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं हेतु निःशुल्क कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।यू0पी0एस0सी0 की तैयारी हेतु कक्षाओं का संचालन योजनान्तर्गत केन्द्र डा0 भीमराव आम्बेडकर पुस्तकालय, सेक्टर 37, नोएडा में किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि यू0पी0एस0सी0 परीक्षा की तैयारी हेतु कक्षाएं वर्तमान में संचालित हैं। जनपद के इच्छुक छात्र निःशुल्क योजना का लाभ पाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ लेने हेतु छात्रों का चयन प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। योजनान्तर्गत किसी भी प्रकार की आय व जाति की बाध्यता नहीं है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, कक्ष संख्या 116, 117, विकास भवन सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा तथा डा0बी0आर0 आम्बेडकर पुस्तकालय, सेक्टर 37, नोएडा से प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु सारांश श्रीवास्तव, वरिष्ठ सहायक, समाज कल्याण विभाग, मोबाइल नंबर 8860517148 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रैप-3 की पाबंदियां खत्म, नोएडा-ग्रेटर नोएडा के स्कूलों में सामान्य रूप से चलेंगी क्लासेज

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के स्तर में सुधार के बाद ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप)-तीन की पाबंदियां समाप्त कर दी गई हैं। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर के स्कूलों में कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ाई कराने की व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई है। अब स्कूलों में पहले की तरह सामान्य रूप से कक्षाओं का संचालन होगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने सोमवार को आदेश जारी करते हुए बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने छह नवंबर को जारी निर्देश के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-तीन लागू किया था।

ऑफलाइन चलेंगी कक्षाएं: इसके तहत सात नवंबर से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए शिक्षण कार्य हाइब्रिड मोड में संचालित करने के निर्देश दिए गए थे। अब दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-तीन की पाबंदियां समाप्त कर दी गई हैं।

जारचा थाने में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर का शव बाथरूम में मिला, मचा हड़कंप



ग्रेटर नोएडा। जारचा थाने में उस समय हड़कंप मच गया जब वहां तैनात एक महिला सब इंस्पेक्टर का शव अचानक बाथरूम के अंदर मिला। मृतक महिला पुलिस अधिकारी की पहचान 2023 बैच की सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम के रूप में हुई है। थाने के परिसर में ही सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम का शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे पुलिस विभाग में हलचल मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम का शव बाथरूम के अंदर पड़ा हुआ मिला। रश्मि गौतम जारचा थाने में महिला सब इंस्पेक्टर के पद पर अपनी सेवाएं दे रही थीं। जैसे ही सहकर्मियों को इस घटना का पता चला, तुरंत ही आला अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। घटना के बाद से ही पुलिस महकमे में शोक का माहौल बना हुआ है।

शरीर पर नहीं मिले चोट के कोई निशान: पुलिस की शुरुआती जांच में मृतक महिला सब इंस्पेक्टर रश्मि गौतम के शरीर पर चोट के कोई भी निशान नहीं पाए गए हैं। शरीर पर किसी प्रकार की चोट का निशान न होने के कारण प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक की ही आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उनकी मौत के वास्तविक और सही कारणों का पता पूरी जांच-पड़ताल प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ही चल सकेगा।

एडीसीपी और पुलिस अधिकारियों ने की जांच: इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही एडीसीपी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। एडीसीपी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की गहन जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। जारचा थाना क्षेत्र में घटी इस घटना के बाद से पुलिस अधिकारी मौके पर ही मौजूद रहकर जांच में जुटे हुए हैं। 2023 बैच की इस युवा महिला अधिकारी की अचानक हुई मौत से पूरे पुलिस विभाग में शोक और हड़कंप व्याप्त है।

नोएडा में कानून व्यवस्था को धार देने के लिए 16 उपनिरीक्षकों के तबादले, 13 नए चौकी प्रभारी तैनात

नोएडा। कानून व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस अधिकारियों के फेरबदल किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने कुल 16 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन सभी तबादलों का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाना है। जारी किए गए आदेशों के मुताबिक इनमें से 13 उपनिरीक्षकों को अलग-अलग चौकियों का नया प्रभारी बनाया गया है, जबकि अन्य बचे हुए उपनिरीक्षकों को विभिन्न थानों में नई तैनाती दी गई है।

पुलिस उपायुक्त डॉ. प्रवीण रंजन सिंह के अनुसार, प्रशासनिक फेरबदल के तहत उपनिरीक्षक अविनाश धामा को गढ़ी चौखंडी चौकी का प्रभार सौंपा गया है। उनके अलावा राहुल प्रताप सिंह को एच-ब्लॉक सेक्टर-63 चौकी का प्रभारी बनाया गया है। आदेशों में उपनिरीक्षक ललित कुमार को चेरी काउंटी चौकी, दिनेश सोलंकी को राइस सिटी चौकी और राजेंद्र सिंह को सेक्टर-3 न्यू मेड हॉस्पिटल चौकी का प्रभार दिया गया है। इसी तरह राधे सक्सेना को कस्बा सूरजपुर चौकी का जिम्मा सौंपा गया है, जबकि दीपक कुमार को कचहरी चौकी और नवीन कुमार को एवीजी हाइट सोसाइटी चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

विभिन्न चौकियों और थानों में अन्य नियुक्तियां: इस तबादला सूची में कई अन्य पुलिसकर्मियों के नाम भी शामिल हैं। आदेशों के अनुसार, निखिल शुक्ला को सेक्टर-10 चौकी, थाना ईकोटेक-3 भेजा गया है। वहीं प्रवीण कुमार को सेक्टर-144 चौकी, सचिन यादव को सेक्टर-145 चौकी, आशुतोष पांडे को सी-ब्लॉक सेक्टर-63 चौकी और रविंद्र यादव को औद्योगिक क्षेत्र, थाना सूरजपुर की चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

ग्रैप-3 का उल्लंघन करने पर 2865 वाहनों के चालान

नोएडा। यातायात पुलिस ने जिले में ग्रैप-3 के नियमों के उल्लंघन और प्रदूषण फैलाने के कारण 11 दिनों में 2865 वाहनों के चालान किए। इन पर चार करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया। डीसीपी यातायात सैय्यद अली अब्बास ने कहा कि छह नवंबर से 16 नवंबर तक प्रदूषण फैलाने से संबंधित अलग-अलग नियमों के उल्लंघन पर वाहनों के चालान किए गए। इसमें बिना प्रदूषण जांच दौड़ने के कारण 1629 वाहनों पर कुल 16290000 रुपये जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा धुआं फैला रहे 29 वाहनों पर 290000 रुपये का चालान किया गया। बिना ढके मलबा और निर्माण सामग्री ले जाने के कारण 34 वाहनों पर 680000 रुपये का चालान किया गया। इसके अलावा 354 बीएस-3 पेट्रोल वाहनों पर 7080000 का जुर्माना लगाया गया। बीएस-फोर डीजल 819 वाहनों का 16380000 रुपये का चालान किया गया। ऐसे में सभी वाहनों पर कुल 40720000 रुपये का चालान किया गया। ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के जरिए 196 ट्रकों को मोड़ा गया।

ग्रैप-2 के तहत 1133 वाहनों के चालान: नोएडा। जिले में यातायात पुलिस ने दो नवंबर से पांच नवंबर तक ग्रैप-2 के नियमों के उल्लंघन पर 1133 वाहनों के चालान किए। इसमें बिना प्रदूषण जांच वाहन दौड़ाने के कारण 1057, धुआं उड़ाने पर 53 और बिना ढके मलबा और निर्माण सामग्री ले जाने पर 23 वाहनों के चालान किए गए। वाहनों के कुल 11560000 रुपये के चालान किए गए थे।

नोएडा प्राधिकरण में प्रवेश पास बनवाने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहते हैं महिला, पुरुष



नोएडा। आज ग्राम विकास संगठन नोएडा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक भवन सैक्टर- 96 में जाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के स्वागत कक्ष पर पास बनवाने के लिए पहोचे वहाँ पर देखा की दो लम्बी लाईन लगी हुई है जिसमें सैकड़ों महिला पुरुष के साथ वृद्ध महिला पुरुष भी खड़े हुए हैं जबकि प्रवेश पास बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के द्वारा चार काउंटर बनाये गए हैं नोएडा प्राधिकरण के स्टाफ से पूछा कि बाकी दो काउंटर पर प्रवेश पास क्यों नहीं बनाये जा रहे है तो जवाब मिला की ऊपर के अधिकारी स्टाफ और सिस्टम नहीं दे रहे हैं कुछ कंप्यूटर खराब है तो मैं कैसे चारों काउंटर को पास के लिए चालू कराऊ।

घंटों लाईन में खड़े रहने के बाद नोएडा प्राधिकरण में जाने के लिए प्रवेश पास बन रहा है।

सवाल यह है कि नोएडा प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों ने चारो काउंटर पर प्रवेश पास बनाने का इंतजाम क्यों नहीं किया है आखिर आम जनता ,बुजुर्ग , महिला पुरुषों का आधा समय तो लाइन में प्रवेश पास प्राप्त करने में ही व्यर्थ चला जाता है जब तक जनसुनवाई समाप्त हो जाती है नोएडा प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों को स्वागत कक्ष के चारों काउंटरों पर प्रवेश पास बनाने का इंतजाम करना चाहिए।

सवाल यह भी है कि जब ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण में प्रवेश के लिए पास नहीं बनाए जाते हैं तो नोएडा प्राधिकरण में प्रवेश के लिए क्यों पास बनाए जाते हैं। जबकि बार-बार सरकार और अधिकारी कहते हैं कि तीनों प्राधिकरण के नियम एक समान होंगे नोएडा प्राधिकरण में भी प्रवेश पास बनाने की व्यवस्था ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना प्राधिकरण की तरह समाप्त की जाए।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञानेश कुमार पर अभिजीत दीपके ने साधी चुप्पी, अब तो नाम तक लेना छोड़ दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने पिछले कुछ दिनों से चुप्पी साध रखी है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को टारगेट नंबर-1 बना चुके दीपके ने दिवाली ब्रेक के दौरान उनका नाम तक लेना छोड़ दिया। पिछले 8 दिनों में दीपके ने जहां ज्ञानेश कुमार को लेकर चुप्पी साधे रखी तो पिछले 5 दिन से वह सोशल मीडिया पर पूरी तरह खामोश हैं। सीजेपी संस्थापक जिस तरह शांत बैठ गए हैं, उसको लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। नीट पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन चलाकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफे के लिए मजबूर कर देने वाली सीजेपी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के बाद सीजेपी ने स्कूल ठीक करो अभियान को बीच में ही छोड़ दिया और ऐलान कर दिया था कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हो जाता है, वे चैन से नहीं बैठेंगे। हालांकि, दिल्ली पुलिस की ओर से की गई सख्ती और कानूनी मुश्किलों में फंसने के बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने दिवाली ब्रेक का ऐलान कर दिया था। लेकिन अब छठ बीत जाने के बाद भी सीजेपी ने ना तो आंदोलन की शुरुआत की है और ना ही किसी तरह का कोई नया ऐलान किया है।

दीपके ने 9 नवंबर को आखिरी बार किया था ज्ञानेश कुमार का जिक्र- एक दिन में कई-कई बार ज्ञानेश कुमार पर बरसने वाले दीपके पिछले कुछ समय में नरम पड़ते दिख रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 9 नवंबर को ज्ञानेश कुमार का जिक्र अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर किया था। उसमें भी निशाने पर मुख्य तौर पर महाराष्ट्र की भाजपा सरकार थी। गोकुल डेयरी में हुए चुनाव में महायुति के पिछड़ने के बाद भी सत्ता पर काबिज होने के तरीके का जिक्र करते हुए दीपके ने कहा, यदि वे एक डेयरी कॉपरेटिव का बहुमत चोरी करने के लिए इतने व्यग्र हैं तो सोचिए कि वे राज्यों के चुनाव में ज्ञानेश कुमार की मदद से क्या करते होंगे? वहीं, 7 नवंबर को उन्होंने केरलम में ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के खिलाफ एक रैली की थी।सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन को दिवाली तक रोकने का ऐलान किया था। सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद दीपके ने कहा था कि आंदोलनकारी लंबे समय से परिवार से दूर हैं, इसलिए त्योहार के समय सभी परिवार के पास लौट जाएं और उनके साथ कुछ वक्त गुजारें। बाद में सीजेपी नेताओं ने आगे की रणनीति पर विचार भी किया था। लेकिन इसकी घोषणा नहीं हुई है। सीजेपी नेताओं ने यह संकेत जरूर दिया था कि इस बार आंदोलन की रूप रेखा पहले से कुछ अलग होने वाली है।

साइबर ठगों के निशाने पर फाइनेंस कंपनियां, एआई का सहारा लेकर उड़ाए 65 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। अब तक आम लोगों को डिजिटल अरेस्ट या फर्जी कॉल के जरिए ठगने वाले साइबर अपराधियों ने अपना पैंतरा बदल लिया है। ठगों के निशाने पर अब नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां भी आ गई हैं।पिछले महज तीन महीनों के भीतर दिल्ली-एनसीआर की 12 फाइनेंस कंपनियों के सॉफ्टवेयर में सेंध लगाकर हैकर्स ने 65 करोड़ रुपये से ज्यादा की चपत लगाई है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हाई-टेक ठगी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) हैकिंग टूल्स का भी इस्तेमाल किया गया है।दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में दर्ज ये 12 एफआईआर देशभर में चल रहे एक बड़े साइबर सिंडिकेट का हिस्सा हैं। इसी अवधि में पूरे देश की अलग-अलग एनबीएफसी से ठगी की 150 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें कुल 300 करोड़ रुपये से अधिक की रकम उड़ाई गई है।पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 65 करोड़ में से 18 करोड़ रुपये की रकम को कैश निकालने या क्रिप्टोकरेंसी में बदलने से पहले ही ट्रैक कर फ्रीज कर दिया है।

पुलिस जांच में ठगी का एक बिल्कुल नया पैटर्न सामने आया है। इसमें ठग ग्राहकों को फोन करने के बजाय सीधे फाइनेंस कंपनियों के सिस्टम को हैक करते हैं। कई छोटी फाइनेंस कंपनियों के एप या वेबसाइट के कोडिंग सिस्टम में तकनीकी खामियां होती हैं। हैकर्स मैलवेयर के जरिए इनके फ्रंट-एंड में घुसपैठ करते हैं। यह मैलवेयर 7 से 8 दिनों तक सिस्टम में छिपा रहता है और उन लोन की जानकारी जुटाता है, जो मंजूर तो हो चुके हैं, लेकिन ग्राहकों के खाते में भेजे नहीं गए हैं।

किसी उम्मीदवार को अपनी सीट आरक्षित कराने का अधिकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी भी मतदाता या उम्मीदवार को SC/ST समुदाय के लिए किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र को आरक्षित करने की मांग करने का अधिकार नहीं है। अगर आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या इन समुदायों की आबादी के अनुपात में है, तो सरकार के इस फैसले पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। याचिकाकर्ताओं ने जिला परिषद और पंचायत समिति अधिनियम, 1961 में सरकार द्वारा 2025 में किए गए संशोधन को चुनौती दी थी। इस संशोधन में कहा गया है कि SC/ST समुदायों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों को रोटेट (बारी-बारी से बदलना) करने की प्रक्रिया अगले आम चुनाव से शुरू मानी जाएगी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इससे पिछले रोटेशन का इतिहास खत्म हो गया है और इसका मतलब यह है कि कुछ निर्वाचन क्षेत्र, जिन्हें पुराने साइकिल के आधार पर आरक्षित होना चाहिए था, वे अब आरक्षित नहीं होंगे। वकील विपिन सांघी ने कहा, नए नियमों को लागू करना अपने आप में पिछले रोटेशन चक्र को नजरअंदाज करने का कोई ठोस आधार नहीं हो सकता खासकर तब, जब संबंधित चुनावी क्षेत्र काफी हद तक अभी भी मौजूद हैं भले ही उनकी सीमाएं, इलाके या संख्यात्मक नाम बदल गए हों। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने पूछा, क्या मतदाताओं या उम्मीदवारों को यह अधिकार है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र को SC/ST समुदाय के लिए आरक्षित करवा सकें? पीठ ने कहा, किसी भी उम्मीदवार या मतदाता को निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित करवाने का अधिकार नहीं है। नियमों के अनुसार, SC/ST समुदाय के लिए आरक्षित सीटों की संख्या, चुनाव वाले राज्य या लोकतांत्रिक इकाई में उनकी जनसंख्या के अनुपात में होनी चाहिए। किसी का भी यह दावा नहीं है कि SC/ST समुदाय के लिए जरूरी प्रतिशत में सीटें आरक्षित नहीं की गई हैं। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि संशोधित नियम संविधान द्वारा अनिवार्य आरक्षण नीति के अनुरूप हैं। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ताओं को यह छूट दी कि वे संबंधित प्राधिकरण से अपने अभ्यावेदनों पर विचार करने के लिए कह सकते हैं।

एसआईआर में सुधार से बिहार-बंगाल चुनाव वैध नहीं हो जाते, सुप्रीम कोर्ट में इंडी गठबंधन का EC पर हमला

इंडी गठबंधन के सदस्यों ने चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अब उठाए गए सुधारात्मक कदम, बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनावों की वैधता पर सवाल खड़े करते हैं; क्योंकि वहां ऐसे कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए थे, जिसके चलते बड़ी संख्या में मतदाता छूट गए।

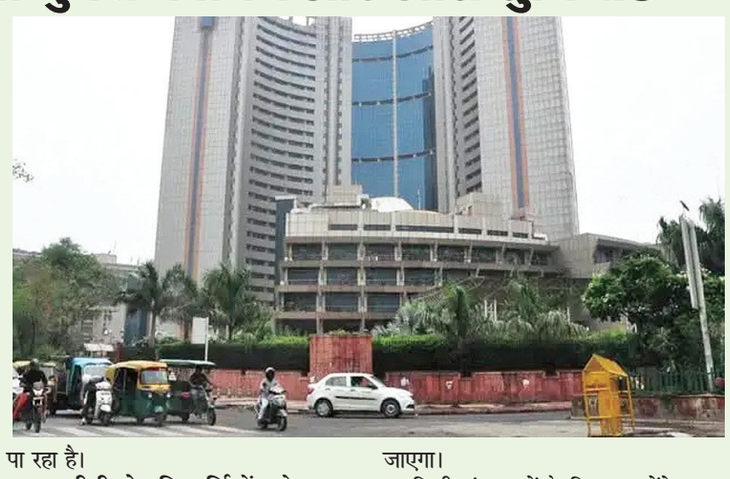
SIR सुधारों से बिहार-बंगाल चुनावों की वैधता पर सवाल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव आयोग ने ये सुधारात्मक कदम तब उठाए, जब सुप्रीम कोर्ट ने SIR प्रक्रिया की जांच शुरू की और 11 नवंबर को पत्र जारी किए। सीईसी ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच सर्वसम्मति होने के आयोग के दावे पर सवाल उठाते हुए, याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यह बात संदिग्ध है, क्योंकि हलफनामे के साथ ऐसी सर्वसम्मति से जुड़ी बैठकों का कोई विवरण शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट को संबंधित फाइलों की जांच किए बिना, चुनाव आयुक्तों के सर्वसम्मत फैसले के केवल मौखिक दावे को स्वीकार नहीं करना चाहिए।

बंगाल में 16.1 लाख अपीलें हुई थीं दायर

आयोग के एक अतिरिक्त सचिव द्वारा जारी कार्य आवंटन आदेश का विरोध करते हुए, दो चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को पत्र लिखा था। इस पर याचिकाकर्ताओं ने कहा, हमारा निवेदन है कि आयोग द्वारा महत्वपूर्ण परिस्थितियों को केवल आंतरिक मतभेद या प्रशासनिक बातचीत बताकर खारिज करने की कोशिश को, यह अदालत गंभीरता से ले। बंगाल में मतदाताओं को शामिल करने के लिए न्यायिक अधिकारियों के आदेशों के खिलाफ 16.1 लाख अपीलें दायर करने के मामले में, चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि आयोग के सदस्यों की जानकारी के बिना ही ये अपीलें दायर कर दी गईं।

दिल्ली में निजी हाथों में जाएंगे MCD के 13 स्टेडियम, छात्रों को मिलेगी मुफ्त कोचिंग और खास सुविधाएं



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम अपने शिक्षा विभाग के अधीन संचालित 13 स्टेडियमों की खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए निगम ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित नीति तैयार की है।

इसके तहत निजी संचालकों को पांच वर्ष के लिए स्टेडियमों के विकास, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। संचालकों को अपने निवेश से खेल सुविधाओं का विकास करना होगा। इसके बदले उन्हें निर्धारित शर्तों के तहत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने की अनुमति मिलेगी।

निगम की इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों को बेहतर खेल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ ही दिल्ली के नागरिकों के लिए भी आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित करना है। वर्तमान में एमसीडी के शिक्षा विभाग के नियंत्रण में 13 स्टेडियम संचालित हैं।

वहीं, इनमें फुटबाल, क्रिकेट, वालीबाल, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों के आयोजन और प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। हालांकि, सीमित संसाधनों, रखरखाव और पेशेवर प्रबंधन की कमी के कारण इनका पूरी क्षमता से इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है।

एमसीडी के विद्यार्थियों को मुफ्त प्रशिक्षण: प्रस्तावित नीति में एमसीडी के विद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता दी गई है। इन विद्यार्थियों को योग्य प्रशिक्षकों की देखरेख में खेल प्रशिक्षण की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराने का प्रविधान किया गया है।

वहीं, दिल्ली के अन्य निवासियों को शुल्क के आधार पर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इसके अलावा मल्टी स्पोर्ट्स कोचिंग और व्यापक सामुदायिक खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

निजी संचालकों के लिए तय होंगे मानक नीति के तहत प्रत्येक स्टेडियम के लिए पात्रता रखने वाले निजी संचालक का चयन किया जाएगा। संचालक को अपनी लागत से खेल अवसंरचना का विकास, संचालन और रखरखाव करना होगा। इसके लिए पारदर्शी चयन प्रक्रिया, पात्रता मानक और अनुबंध की शर्तें निर्धारित की गई हैं। समझौते की अवधि पांच वर्ष होगी। जरूरत पड़ने पर समीक्षा और आपसी सहमति के आधार पर अधिकतम छह माह की अतिरिक्त अवधि दी जा सकेगी।

बदलते मीडिया परिदृश्य को रेगुलेट करने की जरूरत, भ्रामक सूचनाओं और डीप फेक को लेकर बोले अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को मीडिया के तेजी से बदलते परिदृश्य को रेगुलेट करने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने नागरिकों को सशक्त बनाने और भ्रामक सूचनाओं, डीप फेक तथा बच्चों पर हानिकारक सामग्री से निपटने के उपायों पर जोर दिया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस कार्यक्रम में वैष्णव ने सवाल उठाया कि क्या डिजिटल मंचों के सामुदायिक दिशा-निर्देश इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं, जिसमें भ्रामक विज्ञापन और डिजिटल अरेस्ट जैसे आनलाइन स्कैम शामिल हैं। उन्होंने डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी बल दिया।



कहीं ज्यादा तकनीकी बदलाव देखने को मिलेंगे: वैष्णव ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में पिछले दो दशकों की तुलना में कहीं अधिक तकनीकी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने युवा पत्रकारों से समय के साथ खुद को ढालने और अपने कौशल को लगातार निखारते रहने का अनुरोध किया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका पर भी बात की और जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व पर जोर दिया।

खबर फैलाने वाला कोई भी बन सकता है...: पीसीआई अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और पत्रकारिता के मानकों को बेहतर बनाने की परिषद की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि आज कोई भी व्यक्ति जो फोन और इंटरनेट का उपयोग करता है, वह खबर फैलाने वाला बन सकता है, लेकिन सभी को पत्रकारिता की नैतिकता का प्रशिक्षण नहीं मिला होता और न ही वे इसके नियमों से बंधे होते हैं।

पार्क में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, शिकायत करने पर पलक झपकते मिलेगी मदद...



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 24 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में महिला सुरक्षा के लिए तीन महीने का एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देशों के बाद राजधानी में जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव शुरू हो गए हैं। दिल्ली पुलिस ने सार्वजनिक पार्कों की सुरक्षा, तकनीक के इस्तेमाल, महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी और त्वरित न्याय (स्पीडी ट्रायल) को लेकर अपनी प्रगति रिपोर्ट साझा की है।

राजधानी के पार्कों को महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। सभी पार्कों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश के तहत अब तक 6,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं।

इसके अलावा, दिल्ली भर में कुल 19,822 डार्क स्पाट्स (अंधेरे वाले स्थान) की पहचान की गई है, जिन्हें सीसीटीवी निगरानी के दायरे में लाया जा रहा है। अब तक 1,635 पार्कों का सुरक्षा आडिट पूरा कर लिया गया है, जहां चारदीवारी, फेंसिंग और लाइटिंग व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। 26 जनवरी 2027 तक सभी पार्कों की फेंसिंग और बाउंड्री वाल का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।503 बड़े पार्कों में गेट लगाने और नियमित गश्त का 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है, साथ ही पार्कों के बाहर पीसीआर वैन की तैनाती भी सुनिश्चित की जा रही है। आपातकालीन स्थितियों में त्वरित मदद पहुंचाने और महिला पुलिसकर्मियों की दृश्यता बढ़ाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम का औसत रिस्पांस टाइम 11 मिनट 53 सेकंड से घटकर अब आठ मिनट दो सेकंड रह गया है। राजधानी में 178 पिंक स्कूटी सक्रिय रूप से गश्त कर रही हैं (प्रति स्कूटी औसतन 7.4 घंटे), और 35 आल-वुमन पीसीआर वैन तैनात की गई हैं। इसके साथ ही 125 पिंक बूथों पर रोजाना औसतन 308 महिला शिकायतकर्ता पहुंच रही हैं।

दाखिले से लेकर ट्रेनिंग तक... निगम श्री स्कूलों में तराशी जाएंगी खेल प्रतिभाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम अपने निगम श्री स्कूल आफ एक्सिलेंस को खेल प्रतिभाओं को तराशने के केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

इसके लिए संचालन करने वाली संस्थाओं के चयन, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, खेल सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर विस्तृत मानक निर्धारित किए गए हैं। इसका उद्देश्य निगम के बच्चों को बेहतर खेल प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है। तय मानकों के अनुसार, निगम श्री स्कूल आफ एक्सिलेंस के संचालन की जिम्मेदारी देने से पहले संबंधित संस्था का अनुभव और उसकी क्षमता परखी जाएगी। संस्था के पास खेल गतिविधियों के संचालन, प्रशिक्षण, कोचिंग, पाठ्यक्रम विकास और खेल अकादमी चलाने का अनुभव होना जरूरी होगा। इसके साथ ही खेल सुविधाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षकों की योग्यता और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी चयन का आधार बनाया जाएगा।

100 अंकों का होगा मूल्यांकन: संचालन के लिए आवेदन करने वाली संस्थाओं का दो चरणों में मूल्यांकन होगा। पहले चरण में पात्रता संबंधी शर्तों की जांच होगी। इसके बाद तकनीकी मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए अधिकतम 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। इसमें खेल के क्षेत्र में संस्था का अनुभव, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियां, प्रशिक्षकों की योग्यता, खेल सुविधाएं और प्रशिक्षण व्यवस्था जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।

खेल के अनुसार विकसित होगा बुनियादी ढांचा: निगम श्री स्कूल आफ एक्सिलेंस में खेलों की जरूरत के अनुसार आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। इनमें टेनिस कोर्ट, फुटबाल मैदान, क्रिकेट मैदान और अभ्यास नेट, बास्केटबाल कोर्ट, वालीबाल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट और स्केटिंग रिंक जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा खेल विज्ञान और प्रदर्शन मूल्यांकन केंद्र विकसित करने का भी प्रावधान है। खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम, चिकित्सा सुविधा, प्रशासनिक कार्यालय और सुरक्षा व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी।

बच्चों की सुरक्षा पर भी जोर

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। इसके लिए बाल संरक्षण नीति, सुरक्षा संबंधी घोषणापत्र और उत्पीड़न रोकने के उपाय लागू करने होंगे। खिलाड़ियों की उपस्थिति, प्रशिक्षण और उपलब्धियों का डिजिटल रिकार्ड भी रखना होगा। नियमित रूप से प्रशिक्षण की गुणवत्ता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। संचालन की अवधि पांच वर्ष निर्धारित की गई है। इस दौरान संस्था के कामकाज और प्रदर्शन का मूल्यांकन होगा। निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने पर संचालन व्यवस्था में बदलाव की कार्रवाई भी की जा सकेगी।

सीजन का सबसे ठंडा दिन 16 नवंबर, दिल्ली में 14.8 डिग्री सेल्सियस तक गिरा न्यूनतम तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार (16 नवंबर) को दिल्ली में नवंबर का अब तक का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। दिन का अधिकतम तापमान गिरकर 27.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

वहीं, सुबह के समय भी ठंड का असर देखने को मिला और न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन का अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान है। इससे पहले 11 नवंबर को भी न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के आधार मौसम केंद्र सफदरजंग में सोमवार को अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा लोधी रोड में 27.2 डिग्री, आया नगर में 27 डिग्री, रिज में 26.4 डिग्री और पालम में 25.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। इसी तरह पालम में दिन का तापमान अन्य मौसम केंद्रों के मुकाबले सबसे कम रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो पालम में 14.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक था। लोधी रोड और सफदरजंग दोनों जगह न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री रहा। लोधी रोड का न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं, रिज में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.1 डिग्री कम था। आया नगर में न्यूनतम तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक रहा।



दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा में थोड़ा सुधार, राजधानी का एक्यूआई लुढ़ककर आया 300 से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (300 से नीचे दर्ज किया गया। इससे पहले सोमवार को भी एनसीआर में एक्यूआई 300 से नीचे रहा था। ऐसे में दिल्ली वालों को प्रदूषण से हल्की राहत मिली है। दिल्ली से सटे इलाकों में आज एक्यूआई 300 के नीचे ही रहा। नोएडा में आज सुबह एक्यूआई 200 से नीचे देखा गया तो वहीं गुरुग्राम में एक्यूआई 300 के आसपास दर्ज किया गया। अभी सिर्फ हल्की राहत: दिल्ली-एनसीआर में हवा थोड़ी साफ होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को हल्की राहत मिली है। लोगों को पिछले 10 दिन से सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। यहां तक बुजुर्ग और बच्चे भी घर से बाहर निकलने से गुरेज कर रहे थे। वहीं, छह इलाके ऐसे हैं जो पिछले पांच सर्दियों से लगातार दिल्ली के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शामिल हैं। पूसा जैसे हरे भरे क्षेत्र में प्रदूषण का यह स्तर चौंकाता है। सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया है। इस विश्लेषण में अक्टूबर से फरवरी के दौरान पिछली छह सर्दियों के पीएम 2.5 स्तरों की तुलना की गई है। हालांकि, मौजूदा सर्दियों (2026-27) के आंकड़े 13 नवंबर तक के ही हैं। आईटीओ की रैंकिंग में बड़ा उछाल: पिछले वर्षों के आंकड़ों से पता चलता है कि कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा है। आइटीओ, जो 2021-22 की सर्दियों में 17वें और 2022-23 में 13वें स्थान पर था, अगले दो वर्षों में 24वें और 26वें स्थान पर पहुंच गया था। पिछले सीजन में यह 18वें स्थान पर रहा, लेकिन अक्सर रहने वाले यातायात जाम के कारण इस बार सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसी तरह डीटीयू 2021-22 में 13वें स्थान पर था, लेकिन अगले सीजन में 37वें स्थान पर खिसक गया। इसके बाद तीन सर्दियों तक 27वें से 39वें स्थान के बीच बना रहा। इस बार बायोमास जलाने और धूल उड़ने से पांचवें स्थान पर पहुंचना इसके आसपास बढ़ते प्रदूषण के दबाव को दर्शाता है।

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

ट्यूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उत्तरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही

चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।



धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

ष्टस्च्य मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए



नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर



की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।

चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

- वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

'चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर'

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, 'हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट-बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे।'

भारत की प्लेइंग इलेवन में



रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, 'हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन । बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर—हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'



हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में



बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।

रजाउल्लाह और जमाल ने लिए 3-3 विकेट

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नई दिल्ली । पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल



दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई। मेंडिस 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोनल ने 21 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कप्तान बाबर आजम के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। मोहम्मद अब्बास ने 14 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, 'पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'

'सैंडपेपरगेट विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले की तरह अब भी विभाजीत': अश्विन



नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की लिखी किताब 'सब्र' की रिलीज के बाद से 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुआ सैंडपेपरगेट कांड फिर से चर्चा में है। इस विषय पर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच एकमत नहीं है। पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर भी अपनी राय दी। पूर्व भारतीय स्पिनर ने स्टार स्पोर्ट्स के 'सैंडपेपरगेट : द अनसेटल्ड डिबेट' पर कहा, 'इस किताब में उस्मान ख्वाजा ने अपनी कहानी स्पष्ट तरीके से बताई है। वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केवल तीन लोग ही इसके बारे में जानते थे, और भी लोग थे।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मैं एक क्रिकेटर के तौर पर सच में तारीफ करता हूं। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के दावों को बेबुनियाद, बकवास और बिना सबूत वाला कहा है। वहीं, डेविड वॉर्नर का बयान ख्वाजा का समर्थन करता है। यह चिंता की बात है, चाहे हम इसे कैसे भी देखें।'